वर्ष 69 ▸▸ अंक 86 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, बुधवार 24 दिसंबर, 2025
पौष शुक्ल पक्ष 04, विक्रम संवत् 2082
▸▸ महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
www.dainikjagranmpcg.com

हम भीतर जो हासिल करते हैं, वही बाहरी वास्तविकता को बदल देता है।
-प्लूटार्क

गुजरता साल 2025 यादगार लम्हे

साल 2025 अब चंद दिनों का मेहमान है। जल्द ही यह भी इतिहास का हिस्सा बन जायेगा लेकिन अपनी कुछ विशिष्ट घटनाओं और गतिविधियों के कारण हमेशा याद भी रहेगा। इस साल राजनीति के मैदान में जहां दिल्ली और बिहार के चुनावों में नए समीकरण दिखे। वहीं खेल जगत में भारतीय महिलाओं ने क्रिकेट और कबड्डी विश्व कप जीतकर तिरंगे का मान बढ़ाया। मनोरंजन की दुनिया ने 'छावा' जैसी ऐतिहासिक सफलताएं देखी तो दूसरी ओर धर्मेंद्र और असरानी जैसे दिग्गजों के जाने से एक युग का अंत भी हुआ। विभिन्न क्षेत्रों की ऐसी ही चुनिंदा घटनाओं-गतिविधियों को हम 31 तारीख तक लगातार प्रकाशित करेंगे।

2025 में दिवंगत भारतीय हस्तियां: यादों में रहेंगे ये नाम, इस साल दुनिया छोड़ गए ये दिग्गज- पेज 11 पर

अंदर के पन्नों पर

▸▸ ट्रैफिक पुलिस ने पुराने शहर को दिलाई जाम से ... (पेज-04)

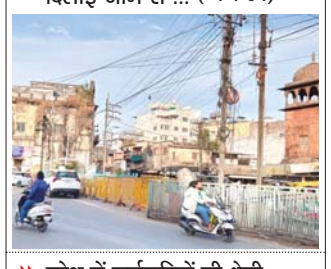

▸▸ प्रदेश में कर्मचारियों की श्रेणी समाप्त करने कैबिनेट...(पेज-05)
▸▸ शेफाली की तूफानी पारी से 71 गेंद में टी-20 जीती...(पेज-10)

▸▸ सैकड़ों फाइलों में राष्ट्रपति ट्रंप का नाम...(पेज-11)

एसआईआरः प्रदेश में 42 लाख वोटरों के नाम कटे

ड्राफ्ट सूची में 5 करोड़ 31 लाख 31,983 वोटर्स, 8 लाख को भेजेंगे नोटिस

विशेष संवाददाता, भोपाल

निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी कर दी है। इसमें 42 लाख 74 हजार 160 मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। निर्वाचन आयोग अधूरे प्रपत्र भरने वाले मतदाताओं को नोटिस भेजगा और आवश्यक दस्तावेज मिलने के बाद उनके नाम सूची में जोड़े जाएंगे।

मुख्य चुनाव पदाधिकारी संजीव कुमार झा ने ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी करते हुए बताया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बीएलओ ने कम से कम तीन बार मतदाता के संबंधित पतों पर संपर्क किया। इसके बाद ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की गई है। पूरे प्रदेश में 5 करोड़ 31 लाख 31 हजार 983 वोटर्स हैं। 8 लाख 46 हजार वोटर्स का निधन हो चुका है। 31 लाख 51 हजार शिफ्ट और अब्सेंट पाए गए।

झा ने बताया कि जो नाम काटे गए है उनमें वह मतदाता हैं, जो मृत हैं या निवास पर नहीं मिले या दूसरे स्थान पर शिफ्ट हो गए हैं या कई स्थानों पर जिनके नाम दर्ज पाए गए। उन्होंने बताया कि अब 23 दिसंबर से 8 लाख 65 हजार 832 मतदाताओं को नोटिस भेजे जाएंगे। इनमें इंदौर सबसे आगे है यहां 1 लाख 33 हजार 696 मतदाताओं को नोटिस भेजे जाएंगे।

92 फीसदी मतदाता लिंक

पिछली मतदाता सूची पर नजर डालें तो उस सूची में शामिल रहे 5.31 करोड़ यानी 92.55 फीसदी मतदाता एसआईआर में लिंक हो गए हैं, जबकि 42 लाख 74 हजार 160 मतदाताओं के मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं।

इस वजह से कटे नाम

जानकारी के अनुसार सघन वोटर पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) में कई कारणों से नाम काटे गए है। इसमें मृत मतदाताओं की संख्या 8 लाख 46 हजार 184 हैं। इसके अलावा 8 लाख 42 हजार 677 ऐसे मतदाता हैं, जो एसआईआर के दौरान पंजीकृत पते पर नहीं पाए गए। इसी तरह 22 लाख 78 हजार 393 मतदाता दूसरे स्थान पर शिफ्ट हो चुके हैं। कई स्थानों पर एनरोल मतदाताओं की संख्या 2 लाख 76 हजार 961 पाई गई है, जबकि 29 हजार 927 अन्य मतदाता हैं।

किस जिले में कितने जाएंगे नोटिस

इंदौर	-	133696
भोपाल	-	116925
जबलपुर	-	69394
ग्वालियर	-	68540
उज्जैन	-	48035

सबसे कम नोमैपिंग वाले जिले

सीधी	-	1356
निवाड़ी	-	1448
झाबुआ	-	1948
उमरिया	-	2081
डिंडोरी	-	2240

निधन के कारण जबलपुर में सबसे ज्यादा नाम कटे

निधन होने की वजह से मतदाता सूची से बाहर हुए मतदाताओं में सबसे ज्यादा संख्या जबलपुर की है। एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान जबलपुर में सबसे ज्यादा 51 हजार 354 मतदाता मृत पाए गए हैं। इसके अलावा इंदौर में 43 हजार 741 मृत मतदाता और सागर में 36 हजार 467 मृत मतदाताओं के नाम काटे गए।

इंदौर में सबसे ज्यादा पतों पर नहीं मिले मतदाता

एसआईआर प्रक्रिया के दौरान हटाए नामों में ऐसे मतदाता है जो निर्धारित पते पर नहीं मिले हैं। इस मामले में इंदौर सबसे आगे है। वहां 1 लाख 75 हजार 424 मतदाता निर्धारित पते पर नहीं मिले। भोपाल में 1 लाख 1 हजार 53 मतदाता, जबलपुर में 66 हजार 678 मतदाता नहीं मिले है।

शिफ्टेड वोटर के मामले में भोपाल अव्वल

दूसरे जिलों में शिफ्ट होने की कारण जिन जिलों की मतदाता सूची से नाम हटाए गए है, उनमें भोपाल सबसे आगे है। जानकारी के अनुसार प्रक्रिया के दौरान भोपाल में सबसे ज्यादा 2 लाख 86 हजार 661 मतदाता शिफ्टेड पाए गए। इसके बाद इंदौर का नाम आता है। यहां के 1 लाख 57 हजार 898, ग्वालियर में 1 लाख 48 मतदाता दूसरे शहरों में शिफ्ट हो गए हैं। बुरहानपुर में सबसे ज्यादा 23 हजार 594 मतदाताओं के नाम दूसरी विधानसभा क्षेत्रों की सूची में भी जुड़े पाए गए। इसकी वजह से उनके नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। ऐसी स्थिति में इंदौर में 22 हजार 808, धार में 14 हजार 198, भोपाल में 14 हजार 171 मतदाता के नाम सूची से अलग किए गए हैं।

छत्तीसगढ़, अंडमान और केरल के ड्राफ्ट भी जारी

नई दिल्ली, जेएनएन। चुनाव आयोग ने मंगलवार को मध्य प्रदेश के अलावा छत्तीसगढ़, अंडमान निकोबार द्वीप समूह और केरल में भी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के बाद मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशन कर दिया है। दावे आपत्ति की प्रक्रिया 22 जनवरी 2026 तक चलेगी और 21 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होगी।

- **छत्तीसगढ़** में 2003 के विशेष अभियान के बाद अब तक कुल 27 लाख 34 हजार 817 नाम हटाए गए हैं। इनमें से 19 लाख से ज्यादा मतदाता अपने पुराने पते से स्थायी रूप से शिफ्ट हो चुके हैं। 6.42 लाख मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है। करीब 1.79 लाख नाम 'दोहरी प्रविष्टि' की वजह से हटाए गए हैं।
- **केरल** में 24 लाख से अधिक मतदाताओं को बाहर किया गया है। केरल में भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग पाए गए जो अब संबंधित बूथों पर नहीं रहते या जिनका नाम एक से अधिक जगहों पर दर्ज था।
- **अंडमान निकोबार द्वीप समूह** में कुल गणना फॉर्म्स तीन लाख 10 हजार 404 में से 79.38 फीसदी यानी 2 लाख 46 हजार 390 गणना फॉर्म वापस मिले। ड्राफ्ट रोल के मुताबिक 2.96 फीसद यानी 9 हजार 191 वोटर मृत हो चुके हैं। स्थायी रूप से प्रदेश से बाहर शिफ्ट होने वाले 51 हजार 906 यानी 16.72 फीसद वोटर हैं। इनके फॉर्म जमा नहीं हुए हैं।

कश्मीरः श्रीनगर से जम्मू तक 80 गांवों में घर-घर तलाशी

घुसपैठ रोकने के लिए पुलिस-सेना का संयुक्त अभियान

श्रीनगर, जेएनएन। जम्मू-कश्मीर में आतंकी घुसपैठ की आशंकाओं के बीच सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ा कदम उठाया है। सीमा से सटे इलाकों में आतंकियों की घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम करने के लिए सेना, बीएसएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन चला रही है। यह सर्चिंग बॉर्डर एरिया के 80 से ज्यादा गांवों में चलाया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, खुफिया इनपुट मिले थे कि आतंकी संगठन घने कोहरे, सर्द मौसम और दुर्गम इलाकों का फायदा उठाकर घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं। ऑपरेशन मजालता में तब शुरू किया गया जब दो आतंकवादियों के एक घर से खाना लेकर पास के जंगल में भागने की खबर मिली थी।

ड्रग पेडलर की 1.2 करोड़ की संपति जब्तः

श्रीनगर पुलिस ने कुख्यात ड्रग पेडलर गुलाम नबी वानी पुत्र स्वर्गीय अली मोहम्मद वानी और उसके बेटे परवेज अहमद वानी निवासी करनाबल पंजिनारा के एक दो मंजिला रिहायशी घर और गौशाला को अटैच कर लिया है। इनकी कीमत लगभग 1.2 करोड़ रुपये है।

उन्नाव दुष्कर्म मामलाः पूर्व भाजपा विधायक की सजा निलंबित, पीड़िता की मां धरने पर बैठीं

नाबालिग से रेप के दोषी सेंगर को मिली जमानत

उन्नाव, जेएनएन। उन्नाव दुष्कर्म मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है। अदालत ने चार शर्तों के साथ कुलदीप को रिहा करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ रेप पीड़िता, उसकी मां और एक्टिविस्ट योगिता भयाना मंगलवार की शाम इंडिया गेट के सामने धरने पर बैठ गईं।

आधी रात को पुलिस इंडिया गेट पहुंची। पुलिस ने उन्हें वहां से हटने के लिए कहा। इस पर नोकझोंक और बहस हुई। आखिरकार तीनों को जबरन इंडिया गेट से हटा दिया गया। महिला सिपाही पीड़िता और उसकी मां को उठाकर अपने साथ ले गई। पुलिस तीनों को लेकर कहां गई है, इसका पता नहीं चल सका है। एक्टिविस्ट योगिता भयाना ने पुलिस पर सवाल उठाए हैं। एक्स पर उन्होंने लिखा, 'एक गैंगरेप पीड़िता के साथ ऐसा व्यवहार उचित है? उसकी यही गलती है कि न्याय की मांग कर रही है? ये कैसा न्याय है?

इससे पहले जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और जस्टिस हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने सेंगर की अपील पर सुनवाई पूरी होने तक सजा को निलंबित कर दिया। सेंगर ने ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दाखिल की थी। अदालत ने 15 लाख रुपये के निजी मुचलके पर सशर्त रिहाई का आदेश दिया है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि सेंगर रिहा तो होगा, लेकिन दिल्ली छोड़कर नहीं जा सकेगा। मामला 2017 का है, जब उन्नाव में 17 वर्षीय नाबालिग को अगवा कर रेप किया गया था। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने सेंगर को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया था दिल्ली ट्रायल का आदेश

अगस्त 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने मामले से जुड़े चार केसों का ट्रायल दिल्ली ट्रांसफर कर रोजाना सुनवाई के निर्देश दिए थे। ट्रायल कोर्ट ने सीबीआई को पीड़िता और उसके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा पहचान बदलने जैसी व्यवस्थाएं करने के भी आदेश दिए थे।

जमानत की चार शर्तें

- पीड़िता से कम से कम 5 किमी दूर रहना होगा।
- हर सोमवार पुलिस के सामने हाजिरी देनी होगी।
- पासपोर्ट संबंधित प्राधिकरण के पास जमा कराना होगा।
- किसी भी शर्त के उल्लंघन पर जमानत रद्द कर दी जाएगी।

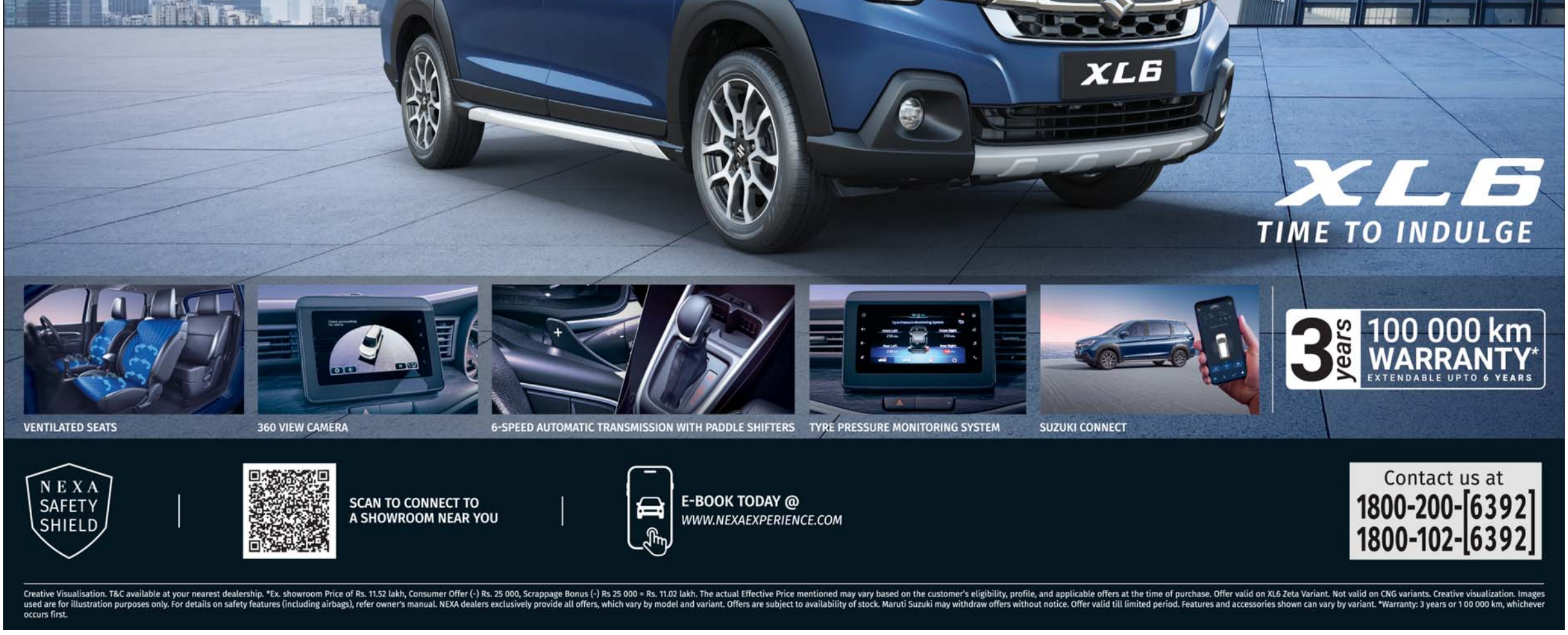

वर्ष 69 ▸▸ अंक 86 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, बुधवार 24 दिसंबर, 2025
पौष शुक्ल पक्ष 04, विक्रम संवत् 2082
▸▸ महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

www.dainikjagranmpcg.com

जो हम पाते हैं, उससे हम जीवनयापन कर सकते हैं; लेकिन जो हम देते हैं, वही जीवन को अर्थ देता है।
-आर्थर ऐश

ऑफ बीट

मुंह में घुसा पत्ता थूकने पर 30 हजार का जुर्माना

इंग्लैंड में एक 86 वर्षीय बुजुर्ग पर हवा से उड़कर मुंह में घुसा पत्ता थूकने के मामले में 30 हजार रुपये (लगभग) का जुर्माना लगाया गया है। प्रशासन ने इसे कचरा फैलाने की श्रेणी में मानते हुए कार्रवाई की। बुजुर्ग व्यक्ति शहर की सड़क पर टहल रहे थे। थकान के चलते वे एक पार्किंग लॉट में रुके। इसी दौरान तेज हवा में उड़ता हुआ एक सूखा पत्ता उनके मुंह में चला गया। उन्होंने पत्ते को तुरंत थूककर बाहर निकाल दिया। पास मौजूद अधिकारी ने इसे लिटरिंग (कचरा फैलाना) मानते हुए चालान काट दिया। बुजुर्ग ने बताया कि पहले उन्हें यह मजाक लगा। उन्होंने एक अधिकारी से हल्के-फुल्के अंदाज में बात भी की, लेकिन जल्द ही स्पष्ट हो गया कि मामला गंभीर है और अधिकारियों ने औपचारिक चालान थमा दिया। ब्रिटेन में सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फैलाने के खिलाफ कड़े नियम लागू हैं। इससे पहले अक्टूबर में लंदन में एक महिला पर कॉफी का ढक्कन गिराने पर करीब 18 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया था।

संक्षिप्त खबरें

भारत लाया गया ड्रग्स मामले में आरोपी ऋतिक

नई दिल्ली, जेएनएन। ड्रग्स मामले में दिल्ली पुलिस और सीबीआई को बड़ी कामयाबी मिली है। एक बड़े इंटरनेशनल ड्रग सिंडिकेट में शामिल ऋतिक बजाज को दुबई से भारत लाया गया है। ऋतिक बजाज के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी था। वहीं नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो भी ऋतिक बजाज की तलाश में थी। वह लंबे समय तक बैंकॉक में रहा, उसके बाद वहां से दुबई भाग गया था। उसके खिलाफ दिल्ली पुलिस ने भी ड्रग तस्करी का मामला दर्ज किया था। दिल्ली पुलिस की एक टीम ऋतिक को दुबई से दिल्ली लेकर पहुंची है। बता दें कि सीबीआई इंटरपोल की मदद से अब तक 150 से ज्यादा भगोड़े अपराधियों को भारत ला चुकी है। बजाज 13000 करोड़ की ड्रग्स के मामले में आरोपी है।

पैसेंजर को पीटने वाले पायलट पर एफआईआर

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली एयरपोर्ट पर पैसेंजर से मारपीट के मामले में दिल्ली पुलिस ने आरोपी पायलट वीरेंद्र सेजवाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे हिरासत में लिया है। 19 दिसंबर को वीरेंद्र ने एक यात्री से मारपीट की थी। पीड़ित ने मारपीट के कुछ फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए थे। घटना के समय आरोपी ऑफ ड्यूटी था। वह उस दिन परिवार के साथ यात्रा कर रहा था। वहीं पीड़ित पैसेंजर अंकित ने दावा किया है कि सीटी स्कैन में उसकी नाक की हड्डी में फ्रैक्चर आया है। मारपीट की घटना के बाद सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने मामले की जांच के आदेश दिए थे। जिसके बाद एअर इंडिया एक्सप्रेस ने भी पायलट कैप्टन वीरेंद्र सेजवाल को सस्पेंड कर दिया था।

केंद्रीय मंत्री और सीएम ने किया धार-बैतूल में मेडिकल कॉलेज भवन का भूमिपूजन

हमारा प्रयास है अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना: मुख्यमंत्री

विशेष संवाददाता, भोपाल। मंगलवार को प्रदेश को दो मेडिकल कॉलेज की सौगात मिली। इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने भूमिपूजन किया। ये दोनों मेडिकल कॉलेज पीपीपी मोड के तहत संचालित किए जाएंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा मकसद प्रदेश के अंतिम छोर में बैठे अंतिम व्यक्ति तक सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्व स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश को नेतृत्व दिया है। सीएम ने अपने संबोधन में कहा कि इन दो मेडिकल कॉलेज के शुरू होने से स्थानीय जनजातीय बच्चों को डॉक्टर बनने का अवसर भी मिलेगा। यहां नर्सिंग एवं पैरामेडिकल कोर्स भी संचालित किए जाएंगे। राज्य में पिछले दो सालों में 6 शासकीय मेडिकल कॉलेज शुरू किए गए। इनमें आदिवासी अंचल सिंगरौली और श्योपुर के मेडिकल कॉलेज भी शामिल हैं। राज्य सरकार ने सीनियर रेजिडेंट्स डॉक्टरों के 354 पद स्वीकृति किए हैं। प्रदेश में सिकल सेल एनीमिया अभियान को आगे बढ़ाते हुए 1 करोड़ 25 लाख से अधिक लोगों की जांच की जा चुकी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और सीएम धार में चिकित्सा महाविद्यालय के शिलान्यास के दौरान लाडली लक्ष्मी बिटिया को दुलारते हुए।

घोषणा: मुलताई का नाम मूलतापी किया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बैतूल को मेडिकल कॉलेज की सौगात देते हुए घोषणा की कि मुलताई का नाम मूलतापी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बैतूल में गुड़ का कलस्टर बनाया जाएगा। कडाई वुडन कलस्टर से ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को भी वृहद स्तर पर इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने माही उद्योग क्षेत्र मुलताई में इंडस्ट्रीयल कलस्टर और कोषमी ओद्योगिक ईकाई का द्वितीय चरण बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जनजातीय-आदिवासी नायकों के नाम पर डेस्टिनेशन कैबिनेट मीटिंग कर यथोचित सम्मान दिया और उनकी समृद्ध गौरवशाली विरासत को सहेजा है। जनजातीय वीरों देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी। डॉ. यादव ने जीआईएस एवं अन्य इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके माध्यम से प्रदेश में 8.5 लाख करोड़ का औद्योगिक निवेश आया है, जिसमें से 6.5 लाख करोड़ के औद्योगिक विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया जा चुका है।

बीमारी से पहले रोकथाम पर दिया जा रहा जोर: नड्डा

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा है कि हमारी सरकार की चिंता है कि लोग कम से कम बीमार पड़ें। देश में क्यूरेटिव से पहले प्रिवेंटिव क्योर पर जोर दिया जा रहा है, यानी बीमारी से पहले रोकथाम और जीवनशैली में बदलाव पर ध्यान दिया जा रहा है। हम इस दिशा में मिशन के तौर पर काम कर रहे हैं। एक समय था जब 60 वर्ष की उम्र तक पता नहीं चलता था कि ब्लड प्रेशर की शिकायत है। अब सरकार 30 वर्ष की उम्र में ही लोगों की स्वास्थ्य जांच करा रही है। उन्होंने कहा कि होलिस्टिक मेडिसिन के लिए देश में 1 लाख 81 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित हैं। यह हमारी व्यवस्था है जिसे हम आपके सामने रखना चाहते हैं।

प्रदेश में पीपीपी मोड पर देश का पहला कॉलेज: नड्डा ने कहा कि मध्यप्रदेश में देश में पीपीपी मोड के आधार पर पहला मेडिकल कॉलेज शुरू किया जा रहा है। मध्यप्रदेश ने इस मामले में देश का नेतृत्व किया है। देश में 1 लाख 81 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर बने हैं, जहां पर गर्भवती माता और नवजात बच्चे की सारी देखरेख की जिम्मेदारी भारत सरकार करती है।

बांग्लादेश में दरवाजे बंद कर दो हिंदू परिवारों के घरों को जलाया

चटगांव की घटना, दीवार तोड़कर लोगों ने बचाई जान

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश के चटगांव जिले में हिंदू परिवारों को निशाना बनाते हुए आगजनी की गंभीर घटना सामने आई है। सोमवार तड़के करीब 3.45 बजे पश्चिम सुल्तानपुर गांव में दो हिंदू परिवारों के घरों में आग लगा दी गई। आरोप है कि हमलावरों ने आग लगाने से पहले घर के दरवाजे बाहर से बंद कर दिए थे, ताकि भीतर मौजूद लोग बाहर न निकल सकें। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोनों घरों के कुल सात कमरे पूरी तरह जलकर खाक हो गए। ये घर दुबई में काम करने वाले सुखा शिल और दिहाड़ी मजदूर अनिल शिल के बताए जा रहे हैं। घटना के वक्त घरों में आठ लोग मौजूद थे, जो रात का खाना खाकर सो चुके थे।

पीड़ितों ने बताया कि आग लगने पर जब परिवार के लोगों ने बाहर निकलने की कोशिश की, तो उन्हें पता चला कि दोनों दरवाजे बाहर से बंद हैं। जान बचाने के लिए परिवार के सदस्यों ने बांस और टीन की दीवारें काटीं और किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। घर जलने के बाद एक महिला फूट-फूटकर रो पड़ी।

पासपोर्ट और नकदी भी जली

अनिल शिल के बेटे मिथुन शिल ने बताया कि वे तीन महीने पहले शादी के सिलसिले में दुबई से घर आए थे। आग में उनका पासपोर्ट, घर का सामान और 80-90 हजार टका नकद जल गया। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है, लेकिन अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाल के दिनों में इस इलाके के धेयूपारा और उससे पहले कुटिया बरुईपारा गांव में भी हिंदू घरों को इसी तरह निशाना बनाया गया था।

पिछले हफ्ते सात साल की बच्ची की जिंदा जलकर मौत

इससे पहले 19 दिसंबर की देर रात लक्ष्मीपुर सदर में एक घर को बाहर से बंद कर पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई। आग में 7 साल की आयशा अख्तर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए। यह घर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) नेता बिलाल हुसैन का था।

हिंदू युवक की पीट-पीटकर हत्या, फिर जलाया

18 दिसंबर को ढाका के पास भालुका में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास (25) की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। आरोप था कि उसने ईशनिंदा की, लेकिन जांच में ऐसी किसी फेसबुक पोस्ट या टिप्पणी का कोई सबूत नहीं मिला।

ट्रंप ने एक साल में 18 हजार करोड़ रुपए का चंदा जुटाया

बदले में अरबों डॉलर का फायदा दिलाने के आरोप

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिका में दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद डोनाल्ड ट्रंप और उनकी टीम ने चंदा जुटाने के ऐसे रिकॉर्ड बनाए हैं, जिन्हें अमेरिकी मीडिया ने 'असाधारण' बताया है। एक विस्तृत जांच रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव के बाद ट्रंप और उनके करीबी लोगों ने अलग-अलग फंड और पहलों के जरिए करीब 2 अरब डॉलर (लगभग 18 हजार करोड़ रुपए) इकट्ठा किए। यह रकम उनके पूरे चुनावी अभियान में जुटाए गए चंदे से भी ज्यादा है।

ट्रंप के शपथ ग्रहण के लिए बनी कमेटी ने 240 मिलियन डॉलर जुटाए। यह अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ी रकम है। व्हाइट हाउस में एक भव्य बॉलरूम बनाने के लिए भी चंदा लिया जा रहा है। ट्रंप का दावा है कि इसके लिए 350 मिलियन डॉलर जुट चुके हैं, जबकि रिपोर्ट में 100 मिलियन डॉलर के दानदाताओं की पुष्टि की है। यह राशि ट्रस्ट फॉर द नेशनल मॉल के जरिए जुटाई जा रही है। चार महीने पहले ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक डिनर पार्टी भी दी थी, जिसमें सुंदर पिचाई, जुकरबर्ग, बिल गेट्स, टिम कुक जैसे दिग्गज उद्योगपति शामिल हुए थे।

मिले ये लाभ

- माफी या सजा में राहत
- चल रहे केसों का बंद होना
- बड़े सरकारी ठेके दिए गए
- व्हाइट हाउस तक सीधी पहुंच
- अहम सरकारी पद पर चयन

200 दानदाताओं को मिला फैसलों से फायदा

रिपोर्ट के अनुसार सरकारी दस्तावेजों, फंडिंग रिकॉर्ड और कई लोगों से बातचीत के आधार पर यह सामने आया कि कम से कम 346 ऐसे बड़े दानदाता हैं, जिनमें से हर एक ने 2.5 लाख डॉलर या उससे ज्यादा का योगदान दिया। इन दानदाताओं से ही करीब 50 करोड़ डॉलर जुटाए गए। इनमें से करीब 200 दानदाता या उनके कारोबारी समूह ऐसे हैं, जिन्हें ट्रंप प्रशासन के फैसलों से किसी न किसी तरह का फायदा मिला। इन लाभार्थियों की सूची में सुंदर पिचाई और सत्या नडेला जैसे 6 भारतवंशी कारोबारियों से जुड़ी कंपनियां भी शामिल बताई गई हैं।

एच-1बी और एच 4 वीजा जांच की सख्त, सोशल मीडिया को खंगाला, भारत में हजारों इंटरव्यू रोके

अमेरिका ने एच-1बी और एच-4 वीजा प्रक्रिया को और कड़ा कर दिया है। 15 दिसंबर से लागू नए नियमों के तहत वीजा आवेदकों की ऑनलाइन गतिविधियों और सोशल मीडिया अकाउंट्स की भी जांच की जाएगी। यह नियम दुनिया भर के सभी देशों के आवेदकों पर समान रूप से लागू होगा। भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने स्पष्ट किया है कि यह कदम एच-1 बी वीजा के कथित दुरुपयोग और अवैध इमिग्रेशन पर रोक लगाने के उद्देश्य से उठाया गया है। इस फैसले का सबसे बड़ा असर भारत में देखने को मिला है। हजारों एच-1 बी और एच-4 वीजा आवेदकों के पहले से तय इंटरव्यू टाल दिए गए हैं। कई इंटरव्यू अब मार्च से मई के बीच री-शेड्यूल किए गए हैं। इससे खासतौर पर वे लोग परेशान हैं, जो इंटरव्यू के लिए पहले ही भारत आ चुके हैं और वीजा न मिलने की वजह से अमेरिका लौट नहीं पा रहे। भारत सरकार ने कहा है कि वह इस मुद्दे पर अमेरिका के साथ लगातार संपर्क में है, ताकि पेशेवरों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

दावा: बीएमसी चुनाव साथ लड़ेंगे शिवसेना (यूबीटी) और मनसे

आज दोपहर 12 बजे हो सकता है गठबंधन का औपचारिक ऐलान, संजय राउत बोले- सीट बंटवारा पूरा

मुंबई, जेएनएन। बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) चुनाव को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ी हलचल तेज हो गई है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के नेता संजय राउत ने दावा किया है कि शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के बीच गठबंधन हकीकत बन चुका है। उनके मुताबिक, दोनों दलों के बीच सीटों के बंटवारे पर सहमति बन गई है और अब केवल औपचारिक घोषणा होना बाकी है।

संजय राउत ने कहा कि सोमवार रात दोनों पार्टियों के शीर्ष नेताओं के बीच सीट शेयरिंग को लेकर अंतिम सहमति बनी। उन्होंने यह भी दावा किया कि मुंबई समेत राज्य के कई इलाकों में शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के कार्यकर्ता मिलकर जमीनी स्तर पर काम करना शुरू कर चुके हैं। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, उद्धव और राज ठाकरे के बीच गठबंधन की औपचारिक घोषणा बुधवार दोपहर 12 बजे की जा सकती है। हालांकि, राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी है कि दादर, सेवरी, विक्रोली और भांडुप जैसे कुछ इलाकों में सीटों के बंटवारे को लेकर अब भी खींचतान है। इन क्षेत्रों में दोनों दलों की मजबूत पकड़ मानी जाती है, जिससे अंतिम समझौते में थोड़ी अड़चन बताई जा रही है।

नामांकन शुरू, 15 जनवरी को मतदान

महाराष्ट्र में बीएमसी समेत 29 नगर निगमों के चुनाव के लिए मंगलवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। मतदान 15 जनवरी को होगा, जबकि मतगणना 16 जनवरी को की जाएगी। गौरतलब है कि बीएमसी का पिछला कार्यकाल फरवरी 2022 में समाप्त हो गया था, तब से यह देश की सबसे बड़ी नगर निगम संस्था प्रशासक के अधीन है।

साख का सवाल है बीएमसी चुनाव

बीएमसी चुनाव मुंबई की सत्ता के साथ विश्वसनीयता और विधानसभा-लोकसभा चुनावों की दिशा तय करने वाला माना जा रहा है। यह 74 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा बजट वाली एशिया की सबसे बड़ी सिविक बॉडी है।

एनसीपी (अजित) और कांग्रेस में गठबंधन के संकेत

इस बीच, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने पुणे नगर निगम चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन की संभावनाओं पर बातचीत की है। बताया जा रहा है कि अजित ने कांग्रेस नेता सतेज पाटिल से फोन पर संपर्क कर साथ चुनाव लड़ने का प्रस्ताव रखा है।

अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला

मिशेल को राहत, जमानत शर्तों में किया गया बदलाव

नई दिल्ली, जेएनएन। अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर घोटाले के आरोपी क्रिश्चियन मिशेल को एक और बड़ी कानूनी राहत मिली है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हाल ही में रिहाई के आदेश के बाद अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के केस में भी अदालत ने जमानत शर्तों में संशोधन किया है। कोर्ट ने कहा है कि मिशेल को पासपोर्ट सरेंडर किए बिना भी रिहा किया जा सकता है, हालांकि देश छोड़ने पर सख्त रोक रहेगी।

अदालत ने निर्देश दिए हैं कि मिशेल भारत से बाहर न जा सके, इसकी निगरानी सुनिश्चित की जाए। साथ ही ब्रिटिश हाई कमीशन को भी निर्देश दिया गया है कि पासपोर्ट जारी हो, तो उसे अदालत में जमा कराएं।

मिशेल की दलील

मिशेल ने जमानत के लिए दलील दी थी कि वे अपने ऊपर लगे आरोपों के लिए अधिकतम 7 साल की सजा पहले ही भुगत चुके हैं। विशेष सीबीआई जज संजय जिंदल ने याचिका पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखा था, जिसे 23 दिसंबर को सुनाया गया। इससे पहले 20 दिसंबर को ईडी के मामले में उनकी हिरासत से रिहाई का आदेश आया था।

ग्वालियर में दो फर्जी कॉल सेंटर का खुलासा, 19 गिरफ्तार

शादी के नाम पर फ्रॉड: मॉडल के फोटो दिखाकर क्यूआर से लाखों की ठगी

जागरण, ग्वालियर। प्रदेश के ग्वालियर में क्राइम ब्रांच ने शादी के नाम पर ठगी करने वाले दो फर्जी कॉल सेंटरों का भंडाफोड़ किया है। ये कॉल सेंटर मैट्रिमोनियल वेबसाइट के रूप में चल रहे थे। यहां कुंवारे लड़कों को मॉडलिंग करने वाली युवतियों की फर्जी तस्वीरें दिखाकर शादी का झांसा दिया जाता था। इसके बाद कॉल सेंटर में काम करने वाली युवतियां खुद को उनकी होने वाली जीवनसाथी बताकर बातचीत शुरू करती थीं। भरोसा जीतने के बाद वे युवकों को क्यूआर कोड भेजकर अलग-अलग बहानों से रुपए ट्रांसफर करा लेती थीं। क्राइम ब्रांच ने थाटीपुर क्षेत्र के मयूर नगर और ज्योतिनगर में कार्रवाई करते हुए कुल 19 युवतियों को पकड़ा है। इनमें से दो युवतियां कॉल सेंटर का संचालन कर रही थीं। गिरोह का सरगना फिलहाल फरार है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि कॉल सेंटर किस नाम से फर्जी तौर पर चलाए जा रहे थे।

गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी

पुलिस ने मयूर नगर में मयूर प्लाजा के पीछे स्थित तिलेश्वर उर्फ दिनेश पटेल पुत्र पुनाऊराम पटेल के मकान की पहली मंजिल पर फर्जी कॉल सेंटर में दबिश दी। यहां लैपटॉप, कंप्यूटर और रजिस्टर के साथ मैट्रिमोनियल कॉल सेंटर चलता मिला। मौके पर 20 से 25 वर्ष उम्र की 12 युवतियां मौजूद थीं, जो शादी का झांसा देकर युवाओं से ठगी कर रही थीं। कॉल सेंटर का संचालन तिलेश्वर पटेल के कहने पर 24 साल की राखी गौड़ पत्नी गजेंद्र गौड़ कर रही थी। पुलिस ने संचालक सहित 12 युवतियों को हिरासत में ले लिया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

स्मृति शेष — नहीं रहे विनोद कुमार शुक्ल, 88 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस, हाल ही में मिला था ज्ञानपीठ

घर खाली छोड़कर उस पार चले गए विनोद विचार की तरह

रायपुर, जेएनएन

संसार में रहते हुए/ मैं कभी घर लौट न सकूं/ बस संसार में रहूं/ जब संसार में न रहूं/ तब घर लौटूं/ और घर मुझसे खाली रहे...

जाते जाते ही मिलेंगे लोग उधर के/ जाते जाते जाया जा सकेगा उस पार...

वह आदमी चला गया नया गरम कोट पहिनकर विचार की तरह...

ऐसी तमाम जादुई पंक्तियों के लेखक और प्रख्यात कवि, कथाकार और उपन्यासकार विनोद कुमार शुक्ल का मंगलवार शाम 88 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे पिछले कुछ महीनों से अस्वस्थ थे और रायपुर स्थित एम्स में उनका इलाज चल रहा था। सांस लेने में तकलीफ के कारण पहले उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, बाद में एम्स रेफर किया गया। हाल ही में शुक्ल को देश के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वे यह प्रतिष्ठित सम्मान पाने वाले छत्तीसगढ़ के पहले साहित्यकार थे। 1 जनवरी 1937 को राजनांदगांव में जन्मे विनोद कुमार शुक्ल पिछले लगभग 50 वर्षों से सक्रिय लेखन में थे। उनका पहला कविता संग्रह 'लगभग जय हिंद' 1971 में प्रकाशित हुआ। 'दीवार में एक खिड़की रहती थी', 'नौकर की कमीज' और 'खिलेगा तो देखेंगे' उनकी बहुचर्चित कृतियां हैं।

अपने सहज लेकिन गहरे विचारों के लिए पहचाने जाने वाले शुक्ल का मानना था कि अगर किसी अच्छे काम की आलोचना होती है, तो वही आलोचना आगे चलकर सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। वे कहते थे, 'कविता की सबसे अच्छी आलोचना है- एक और बेहतर कविता लिख देना।'

लिखना मेरे लिए सांस लेने जैसा

छत्तीसगढ़ के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर रायपुर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनसे मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना था। उस मुलाकात में विनोद कुमार शुक्ल ने कहा था, 'लिखना मेरे लिए सांस लेने जैसा है। मैं जल्द से जल्द घर लौटना चाहता हूं, ताकि लिखना जारी रख सकूं।'

पुरस्कार और सम्मान

शुक्ल को साहित्य अकादमी पुरस्कार (1999), रजा पुरस्कार, गजानन माधव मुक्तिबोध फेलोशिप, रघुवीर सहाय स्मृति पुरस्कार, भवानीप्रसाद मिश्र पुरस्कार, मैथिलीशरण गुप्त सम्मान सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया। पिछले वर्ष उन्हें पेन अमेरिका का नाबोकॉव अवॉर्ड भी मिला था। इस सम्मान को पाने वाले वे एशिया के पहले साहित्यकार थे। विनोद कुमार शुक्ल का निधन हिंदी साहित्य के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनकी रचनाएं, विचार और मानवीय संवेदना आने वाली पीढ़ियों को लंबे समय तक दिशा देती रहेंगी।

'नौकर की कमीज' उपन्यास पर मणि कौल ने बनाई थी फिल्म

उनका पहला कविता-संग्रह 'लगभग जय हिन्द' 1971 में प्रकाशित हुआ। इसके साथ ही उनकी विशिष्ट भाषिक बनावट, चुप्पी और भीतर तक उतरती संवेदनाएं हिन्दी कविता के परिदृश्य में दर्ज हो गईं। इसके बाद 'वह आदमी चला गया नया गरम कोट पहिनकर विचार की तरह', 'सब कुछ होना बचा रहेगा', 'अतिरिक्त नहीं', 'कविता से लंबी कविता', जैसे संग्रहों ने उन्हें समकालीन हिंदी कविता के सबसे मौलिक स्वरों में शामिल कर दिया। 1979 में प्रकाशित उनके पहले उपन्यास 'नौकर की कमीज' ने हिन्दी कहानी और उपन्यास की धारा को एक अलग मोड़ दिया। इस उपन्यास पर बाद में मणि कौल ने फिल्म भी बनाई। 'खिलेगा तो देखेंगे' और 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' साधारण यथार्थ के समानांतर चलते हैं। इन उपन्यासों में चमत्कार भी है और साधारण के भीतर से जो चमक निकलती है, वह जादू भी।

उत्तर प्रदेश सरकार को लगा बड़ा झटका

अखलाक लिंचिग मामले में केस वापसी की अर्जी खारिज

लखनऊ, जेएनएन। ग्रेटर नोएडा के बहुचर्चित बिसाहाड़ा अखलाक लिंचिंग केस में अदालत ने एक अहम फैसला सुनाया है। सूरजपुर स्थित जिला अदालत ने आरोपियों के खिलाफ दर्ज मुकदमे को वापस लेने से जुड़ी शासन की याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत के इस फैसले से मामले में आरोपियों को राहत दिलाने की कोशिशों पर पूरी तरह विराम लग गया है। उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से दाखिल की गई याचिका पर मंगलवार को अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने केस वापस लेने का पक्ष रखा, लेकिन अदालत ने दलीलों को संतोषजनक नहीं माना। कोर्ट ने स्पष्ट टिप्पणी करते हुए कहा कि केस वापसी के लिए लगाई गई अर्जी में कोई ठोस कानूनी आधार नहीं है। अदालत ने अभियोजन की याचिका को आधारहीन और महत्वहीन मानते हुए खारिज कर दिया। इसके साथ ही यह भी साफ कर दिया कि इस मामले में आरोपियों के खिलाफ चल रही न्यायिक प्रक्रिया जारी रहेगी और मुकदमे की सुनवाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

यह है मामला: 28 सितंबर 2015 की रात अखलाक की भीड़ ने पीट पीटकर हत्या कर दी थी। आरोप था कि गांव में कुछ दिन पहले बछड़ा गायब हुआ था। अखलाक के परिवार ने उसे काटकर खाया। मामले में कुल 19 लोगों को आरोपी बनाया गया था।

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल विहारी वाजपेयी के सम्मान में, विकसित भारत 2047 की **माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी** की संकल्पना के अनुरूप और माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल के मार्गदर्शन में **सुशासन दिवस** के अवसर पर

विकास की परिभाषा को नया आयाम देते हुए भारतीय गुणवत्ता परिषद् कर रही है

नए दौर के सुधारों का शुभारंभ

भारतीय गुणवत्ता परिषद्
QUALITY COUNCIL OF INDIA
Creating an Ecosystem for Quality

सुशासन दिवस 2025

क्यूसीआई की प्रतिबद्धता

पिछले कुछ वर्षों से क्यूसीआई, प्रत्यायन को पहले से अधिक त्वरित, स्मार्ट और सुलभ बनाकर भारत के गुणवत्ता इकोसिस्टम में आमूल परिवर्तन का प्रयास करती आ रही है; इन सुधारों से प्राप्त कुछ उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

स्वच्छ वायु को प्राथमिकता
वायु गुणवत्ता निगरानी उपकरण के कैलिब्रेशन की नवीन प्रत्यायन स्कीम

डिजिटल सुगमता
निर्बाध और परेशानी-रहित प्रोसेसिंग के लिए **23,000+** परीक्षण विकल्पों और **2500+** उपकरण किस्मों के साथ एनएबीएल पोर्टल का नवीकरण

सुगमता के साथ उत्कृष्टता को प्रोत्साहन
10 से अधिक वर्षों तक अच्छा परफॉर्म करने वाली प्रयोगशालाओं के लिए आसान डेस्कटॉप सर्विलांस

त्वरित और डिजिटल ज़ेड
24 घंटे में ज़ेड कांस्य प्रमाणन और ज़ेड प्रमाणन के लिए शुरू से लेकर अंत तक ऑनलाइन प्रक्रिया

त्वरित मान्यता
मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रयोगशालाओं और MELT स्कीम प्रयोगशालाओं को **48 घंटे** में मान्यता

प्रयोगशालाओं के लिए अपेक्षाकृत लंबी अवधि का प्रत्यायन
प्रयोगशालाओं को अब **2 वर्ष** के स्थान पर **4 वर्ष** का प्रत्यायन

हमारे विनम्र प्रयास: स्टेकहोल्डर्ज़ की बात सुनकर परिवर्तन लागू करना

विकसित भारत के लिए क्यूसीआई के बड़े सुधार

अपनी इस गुणवत्ता यात्रा की प्रगति को बल देते हुए, अब हम अपनी सुधारों की गति में तेजी ला रहे हैं, जो परिवर्तन की नई धारा को दिशा देंगे

गुणवत्ता इंजन में नई ऊर्जा का समावेश

एक नई उड़ान

'क्यू मार्क-देश का हक' का अनावरण
गुणवत्ता के क्यूआर-कोड युक्त मार्क के जरिए अपनी प्रयोगशाला, अपने अस्पताल और एमएसएमई को जानें। पूर्ण प्रकटीकरण, अब कोई जाली प्रमाणपत्र नहीं

निरीक्षण से विश्वास तक
कम कागजात, कम समय, कम से कम निरीक्षण, अधिकाधिक विश्वास, कम टकराव वाला इकोसिस्टम

बोर्डों और प्रभागों में असेसर पूल का विस्तार
अंतिम छोर तक पहुंच बनाने के उद्देश्य से युवा विशेषज्ञों के समावेश हेतु प्रवेश अवरोध घटाए

क्वालिटी सेतु
समयबद्ध शिकायत और फीडबैक समाधान के लिए एक सुरक्षित टिकट आधारित प्रणाली

वन-स्टॉप प्रत्यायन प्लेटफॉर्म
बहु-प्रत्यायन पोर्टलों के स्थान पर पेपर रहित सिंगल मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म का शुभारंभ

उद्योग और एमएसएमई

National Division for Industry Excellence (NDIE)

भारत के आर्थिक आधार अर्थात् हमारे 6 करोड़ एमएसएमई का सशक्तीकरण

क्यूसीआई-उद्योग क्षेत्र के बीच भागीदारी
ज़ेड और लीन प्रमाणन प्राप्त करने में टियर-2 और टियर-3 सप्लायर्स का मार्गदर्शन और सहयोग क्यूसीआई द्वारा किया जाएगा

भारतीय उत्पादों को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना
वर्ष 2026 में **1,00,000 एमएसएमई और स्वयं सहायता समूहों (ओडीओपी)** को क्वालिटी, पैकेजिंग और ब्रांडिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा

एमएसएमई के लिए शॉप फ्लोर बेस्ट प्रैक्टिसेज प्लेबुक
ग्लोबल क्वालिटी प्रैक्टिस के माहौल में ढलने के लिए प्रत्येक लघु व्यवसाय का सशक्तीकरण ताकि दिन-प्रतिदिन की शाप फ़्लोर पर्फ़ॉर्मन्स बढ़े

ज़ेड और लीन प्रमाणन की फीस को कम करना
भारत के छोटे से छोटे उद्यमी के लिए पहुंच की सुगमता, किफायत, गुणवत्ता और पहचान सुनिश्चित होगी

National Accreditation Board for Certification Bodies (NABCB)

स्थानीय उत्पाद वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के लिए

भारत में विनिर्मित उत्पादों के लिए प्रत्यायित प्रमाणन का आरम्भ
संपूर्ण ग्लोबल सप्लाई चेन में भारतीय उत्पादों की निर्बाध स्वीकृति सुनिश्चित करने के लिए

भारतीय उत्पादों एवं सेवाओं के लिए क्वालिटी पासपोर्ट
बाजार में तीव्रतर पहुंच के लिए, वैश्विक स्तर के अनुरूप एनएबीसीबी प्रत्यायित प्रमाणन

अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में गुणवत्ता
ड्रोन और साइबर सुरक्षा क्षेत्र के प्रमाणन निकायों का तेजी से प्रत्यायन

उद्योग और प्रयोगशालाएं

National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories (NABL)

भारत को दुनिया का अग्रणी परीक्षण केन्द्र बनाने का प्रयास

चिकित्सा परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए मॉडल स्कोप लागू करना
चिकित्सा प्रयोगशालाओं के प्रत्यायित कार्यक्षेत्र में एकरूपता सुनिश्चित होगी

प्रयोगशाला कार्मिकों के लिए टैक्निकल स्किलिंग
वर्ष 2026 में **5000** प्रयोगशाला कार्मिकों को तकनीकी कौशल का प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि पहले से अधिक मजबूत और सुरक्षित राष्ट्रीय परीक्षण इकोसिस्टम बनाया जा सके

अधिकृत हस्ताक्षरकर्ताओं के लिए स्व-घोषणा
एनएबीएल असेसर्स के लिए **48 घंटे** के अंदर प्रस्तावित हस्ताक्षरकर्ता का अनुमोदन

कार्यक्षेत्र के विस्तार की अनुमति 48 घंटे में
प्रयोगशालाओं को सेवा-विस्तार के लिए लंबे इंतजार से छुटकारा-वर्तमान कार्यक्षेत्र के अंतर्गत एक समान उत्पाद/कार्यपद्धति/परीक्षण/एनालाइट के लिए अनुमोदन

कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं
जब परीक्षण के मापदंड पहले से कवर्ड हों तो उत्पाद-आधारित प्रत्यायन के लिए अतिरिक्त शुल्क व्यवस्था की समाप्ति

स्वास्थ्यचर्या

National Accreditation Board for Hospitals and Healthcare Providers (NABH)

रोगी सुरक्षा प्रथम-हर अस्पताल में, हर पिन कोड में

एनएबीएच के मित्र कार्यक्रम के तहत सीधा, भरोसेमंद मार्गदर्शन- बिना बिचौलिए के
प्रशिक्षित, सत्यापित मार्गदर्शकों को आधिकारिक रूप से पैनलबद्ध किया जाएगा जो अस्पतालों का मार्गदर्शन करेंगे-विशेषकर छोटे शहरों में

ऑक्यूपेंसी नॉर्म को आसान करना
20% ऑक्यूपेंसी पर अस्पतालों को प्रत्यायन प्रदान करने की शुरुआत होगी

ग्रेडेड पेनल्टी
पूर्ण प्रतिबंध से ग्रेडेड पेनल्टी की ओर परिवर्तन होगा-मार्गदर्शन और भूल सुधार के अवसर के साथ

गुणवत्ता पाठशाला
रोगी सुरक्षा और प्रत्यायन में डॉक्टरों, नर्सों और तकनीशियनों के लिए भूमिका आधारित स्किलिंग दी जाएगी

निरंतर अच्छा प्रदर्शन करने वालों के लिए डेस्कटॉप सर्विलांस
निरंतर अच्छा प्रदर्शन करने वाले अस्पतालों को ऑन साइट निरीक्षणों में कमी लाने की दृष्टि से एआई-आधारित फॉर्म फिलिंग और डेस्कटॉप सर्विलांस की सुविधा मिलेगी

राष्ट्र निर्माण की ओर उड़ान भरते हुए भी हमारे कदम अपने मूल उद्देश्यों की ज़मीन पर मजबूती से जमे हैं।

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

क्यूसीआई के बोर्ड: NABCB, NABH, NABL, NABET, NBQP

क्यूसीआई के प्रभाग: PADD Project Analysis and Documentation Division, PPID Project Planning & Implementation Division, NDIE National Division for Industry Excellence, QCI Strategy & Policy Division

क्यूसीआई के अन्य उपक्रम: गुणवत्ता गुरुकुल, गुणवत्ता संकल्प, Sarpanch Samvaad, Quality City Nashik, Quality Bharat, ONDC Open Network for Digital Commerce FOUNDED & SUPPORTED BY QCI

दैनिक जागरण
भोपाल, 24 दिसंबर 2025

राजधानी जागरण

04

राजधानी का तापमान/मौसम
अधिकतम 24.7°c | न्यूनतम 8.8°c
राजधानी में सर्दी का मौसम शुरू हो गया है, आज भी तापमान गिर सकता है

11 • राज्य • 31 • संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित
www.dainikjagranmpcg.com

संक्षिप्त खबरें

बिल्डिंग मटेरियल की दुकान में छत के रास्ते घुसे चोर

.क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बिल्डिंग मटेरियल की दुकान में सेंध लगाकर चोरों ने 9 लाख रुपए चोरी कर लिए। वह छत के रास्ते दुकान में दाखिल हुए और आलमारी में रखी नकदी ले गए। घटना का खुलासा अगले दिन हुआ। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपी गिरफ्त में होंगे। बैरसिया पुलिस के मुताबिक, 45 वर्षीय गिरीश नामदेव पिता रमेश चंद्र नामदेव नीलकंठ कालोनी में रहते हैं। वह वर्षा ट्रेडर्स के नाम से बिल्डिंग मटेरियल की दुकान संचालित करते हैं। रविवार रात वह दुकान बंद कर घर चले गए थे। अगले दिन पहुंचे तो दुकान में आलमारी का ताला टूटा था, जिसमें रखे करीब 9 लाख रुपए गायब थे। जांच करने पर पता लगा कि चोर छत में सेंध लगाकर अंदर घुसे थे। इसके बाद उन्होंने थाना पुलिस को सूचना दी । पुलिस ने मौका मुआयना के बाद अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस संदेहियों से पूछताछ कर रही है।

क्रेसर में काम करते वक्त पट्टा हाथ व सीने में फंसा, घायल

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। क्रेसर खदान में काम करते वक्त एक युवक का हाथ पट्टे में फंस गया। इससे उसके हाथ व सीने में गंभीर चोट आई है। इस मामले में सुरक्षा उपकरण की कमी के कारण संचालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। गुनगा पुलिस के मुताबिक, मूलतः बांदा, यूपी निवासी इंद्र कुमार (30) पिता लल्लू प्रसाद यहां क्रेसर खदान रतुआ में रहता था और आपरेटर का काम करता था। रविवार की शाम करीब सवा सात बजे इंद्र कुमार मशीन आपरेट कर रहा था। तभी एक पत्थर पट्टे में फंस गया। पत्थर निकालने के लिए इंद्र कुमार पास गया तो उसका हाथ और सीना पट्टे की चपेट में आ गया। इससे उसके हाथ में फ्रैक्चर हो गया। सीने में मूंदी चोट आई है। मामले में पुलिस ने क्रेसर खदान के संचालक वसीम खान की लापरवाही पाते हुए उसके खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि संचालक ने सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए थे।

करोंद-जेल रोड समेत कई इलाकों में आज बिजली कटौती

जागरण संवाददाता, भोपाल। बुधवार को पुराने भोपाल, करोंद व जेल रोड के कई इलाकों और कालोनियों में बिजली सप्लाई को मेंटनेंस कार्य के चलते बंद रखा जाएगा। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार आज सिंधी कालोनी, पुतलीघर, इस्लामी गेट, बजरिया, एमपी एग्रो, भोपाल टाकीज, अजवानी अस्पताल, पालीवाल नर्सिंग होम और ईदगाह हिल्स स्थित जज कालोनी, अमलतास कालोनी, संजय नगर, ईदगाह मस्जिद, टीबी अस्पताल व आसपास सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। करोंद स्थित विश्वकर्मा नगर, जनता क्वार्टर, एलआईजी, एमआईजी, मौलवी नगर, कमला नगर, पारस नगर, पंचवटी फेस-1 और फेस-2, नबीबाग, आराधना नगर, निशातपुरा थाना, दशहरा मैदान, राजीव कालोनी हाउसिंग बोर्ड, देव माता अस्तपाल व आसपास सुबह 10 से शाम 4 बजे तक और न्यू जेल रोड स्थित पलासी गांव, बड़वई गांव, एलिक्सर ग्रीन, नाइस स्पेस कालोनी, राजनगर पलासी व आसपास सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बिजली सप्लाई को बंद रखा जाएगा।

ट्रैफिक पुलिस ने पुराने शहर को दिलाई जाम से निजात

तैयार किए वैकल्पिक मार्ग, वन वे का कड़ाई से पालन, ऐसे नौ स्थान किए चिन्हित, लोगों को दिलाई राहत, कुछ सड़क 100 साल पुरानी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पुराने शंहर में लग रहे जाम पर ट्रैफिक पुलिस ने वैकल्पिक उपाय करके काफी हद तक रोक लगाई है। कुछ मार्गों पर वन-वे का कढ़ाई से पालन कराया जा रहा है। वहीं जिस मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव है, उसे दूसरे मार्ग से पास कराया जा रहा है। पुलिस ने ऐसे नौ स्थान चिन्हित किए थे, जिनकी वजह से जाम की स्थिति निर्मित होती थी या ट्रैफिक का दबाव रहता था। इन वैकल्पिक उपाय से ट्रैफिक पुलिस लोगों को कुछ राहत पहुंचाई है। हकीकत यह भी है पुराने शहर में कुछ मार्ग 100 साल पुराने हैं, जिनका वर्तमान परिपेक्ष्य में चौड़ीकरण किया जाना जरूरी है। लेकिन शासन-प्रशासन की इच्छाशक्ति के बिना यह संभव नहीं है।

बैरीकेडिंग कर वाहनों को घुसने से रोका : रेतघाट से रॉयल मार्केट के बीचः इस मार्ग को वन-वे किया गया है। इस मार्ग पर उल्टे-सीधे वाहन घुस रहे थे। चौड़ाई कम होने के कारण जाम लग रहा था। बैरीकेडिंग करके इसे वन-वे किया गया है।

कट प्वाइंट बंद कियाः हबीबगंज अंडर ब्रिज के कट प्वाइंट को बंद किया है। कट प्वाइंट बंद होने से एक्सीडेंट की संभावना खत्म हो गई। कट प्वाइंट से लोग निकलते थे, जिससे दो ओर के वाहन आमने-सामने आ जाते थे। जाम के साथ एक्सीडेंट होने की संभावना ज्यादा थी। जोकि अब खत्म हो गई।

बड़े वाहनों पर प्रतिबंध

मोती मस्जिद से चार बत्ती चौराहाः इस मार्ग की चौड़ाई कम है। वाहनों की संख्या अधिक है। इसलिए यहां पर बड़े वाहनों पर प्रतिबंध लगाया गया है। लेफ्ट साइड बंद की है। 100 साल पुरानी सड़क है। चौड़ाई कम होने से वाहन फंसते हैं और जाम लगता है।

ट्रैफिक को डायवर्ट किया

कोहेफिजा थाना चौराहे से परी बाजार, शाहजहांनाबादः शाहजहांनाबाद में मेट्रो निर्माण कार्य चल रहा है। रॉयल मार्केट के ट्रैफिक का दबाव आ रहा था। यहां के ट्रैफिक को डायवर्ट किया है, जिससे दबाव कम हो जाए। यहां ट्रैफिक का प्वाइंट बढ़ाया है।

डिवाइडर बनाकर दुर्घटनाएं रोकी

कमला पार्क, किलोल पार्क पेट्रोल पंप के सामने का कट प्वाइंट बंद किया है। यहां डिवाइडर बनाया गया है। लोग यहां से यू टर्न लेते थे, जिसे बंद कराया है। यह दुर्घटना वाला प्वाइंट बन रहा था।

रोड की चौड़ाई कम थी किया वन-वे

रॉयल मार्केट से भवानी चौक, मोती मस्जिद व रेतघाटः यह मार्ग वन-वे था, जिसका कढ़ाई से पालन कराया जा रहा है। यहां रोड की चौड़ाई कम है इसलिए जाम लगने का संभावना रहती है। वाहन रेंगने लगते हैं। यहां भी बैरीकेडिंग की गई है।

एकांकी मार्ग कराया

जहांगीराबाद, पुल बोगदा, पुल पातरा मार्ग को एकांकी कराया गया है। वन-वे मार्ग से जाम नहीं लग रहा है। यह ट्रैफिक सीधे निकल जाता है।

स्टॉपर लगाकर लेफ्ट टर्न तैयार किया

पुल पातरा, भारत टाकीज रोड, रेलवे अंडर ब्रिज का यातायात संचालित करने के लिए स्टॉपर लगाकर लेफ्ट टर्न तैयार किए हैं। यातायात के दबाव को कम दिया गया है।

दोनों के लिए अलग-अलग मार्ग

रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर छह की ओर आने-जाने वाले वाहनों और पैदल यात्रियों के लिए अलग-अलग मार्ग बनाया गया है। पहले दोनों एक ही मार्ग पर होने से ट्रैफिक थम जाता था।

इन वजहों से रहता है यातायात का दबाव और लगता है जाम

- डिपो चौराहा से भदभदा चौराहे तक मेट्रो निर्माण कार्य चल रहा है। सड़क की चौड़ाई कम होने से यातायात धीमी गति से चलता है।
- पुल बोगदा, जिंसी चौराहा से लिली चौराहे तक मेट्रो निर्माण कार्य चल रहा है। इससे प्रभात चौराहा, 80 फीट रोड अंडर ब्रिज ऐशबाग पर यातायात का अत्यधिक दबाव है।
- आईटीआई पिपलानी से रत्नागिरी तक मेट्रो निर्माण कार्य चल रहा है। सड़क की चौड़ाई कम होने से यातायात धीमी गति से चलता है।
- इसके साथ ही सपना लाज, डीआईजी बंगला से करोंद, अल्पना तिराहा, 6 नंबर प्लेटफार्म से सिंधी कालोनी तक अंडर ग्राउंड, सिंधी कालोनी काजी कैंप चौराहे से करोंद नवीबाग तक मेट्रो का निर्माण कार्य चल रहा है। इन निर्माण कार्यों से पूरी हमीदिया रोड एवं आसपास का मार्ग, रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म एक व छह के पहुंच मार्ग तक आमजन को समस्या का सामना करना पड़ रहा है।
- काली मंदिर तिराहा, भारत टाकीज चौराहा, संगम तिराहा, अल्पना तिराहा, सिंधी कालोनी, शाहजहांनाबाद थाना चौराहा, तीन मोहरा तिराहा तक सड़क निर्माण कार्य और नाली बनाई जा रही है, जिससे यहां यातायात का दबाव ज्यादा है। व्यावसायिक क्षेत्र होने से व्यापारी व आमजन को समस्या आ रही है।

खाना परोसकर आईआरसीटीसी के वेस्ट जोन ने कमाए 360 करोड़

26वें वार्षिक दिवस पर सालाना रिपोर्ट प्रस्तुत

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी), वेस्ट जोन ने अपना 26वां एन्युअल डे समारोह मनाया। इस अवसर पर आईआरसीटीसी वेस्ट जोन के ग्रुप जनरल मैनेजर गौरव झा ने उपलब्धियों की जानकारी साझा की। झा ने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में वर्तमान वर्ष वेस्ट जोन के लिए बेहतर रहा। उन्होंने बताया कि मोबाइल केटरिंग ने वित्तीय वर्ष के दौरान लगभग 360 करोड़ का राजस्व अर्जित किया। वेस्ट जोन द्वारा 13 वंदे भारत ट्रेनों, 12 राजधानी-शताब्दी ट्रेनों, 96 मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों, 83 एंड-टू-एंड ट्रेनों

तथा 329 ट्रेनों में सेक्शनल मॉडल के अंतर्गत केटरिंग सेवाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। इस वर्ष की एक प्रमुख उपलब्धि शॉर्ट-टर्म मोबाइल टेंडरों का लॉन्ग-टर्म क्लस्टर मॉडल में सुचारु एवं सफल रूपांतरण रहा। वित्तीय वर्ष के दौरान 34 क्लस्टर, जिनमें 119 ट्रेनें और 163 किचन यूनिट्स का संचालन प्रारंभ किया गया।

कर्मचारियों का किया गया सम्मान

26वें वार्षिक उत्सव दिवस के मौके पर गौरव झा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए। कुल 50 कर्मचारियों को व्यक्तिगत पुरस्कार दिए गए, जिनमें भोपाल क्षेत्रीय कार्यालय के 11, अहमदाबाद क्षेत्रीय कार्यालय के 7 तथा नागपुर एवं भुसावल से दो-दो कर्मचारी शामिल थे। इसके अतिरिक्त, उत्कृष्ट सामूहिक योगदान के लिए 6 ग्रुप अवार्ड भी प्रदान किए गए।

चायनीज मांझे के विक्रय और भंडारण पर रोक

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। शहर में चायनीज मांझे से पतंगबाजी, विक्रय और भंडारण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया गया है। आगामी त्यौहार को देखते हुए इस संबंध में पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र ने आदेश जारी किए हैं। यह आदेश आगामी दो माह तक लागू रहेगा। यदि आदेश का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई होगी। पुलिस कमिश्नरेट द्वारा जारी आदेश के अनुसार, देखने में आ रहा है कि पतंगबाजी में चायना के धागे के उपयोग से पक्षियों व जन-सामान्य को हानि पहुंच रही है। कई बार मांझे से पतंग उड़ाते समय पक्षी इसमें उलझ कर फंस जाते हैं और घायल हो जाते हैं। कई बार तो पक्षियों की मृत्यु तक हो जाती है। इस धागे से पतंगबाजी के दौरान सड़क पर चलने वाले राहगीर व दो पहिया वाहन चालक भी कई बार घायल हो जाते है। इन धागों की मजबूती और उस पर चिपका कांच का चूरा इन हादसों का कारण है। इस धागे का उपयोग पतंगबाजी में किए जाने से पशु-पक्षियों व जन-सामान्य के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

कोलार के सरकारी अस्पताल में 24 घंटे मिलेगा छोटे बच्चों को इलाज

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। कोलार के सरकारी अस्पताल में अब 24 घंटे छोटे बच्चों को इलाज मिल सकेगा। अभी तक यहां सिर्फ डे केयर सुविधा उपलब्ध थी। लेकिन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा ने यहां का निरीक्षण किया और निर्देश दिए कि अब यहां 24 घंटे शिशु रोग वार्ड को संचालित किया जाए। डॉ. मनीष शर्मा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोलार का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रसूति वार्ड, ओपीडी, शिशु रोग वार्ड, पोषण पुनर्वास केंद्र, न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट का दौरा किया। और कहा कि अस्पताल में शिशु रोग विशेषज्ञ की पदस्थापना की जा चुकी है, डे केयर के अलावा बच्चों को शिशु रोग वार्ड में उपचार के लिए भर्ती किया जाए। डॉ शर्मा ने संस्था प्रभारी को कहा कि कि उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की संभावित प्रसव दिनांक के पूर्व जांच कर चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुरूप प्रसव करवाया जाए।

सभी चिकित्सकों को समय पर आने की हिदायत

निरीक्षण के पश्चात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों और स्टाफ की बैठक लेकर निर्देश दिए कि अस्पताल में चिकित्सक से लेकर सभी स्टाफ निर्धारित समय पर ओपीडी में उपस्थित रहे और सार्थक ऐप पर ही अपनी उपस्थिति दर्ज करें । सार्थक ऐप की उपस्थिति के आधार पर ही वेतन आहरित किया जावेगा। उपचार के साथ-साथ मरीजों व परिजनों से व्यवहार भी अच्छा रखा जाए । शिकायत मिलने पर समुचित कार्यवाही की जावेगी। डॉ मनीष शर्मा ने बताया कि अस्पताल में शिशु रोग विशेषज्ञ की पदस्थापना के बाद शिशु रोग इकाई में उपचार सेवाओं को और बेहतर किया जा रहा है। संस्था में नियत समय पर उपस्थित और सार्थक ऐप अटेंडेंस की नियमित समीक्षा की जाएगी।

क्रिसमस पर सजी दुकानें

क्रिसमस के आयोजन से पहले भोपाल के बाजारों में चहल-पहल बढ़ गई है। इस दौरान डेकोरेटिव आइटमों के साथ क्रिसमस ट्री की खरीदी की जा रही है। शहर के टीटी नगर, 10 नंबर, जहांगीराबाद, पिपलानी आदि स्थानों पर क्रिमसस के लिए कई खास दुकानें सज गई हैं।

आयुष कॉलेजों में अतिथियों को नहीं दे सकेंगे उपहार

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। आयुर्वेद, सिद्धा, सोवा-रिग्पा, यूनानी कॉलेजों को मान्यता प्रदान करने संबंधित निरीक्षण से लेकर पाठ्यक्रम निर्धारण आदि के लिए नेशनल कमीशन फॉर इण्डियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन (एनसीआईएसएम) के तहत मेडिकल असिस्मेंट एण्ड रेटिंग बोर्ड फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन (मार्बिज्म) से संबंधित कार्यों के लिए नियम सख्त कर दिए हैं। गाइडलाइन के मुताबिक अब बिना अपॉइंटमेंट के मार्बिज्म के अध्यक्ष से नहीं मिला सकता है। अगर मिलना जरूरी भी है तो संबंधित प्रिंसिपल की पहले अनुमति लेकर एनसीआईएसएम से विधिवत अपॉइंटमेंट के बाद ही मिल सकते हैं। प्रोटोकॉल के अनुसार अधिकारियों से मिलने पर मुलाकातों व बैठकों के दौरान गुलदस्ते, उपहार, स्मृति चिन्ह या ऐसी कोई भी वस्तु भेंट करना वर्जित कर दिया गया है। इस बारे में आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ राकेश पाण्डेय ने कहा कि अब एनसीआईएसएम ने आयुष कॉलेजों के प्राचार्यों को और ज्यादा सम्मान देकर किसी न किसी रूप में भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की दिशा में कार्य किया है। पहले बिना अपॉइंटमेंट के ही लोग सीधे एनसीआईएसएम ऑफिस में जाकर अधिकारियों से मिलने जाते रहे हैं जिससे आयोग का कार्य भी प्रभावित होता था और जहां संस्था में स्टॉफ काम करता था वहां भी दिक्कतें होतीं थीं। ऑफिस टाइम में उपहार, स्मृति चिन्ह देना आदि भी कानूनन उचित नहीं है।

स्कूल बस और कार की भिड़ंत कार सवार दंपति व बेटा घायल

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बैरसिया इलाके के मोतीपुरा गांव के पास एक स्कूल बस और कार की आमने-सामने से भिड़ंत हो गई। इससे बस में चीख-पुकार मच गई। हालांकि बड़ा हादसा टल गया। हादसे में कार सवार दंपति और उनके बेटा घायल हो गए। बस में 40 बच्चे सवार थे, जिन्हें मामूली चोटें आई हैं। घटना के बाद घायलों को निजी वाहन से सिविल अस्पताल और बच्चों के दूसरे वाहन से घर छोड़ा। वाहनों के टकराने पर दोनों नीचे खेत में उतर गए। बाद में क्रेन की मदद से दोनों को बाहर निकाला गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। फिलहाल बस चालक के खिलाफ केस दर्ज नहीं किया गया है। बैरसिया पुलिस के मुताबिक, बैरसिया स्थित रमपुरा गांव में द फर्स्ट स्टेप निजी स्कूल हैं। सोमवार दोपहर करीब दो बजे स्कूल बस बच्चों को घर छोड़ने के लिए निकली थी। उसमें करीब 40 बच्चे सवार थे। बस अभी गांव मोतीपुरा के पास पहुंची थी, तभी सामने से आ रही एक कार से टकरा गई। इससे दोनों वाहन सड़क से उतरकर खेत में चले गए। हादसे में कार में मंडखेड़ा, अहमदपुर जिला सीहोर निवासी जसवंत (48), उनकी पत्नी फूल बाई (45) और बेटा अभिषेक (21) सवार था। तीनों घायल हो गए। जसवंत के पैर व सीने में चोट आई है। उनकी पत्नी के पैर में फ्रैक्चर है और कंधे पर चोट आई है। बेटे के पैरों में चोट है।

स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताई

मोतीपुरा में फूल बाई का मायका है। पति व बेटे के साथ वह मायके आई थीं। घटना के वक्त घर सीहोर वापस लौट रही थीं। मंगलवार को तीनों घायलों को भोपाल रेफर किया गया है। जबकि बच्चों को मामूली चोटें थीं, दूसरी बस से उन्हें घर पहुंचाया गया। टक्कर होने के बाद दोनों वाहन नीचे खेत में उतर गए। स्थानीय लोग आ गए। क्रेन की मदद से दोनों वाहनों को बाहर निकाला गया। पुलिस के देरी से पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने नाराजगी व्यक्त की।

एसआईआर | कलेक्ट्रेट में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक संपन्न, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने छपवाए जा रहे 1.40 लाख फार्म-6

मतदाता सूची से 4.38 लाख नाम काटे, अब 45 दिन में जुड़ सकते हैं 2 लाख वोटर

जागरण संवाददाता, भोपाल। एसआईआर के तहत 18 दिसंबर को पूरे हुए वोटरों की गणना कार्यक्रम के बाद मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। इस अवसर पर सभी राजनैतिक दलों के सामने ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। कलेक्टर भोपाल कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत अभी केवल मतदाताओं की गणना का काम पूरा किया गया है। अगले एक माह में 18 साल पूरे कर रहे मतदाताओं और बाहर से शिफ्ट होकर आए मतदाताओं के नाम जोड़ने का काम किया जाएगा। इस दौरान कलेक्टर ने एक बार फिर से याद दिलाया कि एसआईआर के दौरान यदि किसी मतदाता की मौत हुई हो या किसी मतदाता की शिफ्टिंग हुई हो तो भी अगले 40 दिनों के भीतर उसका नाम मतदाता सूची से कटवाने के लिए जानकारी बीएलओ को दी जाए। इस दौरान कलेक्टर ने राजनैतिक दलों को बताया कि 45 दिन तक चले एसआईआर कार्य के दौरान मतदाता सूची से 4.38 लाख नाम काट दिए गए हैं और अगले 45 दिनों में करीब दो लाख के आसपास नाम जोड़े जाने की संभावना भी है। ऐसे में अब बीएलओ मतदान केंद्रों पर बैठकर ही काम करेंगे, लेकिन इस दौरान बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाएगी। कलेक्टर ने उप जिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता को नए नाम जोड़ने से पहले तैयारियां पूरी कर लेने के निर्देश दिए। बता दें कि नए मतदाताओं का नाम जोड़ने के लिए 1 लाख 40 हजार से ज्यादा फार्म-6 छपवाए जा रहे हैं। इस दौरान राजनैतिक दलों ने भी कलेक्टर से शिकायत की कि उन्हें फार्म-6 नहीं मिल पा रहे हैं। इस पर उपजिला निर्वाचन अधिकारी ने कलेक्टर को बताया कि 8 हजार फार्म मौजूद हैं।

ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन से यह होगा लाभ

ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में देख सकेंगे। हालांकि 21 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। ऐसे में 21 फरवरी तक यदि किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची में नहीं है, तो वे अपने निकटतम मतदान केंद्र पर जाकर फॉर्म-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकेंगे। इसके अलावा वोटर कार्ड में किसी भी तरह के बदलाव यानि नाम की स्पेलिंग, सरनेम जुड़वाना या बदलवाना, पते में बदलाव या मोबाइल नंबर में बदलाव के लिए फार्म-8 भरा जाएगा। मतदाता सूची से नाम कटवाने के लिए फार्म-7 भरना होगा।

अगले 45 दिनों में बीएलओ से ज्यादा काम बीएलए को करना होगा

कलेक्टर ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को बताया कि गणना कार्यक्रम के बाद बीएलओ अब केवल मतदान केंद्रों पर ही बैठेंगे। इस दौरान मतदाता सूची में नए नाम जुड़वाने का काम बूथ लेवल एजेंट का होगा। इसके लिए प्रत्येक बूथ लेवल एजेंट को ड्राफ्ट मतदाता सूची की कापी दी जाएगी। यह कापी उन्हें बीएलओ से प्राप्त होगी। ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ मौके पर मौजूद सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को ड्राफ्ट मतदाता सूची की कॉपी दी गई। साथ ही जिले के प्रत्येक बूथ पर मौजूद बीएलओ को ड्राफ्ट मतदाता सूची की पांच कॉपियां दी जाएंगी, जिसमें से चार कॉपी बीएलए को सौंप दी जाएंगी।

नो मैपिंग वाले 1.16 लाख मतदाताओं को आज से भेजे जाएंगे नोटिस

ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ गुरुवार से जिले के नो मैपिंग वाले 1 लाख 16 हजार 317 मतदाताओं को नोटिस भेजने का काम भी शुरू किया जाएगा। इसके तहत इन मतदाताओं से दस्तावेज लेकर 45 दिनों तक नाम जोड़ने का काम किया जाएगा। ऐसे मतदाताओं की सुनर्वा वार्ड कार्यालयों और तहसील स्तर पर की जाएगी। हालांकि सुनवाई का सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) को दिया गया है। ऐसे में अब बीएलओ का काम कम हो जाएगा। जबकि नौ मैपिंग वाले मतदाताओं का नाम जोड़ने की पूरी जिम्मेदारी एईआरओ की रहेगी। सुनवाई का काम अगले एक हफ्ते बाद गुरुवार से ही शुरू होगा।

घर से हाजिरी लगाने वाले चिकित्सकों को दिया नोटिस

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। सार्थक ऐप में चिकित्सकों द्वारा नियम विरुद्ध अटेंडेंस लगाने की गड़बड़ी पाए जाने पर सीएमएचओ भोपाल द्वारा कार्यवाही की गई है। इस मामले में संजीवनी क्लीनिक के दो चिकित्सकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जल्द ही इनके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक और वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। सीएमएचओ कार्यालय द्वारा सार्थक ऐप की नियमित समीक्षा के दौरान पाया गया था कि मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक गौतम नगर में पदस्थ चिकित्सा अधिकारी डॉ संजीव सिंह द्वारा विगत दिनों कार्य स्थल से 500 से 600 किलोमीटर की दूरी से उपस्थित लगाई गई, जबकि प्रतिदिन की उपस्थिति भी लगभग 11 किलोमीटर दूर से लगाई जा रही थी। इसी प्रकार मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक बाग मुगलिया के चिकित्सक डॉ मिनहाज द्वारा लगाई गई उपस्थिति में अलग-अलग लोगों के चेहरे दिख रहे हैं। जो कि सार्थक ऐप से छेड़छाड़ को भी दर्शाता है।

संक्षिप्त खबरें

बैंको में भी फाइव डे वर्किंग लागू करने की मांग

मुख्य संवाददाता, भोपाल। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने मंगलवार को भोपाल समेत सभी राच्यों की राजधानियों में अपनी मांग को लेकर मोर्चा खोल दिया। बैंक कर्मियो की मांग हैं कि केंद्र और कई राच्यों की सरकार की तर्ज पर सप्ताह में सभी सरकारी बैंकों में पांच दिन काम (फाइव डेज वर्किंग) की व्यवस्था लागू की जाए। राजधानी में सैकड़ों की संख्या में बैंक अधिकारी और कर्मचारी शाम को अरेरा हिल्स स्थित यूको बैंक के जोनल ऑफिस के सामने एकत्र हुए। यहां प्रदर्शनकारियों ने पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह को तत्काल लागू करने के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की। इसके बाद एक सभा का भी आयोजन हुआ। इसमें फोरम के प्रांतीय समन्वयक वीके शर्मा समेत अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि बैंकिंग उद्योग के 10 लाख कर्मचारियों और अधिकारियों पर काम का तनाव और दबाव लगातार बढ़ रहा है, जिसे देखते हुए इस मांग को जल्द पूरा किया जाना चाहिए। 2015 में केंद्र सरकार ने देश के सभी सरकारी बेंको में हर माह के दूसरे और चौथे शनिवार को छुट्टी तय की थी। उस समय सरकार ने दावा किया था कि बाद में पहले और तीसरे शनिवार को भी अवकाश का दायरा बढ़ाया जाएगा।

दृष्टि बाधित छात्रा से अभद्रता पर भाजपा ने दिया नोटिस

विसं भोपाल। जबलपुर में एक नेत्रहीन छात्रा के साथ भाजपा नेत्री अंजू भार्गव द्वारा अभद्रता किए जाने का वीडियो वायरल हुआ है। इस पर भाजपा ने उन्हें कारण बताओं नोटिस जारी किया है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हुआ है,जिसमें जबलपुर महानगर की भाजपा उपाध्यक्ष अंजू भार्गव एक नेत्रहीन छात्रा से अभद्रता करती नजर आ रही हैं। बताया गया है कि कुछ हिंदूवादी संगठनों को सूचना मिली थी कि नेत्रहीन बच्चों का धर्मांतरण किया जा रहा है। सूचना पाकर हिंदू संगठन कार्यकर्ताओं के साथ पहुंची भाजपा नेता अंजू भार्गव ने चल रहे पूरे कार्यक्रम को रुकवा कर हंगामा शुरू कर दिया। वीडियो वायरल होने के उपरांत जबलपुर महानगर के जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने एक अंजू भार्गव को नोटिस जारी कर सात दिन के अंदर जवाब मांगा है।

जनप्रतिनिधियों ने जेपी नड्डा का भोपाल में किया स्वागत

विसं भोपाल। धार और बैतूल के

कार्यक्रम में भाग लेकर दिल्ली लौट रहे केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का भोपाल एयरपोर्ट पर जनप्रतिनिधियों और भाजपा नेताओं ने आत्मीय स्वागत किया। नड्डा के मंगलवार की शाम बैतूल से स्टेट हैंगर भोपाल पहुंचे थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, विधायक भगवान दास सबनानी,भोपाल जिलाध्यक्ष रविन्द्र यती के अलावा सरकार के मंत्री गण और जनप्रतिनिधियों ने स्वागत किया ।

प्रदेश में कर्मचारियों की श्रेणी समाप्त करने कैबिनेट के निर्णय पर वित्त विभाग की मुहर

आदेश के विरोध में कर्मचारी करेंगे आंदोलन और मुख्यमंत्री के नाम सौपेंगे ज्ञापन

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य में कर्मचारियों की श्रेणियों को लेकर लिए गए निर्णय के बाद वित्त विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। जिसके तहत वर्ष 2027 तक कर्मचारियों की कई श्रेणियों को समाप्त करने की बात कही गई है।

गौरतलब है कि डॉ. मोहन कैबिनेट ने वर्ष 1960 के शासकीय सेवक(अस्थायी एवं अर्ध -स्थायी सेवा) नियम को समाप्त करने का निर्णय लिया था,जिसकी वजह से प्रदेश में नियमित कर्मचारियों में स्थायी और अस्थायी की श्रेणी नहीं होगी। इसी तरह प्रदेश के स्थाई कर्मी,दैनिक वेतन भोगी, अंशकालीन कर्मचारियों एवं श्रमिक जैसे पद समाप्त कर दिए गए। इसी तरह आदेश में प्रदेश में आउट सोर्स कर्मचारी श्रेणी को समाप्त करने की बात भी कही गई है।

आदेश में कहा गया है कि आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए कोई पद सृजित नहीं माना जाएगा। उनकी नियुक्ति निजी एजेंसियों के माध्यम से की जाएगी। आउट सोर्स सेवाएं चरणबद्ध

रूप से मार्च 2027 तक समाप्त कर इनके स्थान पर जरूरत होने पर नियमित कर्मचारी की ही भर्ती की जाएगी। जानकारों की माने तो वर्तमान में प्रदेश में 3 लाख से अधिक आउटसोर्स कर्मचारी, अधिकारी कार्यरत है। पिछले कुछ वर्षो में विभागों में भर्तियां नहीं होने की वजह से विभिन्न सरकारी विभागों, निगम मंडलों के साथ बिजली कंपनियों व कई उपक्रमों की व्यवस्थाएं आउट सोर्स कर्मचारियों के भरोसे ही चल रही है।

कर्मचारियों ने जताया विरोध,28 को आंदोलन

वित्त विभाग के आदेश के बाद सरकार के निर्णय का विरोध करने वाले कर्मचारी संगठनों में खलबली मच गई है। उन्होंने सरकार के इस निर्णय का पुरजोर विरोध का मन बनाया है। विभिन्न कर्मचारी मंचों द्वारा अपने-अपने स्तर पर सरकार के इस फैसले के खिलाफ कदम उठाया जा रहा है। इसी तरह मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने 28 दिसम्बर को भोपाल के तुलसी नगर स्थित अंबेडकर जयंती मैदान आंदोलन करने का निर्णय लिया है। मंच के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडेय ने कहा कि सरकार के इस निर्णय से राज्य के डेढ़ लाख कर्मचारी प्रभावित होंगे। उन्होंने बताया कि स्थाई कर्मी, दैनिक वेतन भोगी अंशकालीन कर्मचारी एवं श्रमिक वित्त विभाग द्वारा जारी किए गए पद समाप्त करने वाले ताजे आदेश के विरोध में 28 दिसंबर को आंदोलन करेंगे और मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपेंगे। सरकार ने इस मामले में कर्मचारियों को भरोसे में नहीं लिया और न ही उनसे इस मामले में किसी भी तरह की राय ली गई है। मंत्रिपरिषद में चुपके से प्रदेश के स्थाई कर्मियों के पदों को संखकेतर घोषित करके बंधुआ मजदूर बना दिया है वहीं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के पद समाप्त करके सरकार ने प्रदेश की दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को अधिकार विहीन कर दिया है । उन्होंने कहा कि अंशकालीन कर्मचारी के पद समाप्त करके अंशकालीन कर्मचारी का भविष्य अंधकार में कर दिया है प्रदेश की श्रमिकों के श्रम अधिकार का हनन किया है।

विधानसभा को हाईटेक करने की ट्रेनिंग, विधायकों की लो-अटेंडेंस

वन नेशन वन एप्लिकेशन के तहत हुआ था प्रशिक्षण

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा को डिजिटल अवतार के रूप देने के लिए मंगलवार को विधायकों की ट्रेनिंग हुआ। देश की विधायी व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए वन नेशन-वन एप्लिकेशन के तहत विधायकों को पेपरलेस विधानसभा की ट्रेनिंग के लिए बुलाया गया था। हालांकि तकनीकी प्रशिक्षण के लिए प्रदेश के विधायकों का उत्साह कुछ कम नजर आया। 230 सदस्यों वाली विधानसभा से प्रशिक्षण लेने केवल 74 विधायक ही विधानसभा के मानसरोवर सभागार पहुंचे। इस दौरान यहां ट्रेनिंग के लिए आए पक्ष और विपक्ष के विधायकों ने इस ट्रेनिंग के दौरान कई सवाल भी पूछे जिसका जवाब एक्सपर्ट ने देने की कोशिश की। अब विधानसभा की कार्रवाई की लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी। यूपी की तर्ज पर अब एमपी विधानसभा की कार्यवाही भी ऑनलाइन लाइव देखी जा सकेगी। प्रशिक्षण के बाद बाहर निकले जौरा विधानसभा सीट से से कांग्रेसी विधायक पंकज उपाध्याय ने इस प्रशिक्षण से नाराजगी जताई। उन्होंने इस ट्रेनिंग की तुलना खाली कॉपी के पन्ने पलटने से कर दी। उपाध्याय ने आरोप लगाया कि ट्रेनिंग देने वाले अफसरों की तैयारी अधूरी थी और सॉफ्टवेयर में जरूरी डेटा ही मौजूद नहीं था।

मंत्री बोले- यह डिजिटल युग की जरूरत

एक तरफ जहां विपक्ष ने कमियों को गिनाया वहीं राच्यमंत्री कृष्णा गौर सहित कई मंत्रियों ने इसे एक बेहतर अनुभव बताया। मंत्रियों का मानना है कि अब प्रश्न लगाने से लेकर मत विभाजन (वोटिंग) तक की प्रक्रिया टेबलेट के जरिए होगी, जिससे न केवल पारदर्शिता आएगी बल्कि कागजों की भी भारी बचत होगी। नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) एक ऐसा डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो देश की सभी 37 विधानसभाओं को एक सूत्र में पिरोता है। इसके लागू होने के बाद विधायक अपने टेबलेट पर एक क्लिक के जरिए पुराने रिकॉर्ड, रिपोर्ट और अन्य राज्यों की विधायी प्रक्रिया देख सकेंगे।

पुलिस क्लेरिकल स्टाफ के ट्रांसफर पर सख्ती, पुरानी जीओपी निरस्त

सीनियरिटी छोड़ने के बाद भी दूसरे संवर्ग में नहीं होगा तबादला

मुख्य संवाददाता, भोपाल। पुलिस विभाग में कार्यरत लिपिकीय (क्लेरिकल) स्टाफ के ट्रांसफर के नियमों में अब सख्ती कर दी है। डीजीपी कैलाश मकवाणा द्वारा मंगलवार को जारी आदेश के मुताबिक अब पुलिस के क्लेरिकल स्टाफ एवं स्टेनो का स्थानांतरण उनके द्वारा दिए गए आवेदन या आपसी सहमति के आधार पर नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही इस कैडर के कर्मचारियों को सीनियरिटी त्याग कर एक से दूसरे संवर्ग (अन्य जिले या यूनिट)में तबादले पर भी रोक लगा दी गई है। पीएचक्यू ने इस संबंध में 1993 में बनाई गई जीओपी के अनुसार आपसी सहमति के जरिए या सीनियरिटी छोड़ने पर क्लेरिकल स्टाफ को मनचाहे स्थान पर ट्रांसफर कर दिया जाता था।

पीएचक्यू अपनी मर्जी से करेगा तबादला

प्रदेश की पुलिस में क्लेरिकल स्टाफ के 3000 पद हैं। इनमें अधिकांश पदों पर अनुकंपा नियुक्ति के जरिए भर्ती हुई हैं। इन पदों पर भर्ती के दौरान ही आवेदकों से उनका पसंदीदा जिला या नियुक्ति स्थल पूछ लिया जाता है। पुलिस के क्लेरिकल स्टाफ में एसआई-एम, एएसआई-एम और स्टेनो के पद होते हैं जो दफ्तरों के पत्राचार और का काम-काज देखते हैं।

रेडियो शाखा में भी संवर्ग परिवर्तन पर लगी रोक

इससे पहले पुलिस दूरसंचार मुख्यालय ने भी एक अहम फैसला लेते हुए पुलिस रेडियो शाखा के कुक, वेल्डर जैसे ट्रेडों से आरक्षक (रेडियो) के संविलियन और संवर्ग परिवर्तन पर रोक लगा दी है। डीजीपी कैलाश मकवाणा द्वारा जारी आदेश के अनुसार 2001 से इस संबंध में प्रभावी जीओपी को निरस्त किया गया है । पीएचक्यू के अनुसार जनरल ड्यूटी आरक्षक (रेडियो) और इसी ब्रांच के अन्य आरक्षक ट्रेड (जैसे कुक, नाई, मोची, आदि) की भर्ती प्रक्रिया और चयन के मानकों में बड़ा अंतर है। आरक्षक (रेडियो) बनने के लिए 10+2 (विज्ञान) के साथ ही एक अतिरिक्त तकनीकी लिखित परीक्षा भी पास करना अनिवार्य है । अन्य तकनीकी ट्रेडों के कट-ऑफ अंक आरक्षक (रेडियो) की तुलना में काफी कम रहते हैं।

बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा रिएक्शन: दिग्विजय सिंह

विशेष संवाददाता, भोपाल। राज्यसभा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने बंग्लादेश में हिन्दुओं पर जो अत्याचार किए जा रहे है,वह भारत में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हुई कार्रवाईयों की प्रतिक्रिया है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में जिस तरह से कट्टरपंथी ताकतें अल्पसंख्यकों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है,वहीं रिएक्शन वहां पर हो रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि बंग्लादेश में सरकार बदलने के बाद वे सारे तत्व सक्रिय हो गए है,जो धार्मिक उन्माद फैलाकर राजनीति करते है। पहले इन तत्वों का बंग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और शेख मुजीबुर्रहमान द्वारा हमेशा विरोध किया जाता था।उन्होंने कहा कि बंग्लादेश में हमारे हिंदू और ईसाई भाइयों के साथ जो हो रहा है,उसकी निंदा करते है। वहां के प्रमुख मोहम्मद यूनुस को जो खुद एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री हैं,उन्हें इस मामले में सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

मुस्लिम समाज के लोगों ने किया विरोध

बंग्लादेश की घटना को लेकर मंगलवार को भोपाल में मुस्लिम समाज के नेताओं ने प्रदर्शन किया। इतवारा में ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी ने इसे बंग्लादेश की घटना को मानवाधिकारों का हनन बताते हुए कहा कि भारत सरकार को इस मामले पर सख्त कदम उठाना चाहिए और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हस्तक्षेप की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश सरकार का पुतला दहन भी किया। कमेटी के संरक्षक शमशुल हसन ने कहा कि यह विरोध किसी एक धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं है,बल्कि इंसानियत और मानवाधिकारों के पक्ष में आवाज उठाने का प्रयास है।

नवकरणीय क्षेत्र से 9508 मेगावॉट बन रही बिजली

विसं भोपाल। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा है कि प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में प्रगति हुई है। अब तक 9508 मेगावॉट क्षमता हासिल की जा चुकी है। शुक्ल ने पत्रकारों से अपने दो साल के कार्यकाल में विभाग की उपलब्धियों को लेकर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर समिट-2025 में 5.72 लाख रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में मध्यप्रदेश देश में छठवें स्थान पर है। इसमें अब तक 76 हजार घरों पर 292 मेगावॉट के सोलर प्रोजेक्ट स्थापित किये जा चुके हैं। शुक्ला ने कहा कि विगत 2 वर्षों में राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश नवकरणीय ऊर्जा नीति-2022 एवं यथा पुनरीक्षित मध्यप्रदेश नवकरणीय ऊर्जा नीति-2025 लागू की है। मप में बॉयो-फ्यूल प्रोजेक्ट एवं पम्पड् हाइड्रो स्टोरेज को बढ़ावा देने के लिये मध्यप्रदेश बॉयो-फ्यूल क्रियान्वयन स्कीम-2025, मध्यप्रदेश पम्पड् हाइड्रो स्टोरेज क्रियान्वयन स्कीम-2025 लागू की गई।

प्रदेश के जिला अस्पतालों को निजी हाथों में दे रही है सरकार: पटवारी

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि राज्य की स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। राज्य के जिला अस्पतालों को निजी हाथों में दिया जा रहा है,जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं कहते है कि देश को बिकने नहीं दूंगा। पीसीसी में पत्रकारों से चर्चा करते हुए पटवारी ने कहा कि भाजपा सरकार के दो वर्ष पूरे हो चुके हैं, लेकिन प्रदेश के विज़न और अपने ही वचन पत्र की अधूरी गारंटियों पर चर्चा करने के बजाय सरकार जनता को गुमराह करने में लगी है। उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा के मध्यप्रदेश दौरे को लेकर उनका स्वागत करते हुए उनसे सवाल किया कि आखिर प्रदेश में नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों में निजी भागीदारी क्यों की जा रही है। उन्होंने कहा कि

सरकार को यह बताना चाहिए कि छिंदवाड़ा मेंकफ सिरप से मासूम बच्चों की मौत का जिम्मेदार आखिर कौन है। इसी तरह इंदौर के शासकीय अस्पताल में बच्चों को चूहों द्वारा कुतरने जैसी अमानवीय घटनाएं क्यों हो रही हैं। पटवारी ने कहा कि सरकार को यह भी बताना होगा कि साइंस हाउस' घोटाले में लाखों फर्जी जांच कर सरकारी धन की लूट कैसे की गई और मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की भारी कमी क्यों है। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में दवा ज़हर बन रही हो, मासूम बच्चों को विषाक्त खून चढ़ाया जा रहा हो, नवजातों को चूहे कुतर रहे हों और अस्पतालों के आईसीयू में आग लगती हो,वहां स्वास्थ्य मंत्री की चुप्पी सरकार की संवेदनहीनता को उजागर करती है।

बैठक प्रदेश के मंत्रियों ने बताई अपने विभागों की उपलब्धियां

सिंहस्थ से पहले उज्जैन के समीप 18 गांव बनेंगे पर्यटन ग्राम: धर्मेन्द्र लोधी

विशेष संवाददाता, भोपाल। पर्यटन संस्कृति एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र भाव लोधी ने कहा है कि राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के नवाचार किए गए है,जिसके बेहतर परिणाम सामने आए है। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अब तक 250 होम स्टे प्रारम्भ हो चुके है।भोपाल, इंदौर एवं महेश्वर को क्रिएटिव सिटी के रूप में विकसित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि सिंहस्थ के पहले उज्जैन के समीपी 18 गांव पर्यटन ग्राम बनाए जाएंगे। लोधी मंगलवार को अपने दो वर्ष के कार्यकाल में अपने विभागों की उपलब्धियों को लेकर पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार प्रदेश के सांस्कृतिक अभ्युदय के लिए प्रतिबद्ध है।

पिछले दो सालों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नई पर्यटन नीति के तहत प्रयास किए गए,जिसके परिणाम स्वरुप पिछले साल 14 करोड़ देशी विदेशी पर्यटक मध्यप्रदेश आए है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण भारत और वैश्विक पटल पर मध्य प्रदेश को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्थल के रूप में रेखांकित करना हमारी प्राथमिकता में है। पर्यटन के उत्कृष्ट कार्यों के लिये विभाग को पिछले 2 वर्षों में 18 से अधिक पुरस्कारों और सम्मानों से सम्मानित किया गया है। उन्होंने बताया कि 900 करोड़ रूपये से अधिक की लागत से 20 सांस्कृतिक और धार्मिक लोकों का निर्माण कराया गया है। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि भारत के कुल 69 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों में से 18 विरासत स्थल मध्यप्रदेश में हैं। उन्होंने बताया कि पिछले दो साल में होम स्टे संचालित करने वाले परिवारों ने 7 करोड़ का व्यवसाय किया है। सरकार का लक्ष्य 1000 हजार होम स्टे निर्माण करने का है।

पर्यटन के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिये रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव और मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट जैसे बड़े आयोजन किये गये हैं। इन आयोजनों के माध्यम से लगभग 10 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं। विगत 2 वर्षों में सरकार द्वारा रामचन्द्र वनगमन पथ और कृष्ण पाथेय योजना की संकल्पना को स्वीकृति प्रदान की गई है। संस्कृति विभाग की उपलब्धियां गिनाते हुए लोधी ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों का साहित्यिक गैजेटियर तैयार किये जा रहे हैं। विगत 2 वर्षों में 15 जिलों के साहित्यिक गैजेटियर तैयार किये जा चुके हैं। इसके साथ ही हमारी सरकार द्वारा उज्जैन, भोपाल, ग्वालियर, सागर, पन्ना, जबलपुर, महेश्वर जैसे अनेक स्थानों पर विशिष्टता को सम्मिलित करते हुये पूरे प्रदेश में संग्रहालयों की एक नवीन श्रृंखला का निर्माण किया जा रहा है।

पानी उपलब्ध होने से बालिकाओं की शिक्षा के स्तर में सुधार

मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि घर-घर शुद्ध पेयजल उपलब्ध होने से ग्रामीण क्षेत्रों में जलजनित बीमारियों के प्रकरणों में उल्लेखनीय कमी आई है। इससे उपचार पर होने वाला अनावश्यक खर्च घटा है और परिवारों का आर्थिक पक्ष मजबूत हुआ है। बेहतर स्वास्थ्य के कारण कार्यक्षमता में वृद्धि हुई है, बच्चों की नियमित स्कूल उपस्थिति सुनिश्चित हुई है और महिलाओं को भी घरेलू एवं आजीविका से जुड़े कार्यों के लिए अधिक समय और ऊर्जा मिल रही है। मंत्री उइके ने कहा कि घर में पानी उपलब्ध होने से बालिकाओं को पढ़ाई के लिए पर्याप्त समय मिल रहा है। विद्यालय उपस्थिति में वृद्धि हुई है और शिक्षा के स्तर में भी सुधार देखा जा रहा है। जल गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए राज्य की समस्त प्रयोगशालाओं का शत-प्रतिशत एनएबीएल प्रमाणीकरण कराया गया है, जिससे मध्यप्रदेश इस क्षेत्र में देश में अग्रणी बना है।

81 लाख से अधिक परिवारों तक पहुँचा नल से जल : उईके

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने भी अपने विभाग की उपलब्धियों की जानकारी पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में 81 लाख से अधिक परिवारों तक नल से जल पहुंचा है। मंत्री श्रीमती उइके ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के 81 लाख 21 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन के माध्यम से प्रतिदिन शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, जो कुल लक्षित परिवारों का लगभग 73 प्रतिशत है। प्रदेश के 10 हजार 440 ग्रामों को हर घर जल घोषित किया जा चुका है और भारत सरकार द्वारा बुरहानपुर जिले को देश का पहला प्रमाणित हर घर जल जिला घोषित किया जाना प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। विगत दो वर्षों में 13 लाख 69 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को नए नल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। पायलट आधार पर 64 ग्रामों में 24×7 जल प्रदाय की व्यवस्था लागू की गई है। इसके साथ ही प्रदेश में 15 हजार 238 नवीन हैंडपंप और नलकूप स्थापित किए गए हैं।

एन बी सी सी NBCC
A Navratna CPSE
ASPIRE

माननीय उच्चतम न्यायालय की निगरानी वाली
आवास परियोजना लर्नेड कोर्ट रिसीवर के माध्यम से

एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड द्वारा निष्पादित

ई-नीलामी के माध्यम से मालसूची की थोक बिक्री

एस्पायर सिलिकॉन सिटी
फेज़-IV, सेक्टर-76, नोएडा, उत्तर प्रदेश
मालसूची - आधुनिक सुविधाओं से युक्त 3 बी.एच.के. एवं 4 बी.एच.के. के आलीशान अपार्टमेंट्स
स्पेक्ट्रम मॉल, नोएडा के पास और निकटतम मेट्रो स्टेशन नोएडा सेक्टर-50 (एक्वा लाइन) एवं सेक्टर-76 मेट्रो हैं तथा आनंद विहार आईएसबीटी और रेलवे स्टेशन - 25 मिनट

एस्पायर लेज़र पार्क
टेकज़ोन-IV, ग्रेटर नोएडा (वेस्ट), उत्तर प्रदेश
मालसूची-आधुनिक सुविधाओं से युक्त 3 बी.एच.के. एवं 4 बी.एच.के. के आलीशान अपार्टमेंट्स
डीमार्ट के पास एवं आनंद विहार आईएसबीटी और रेलवे स्टेशन - 30 मिनट

एस्पायर लेज़र वैली
टेकज़ोन-IV, ग्रेटर नोएडा (वेस्ट), उत्तर प्रदेश
मालसूची आधुनिक सुविधाओं से युक्त 3 बी.एच.के. एवं 4 बी. एच. के. के आलीशान अपार्टमेंट्स
डीमार्ट के पास एवं आनंद विहार आईएसबीटी और रेलवे स्टेशन - 35 मिनट

एस्पायर सेंचुरियन पार्क
टेकज़ोन-IV, ग्रेटर नोएडा (वेस्ट), उत्तर प्रदेश
मालसूची-आधुनिक सुविधाओं से युक्त 3 बी.एच.के. एवं 4 बी.एच.के. के आलीशान अपार्टमेंट्स
डीमार्ट के पास एवं आनंद विहार आईएसबीटी और रेलवे स्टेशन - 30 मिनट

ई.एम.डी. जमा करने की अंतिम तिथि: 27.12.2025
ई-नीलामी 29.12.2025 को आयोजित की जाएगी
ई.एम.डी. राशि 9.70 करोड़ रु. से 20.90 करोड़ रु. तक
7 पैकेज जिनका मूल्य 485 करोड़ रु. से 1,045 करोड़ रु. तक है

कृपया अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट देखें:
www.nbccindia.in I www.receiveramrapali.in
या कॉल करें : 9772907414

कृपया ई-नीलामी दस्तावेज के लिए क्यूआर स्कैन करें:

संस्थापक गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

भारत-न्यूजीलैंड डील से अमेरिका को बड़ा झटका

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता हुआ है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए काफी राहतकारी सिद्ध होगा। अमेरिका के टैरिफ विवाद से बने नकारात्मक माहौल को दूर करने में मदद मिलेगी। वॉशिंगटन के साथ प्रस्तावित डील में भारत का पक्ष मजबूत होगा। न्यूजीलैंड के साथ व्यापार अगले पांच साल में दोगुना करने का लक्ष्य है।

अमेरिकी नीतियों की वजह से दबाव का सामना कर रही भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए न्यूजीलैंड के साथ हुआ मुक्त व्यापार समझौता राहत की खबर है। हाल में कई दूसरे देशों के साथ भी सहमति बनी है। ये समझौते अमेरिकी टैरिफ विवाद से बने नकारात्मक माहौल को दूर करने में तो मदद करेंगे ही, इनसे वॉशिंगटन के साथ प्रस्तावित डील में भी नई दिल्ली का पक्ष भारी रहेगा। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की इस साल मार्च में भारत यात्रा के दौरान ट्रेड डील पर बात शुरू हुई थी। दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्तों की औपचारिक शुरुआत भारत की आजादी के कुछ साल बाद ही हो गई थी, लेकिन द्विपक्षीय व्यापार अब भी बेहद कम है। 2023 में यह 1.75 अरब डॉलर था और पिछले साल 2.07 अरब डॉलर। ट्रेड एग्रीमेंट से व्यापार को अगले पांच साल में दोगुना करने का लक्ष्य तय किया गया है। साथ ही, सर्विसेज, गुड्स, इन्वेस्टमेंट में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है।

न्यूजीलैंड खेती में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल के लिए जाना जाता है। ट्रेड डील से उसकी उन्नत कृषि तकनीक तक पहुंच आसान होगी। महत्वपूर्ण है कि डेयरी सेक्टर में कोई छूट नहीं दी गई है और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने साफ किया है कि इस क्षेत्र में समझौता संभव नहीं। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में जिन वजहों से देर हो रही है, उनमें कृषि और डेयरी सेक्टर शामिल हैं।

हाल में भारत की तरफ से व्यापारिक समझौतों में काफी तेजी आई है। पिछले हफ्ते ओमान के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता हुआ था। दोनों देश इसे तीन महीने के भीतर लागू करना चाहते हैं। इसके बाद ओमान को भारत का 99 फीसदी से ज्यादा निर्यात टैरिफ फ्री हो जाएगा। संयुक्त अरब अमीरात के साथ भी एक सीईपीए पर हस्ताक्षर किए गए थे। यह ठीक तभी हुआ जब भारत ने ऐसे समझौतों की संभावनाओं पर पुनर्विचार शुरू ही किया था। न्यूजीलैंड के साथ हुआ समझौता एक अन्य कृषि महाशक्ति ऑस्ट्रेलिया के साथ हुए समझौतों जैसा ही है। इसी तरह, दिसंबर की शुरुआत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यात्रा के दौरान मॉस्को और नई दिल्ली ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने पर सहमति जताई थी। ब्रिटेन के साथ भी एक मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति बनी है। दरअसल, इसका अर्थ यह है कि भारत पांच एंग्लोस्फेयर अर्थव्यवस्थाओं यानी अमेरिका, ग्रेट ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में से तीन के साथ अनौपचारिक व्यापार समझौते कर चुका है। भारतीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि कनाडा के साथ बातचीत दोबारा शुरू होगी। यह बात महत्त्वपूर्ण है क्योंकि हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच संबंधों में गिरावट ने ऐसी वार्ताओं को स्थगित कर दिया था।

छोटे देशों के साथ ये समझौते भारत के नए रुख का संकेत हैं। लेकिन अमेरिका और क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी अथवा प्रशांत पार साझेदारी के लिए व्यापक और प्रगतिशील समझौते (सीपीटीपीपी) हमारे लिए अधिक प्राथमिकता वाले होने चाहिए। यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ बातचीत पूरी करने की तय मियाद समाप्त हो चुकी है। हालांकि इन्हें अधिकतम 2026 की पहली छमाही के अंत तक पूरा कर लेना चाहिए क्योंकि उसके बाद शुल्कों का नया दौर असर डालने लगेगा । उम्मीद की जानी चाहिए कि यूरोपीय यूनियन, इस्राइल, कनाडा के साथ भी प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर बात तेजी से आगे बढ़ेगी। इनसे न सिर्फ भारतीय निर्यात में विविधता आएगी बल्कि विदेशी बाजारों में हमारे निर्यातकों की प्रतिस्पर्धी क्षमता भी बेहतर होगी।

जलवायु परिवर्तन से हो रहा विस्थापन एक गंभीर समस्या

जलवायु परिवर्तन

पंकज चतुर्वेदी

पिछले दिनों ब्राजील में संपन्न हुए पर्यावरण संरक्षण के सबसे बड़े आयोजन 'कॉप-30' में एक बड़ा प्रश्न अनुत्तरित रह गया कि जलवायु परिवर्तन से उपज रही आपदाओं के कारण विस्थापित हो रहे लोगों के लिए आसरे से लेकर रोजगार तक के संकट से कैसे निपटा जाये। बाढ़, भीषण गर्मी, सूखा, तूफान और रेगिस्तान बनने, समुद्र स्तर में वृद्धि, ग्लेशियरों के पिघलने जैसी धीरे-धीरे होने वाली घटनाएं आजीविका और जीवन को प्रभावित कर रही हैं। वर्ष 2024 में ऐसी आपदाओं के कारण अपने देश की सीमाओं के भीतर साढ़े चार करोड़ से अधिक लोग जबरन प्रवासित हुए। यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि वैश्विक समाज ने इतनी बड़ी मानवीय त्रासदी पर कोई निर्णायक रवैया नहीं अपनाया। भारत जैसे देश अब जलवायु विस्थापन की त्रासदी के बड़े शिकार हो रहे हैं।

जब भी हम जलवायु परिवर्तन की चर्चा करते हैं, तो इसे बढ़ते तापमान, प्रदूषण, बंजर होती जमीन (मरुस्थलीकरण), अम्ल वर्षा और ध्रुवों पर बर्फ के पिघलना आदि से जोड़कर देखते हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण अस्तित्व में आई एक अनजान वास्तविकता से अधिकांश लोग परिचित नहीं हैं। वह है इसकी वजह से होने वाला विभिन्न देशों के लोगों का विस्थापन। वर्तमान में जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाला विस्थापन युद्ध और हिंसक संघर्षों की वजह होने वाले विस्थापन से भी ज्यादा भयावह है। इससे विश्व के 148 देश प्रभावित है जिसमें भारत भी शामिल है, इन देशों में अधिकांश जनसंख्या निर्धन और वंचित लोगों की है। विशेषज्ञ इसे दुनिया के लिये एक गंभीर समस्या मानते हैं, जो वर्ष 2050 तक हमारी उम्मीद से ज्यादा बढ़ जाएगी और प्रत्यक्ष तौर पर विस्थापन के परिणाम भी लोगों को दिखने लगेंगे।

असम में ब्रह्मपुत्र की तेज धाराओं के बीच स्थित दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप माजुली 1951 में लगभग 1,250 वर्ग किलोमीटर में फैला था, और आबादी 81,000 थी। अगले 60 वर्षों में इसकी आबादी बढ़ कर 1,67,000 हो गयी, पर द्वीप का क्षेत्रफल दो-तिहाई कम हो गया था। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि हिमालय के पिघलते ग्लेशियरों के साथ ब्रह्मपुत्र में तीव्र होते जलप्लावन से 2040 तक माजुली लुप्त हो सकता है। उस द्वीप से हर वर्ष हजारों लोग पलायन करते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश में अभी तक जलवायु पलायन को लेकर कोई नीति नहीं बनी।

> संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आइओएम) ने सम्मेलन में जानकारी दी थी कि दुनियाभर में लोग पहले से ही या तो विस्थापित हो रहे हैं या इससे बचे रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मानवीय पलायन सिर्फ मानव श्रम का स्थानांतरण नहीं होता, उसके साथ बहुत-से लोक ज्ञान, मानव सभ्यता, पारंपरिक जैव विविधता का भी अंत हो जाता है। सुंदरवन के सिमटने और उसका असर गंगासागर तक पड़ने से वहां के लोगों को अपना घर-खेत छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है।

मानवीय पलायन सिर्फ मानव श्रम का स्थानांतरण नहीं होता, उसके साथ बहुत-से लोक ज्ञान, मानव सभ्यता, पारंपरिक जैव विविधता का भी अंत हो जाता है। सुंदरवन के सिमटने और उसका असर गंगासागर तक पड़ने से वहां के लोगों को अपना घर-खेत छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है। सुंदरवन का लोहाचारा द्वीप 1991 में गायब हो गया, जबकि बंगाल की खाड़ी से लगभग 30 किलोमीटर उत्तर में घोरमारा में पिछले कुछ दशकों में अभूतपूर्व क्षरण देखा गया है। हमारे तटीय क्षेत्र, जहां लगभग 17 करोड़ लोग रहते हैं, बदलते जलवायु की मार से सर्वाधिक प्रभावित हैं।यहां रहने वालों को समुद्र के जल स्तर में वृद्धि, कटाव और उष्णकटिबंधीय तूफान तथा चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है। बंगाल की खाड़ी में अभी तक का सबसे शक्तिशाली तूफान 'चक्रवात अंफान' आया, जिससे कई लाख लोगों को घर खाली करने के लिए मजबूर होना पड़ा। सबसे खतरनाक कटाव समुद्री किनारों का है, जो गांव के गांव उदरस्थ कर रहा है।

वैश्विक रूप से चरम मौसम से पलायन का सर्वाधिक खामियाजा महिलाओं और बच्चों को भुगतना पड़ता है। यूनिसेफ तथा इंटरनल डिसप्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर के 2016 से 2021 तक किये गये अध्ययन से यह खुलासा हुआ है। भारत, चीन तथा फिलीपींस के 2.23 करोड़ बच्चे विस्थापित हुए हैं। इन देशों में बच्चों के बेघर होने के पीछे भौगोलिक स्थिति जैसे मॉनसून की बारिश, चक्रवात और चरम मौसम की बढ़ती घटनाएं भी हैं।

भारत में, 2011 की जनगणना के अनुसार, लगभग 45 करोड़ लोग प्रवासित हुए, जिनमें से 64 प्रतिशत लोग ग्रामीण क्षेत्र से थे। प्रवासियों का एक बड़ा हिस्सा कम आय वाले राज्यों- उत्तर प्रदेश और बिहार से है। घर छोड़ कर जाने वाले कुछ लोग तो महज थोड़े दिनों के लिए काम करने गये, लेकिन अधिकांश का पलायन स्थायी हुआ। ग्लोबल वार्मिंग के परिणामों को दुनिया जलवायु परिवर्तन के रूप में देख रही है। पूरा विश्व आस्ट्रेलिया के बुश फायर और अमेज़न के जंगलों की आग देख चुका है। तो वहीं अंटार्कटिका की बर्फ पिघलने सहित दुनिया भर के ग्लेशियर तेड़ी से पिघल रहे हैं। हर साल दुनिया भर में, विशेषकर भारत में बाढ़ भारी तबाही मचाती है। जलवायु परिवर्तन के कारण हो रही इन सभी घटनाओं की समय समय पर चर्चा तो होती है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहे विस्थापन का कोई जिक्र तक नहीं करता और न ही ये विस्थापन कभी चर्चा का विषय बनता है। इसी अनदेखी के कारण आज यह एक वैश्विक समस्या बन गई है।

संयुक्त राष्ट्र की वर्ल्ड माइग्रेशन रिपोर्ट में 148 देशों पर किये गए सर्वेक्षण के आंकड़ों के आधार पर निष्कर्ष दिया गया है कि दुनिया में करीब 2.8 करोड़ लोग विस्थापित हुए हैं, जिनमें से 1.75 करोड़ लोग जलवायु परिवर्तन के कारण आने वाली विभिन्न आपदाओं की वजह से विस्थापित हुए हैं, जबकि शेष लोग युद्ध और हिंसक संघर्षों की वजह से विस्थापित हुए हैं। वर्ष 2018 में विश्व बैंक ने अनुमान लगाते हुए कहा था कि जलवायु परिवर्तन के कारण वर्ष 2050 तक उप सहारा, अफ्रीका, दक्षिण एशिया और लैटिन अमेरिका में 14.3 करोड़ लोगों को अपना घर छोड़कर विस्थापित होने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। अंतर्राष्ट्रीय आंतरिक विस्थापन निगरानी केंद्र (आईडीएससी) के अनुसार जलवायु परिवर्तन के कारण वर्ष 2018 के अंत तक 16 लाख लोग राहत शिविरों में थे। भारत के संदर्भ में तो यह आंकड़ा और गंभीर है।

बीते वर्ष मैड्रिड में हुए कॉप 25 में विश्व मौसम संगठन ने वैश्विक जलवायु दशा रिपोर्ट 2019 जारी कर मौसमी घटनाओं के कारण हो रहे विस्थापन पर चिंता जताई। रिपोर्ट में बताया गया कि जनवरी 2019 से जून 2019 के बीच एक करोड़ लोग अपने देश में ही एक स्थान से दूसरे स्थान पर विस्थापित हुए हैं। इनमें से 70 लाख लोग बाड़, हरिकेन और चक्रवात आदि के कारण विस्थापित हुए हैं। वर्ष 2009 में बंगाल की खाड़ी में आया चक्रवात तथा 2004 की सुनामी का कहर सभी को याद है। कुछ वर्ष पूर्व ही नेपाल में भूकंप से मची तबाही के जख्म आज भी हरे हैं। जब रोजगार के लिए महानगरों की ओर पलायन बढ़ता है, तो यह पहले से ही सघन आबादी वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य, साफ पानी, परिवहन आदि की दिक्कतें उत्पन्न करता है। दुर्भाग्य है कि अभी हमारे यहां जलवायु संबंधी खतरों के कारण अपने घरों से विस्थापितों के लिए कोई माकूल योजना है ही नहीं। पर्यावरणीय शरणार्थी, जलवायु शरणार्थी, जलवायु विस्थापित और पर्यावरण विस्थापित जैसे शब्द अभी सरकारी दस्तावेजों में आये नहीं हैं। इनके लिए कोई अलग श्रेणी नहीं है और न ही जलवायु प्रवासियों से निपटने के लिए कोई योजना है। गंभीरता से देखें, तो देश की आजादी के सौ वर्ष पूरे होने पर हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती और त्रासदी होगी अपनी जड़ों से उखड़कर मजबूरी में किसी अनजान स्थान पर जीने की जद्दोजहद करने वाले कई करोड़ लोग, जिनके पास अपने लोक, परंपरा, आस्था के कोई अतीत-निशान नहीं होंगे।

दादा की पैतृक संपत्ति पर ही पोते का जन्मसिद्ध अधिकार

संपत्ति उत्तराधिकार

डॉ सुधीर कुमार

भारतीय परिवारों में संपत्ति विवाद एक गंभीर समस्या है जो रिश्तों की नींव को हिला देती है। जमीन-जायदाद के कागज़ात पारिवारिक सद्भाव को नष्ट कर देते हैं। इन विवादों के केंद्र में जटिल सवाल यह होता है। 'जब पिता जीवित हैं, तो दादा की संपत्ति पर पोते का कितना अधिकार है?' यह प्रश्न केवल एक कानूनी जटिलता नहीं, बल्कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी चले आ रहे सामाजिक मूल्यों और हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की बारीकियों को भी दर्शाता है। भारतीय समाज में परिवार और संपत्ति का संबंध केवल आर्थिक नहीं, बल्कि गहरा भावनात्मक भी होता है। यही कारण है कि जब दादा की संपत्ति के बंटवारे की बात आती है, तो मामला केवल कानूनी धाराओं तक सीमित न रहकर रिश्तों में कड़वाहट की जड़ बन जाता है।

पोते-पोतियों के मन में यह सामान्य सवाल होता है - 'क्या पिता के जीवित रहते हम दादा की संपत्ति पर सीधा दावा कर सकते हैं?' इस प्रश्न का उत्तर 'हां' या 'ना' में देना सरल नहीं। इसका जवाब पूरी तरह संपत्ति के प्रकार पर निर्भर करता है - यानी वह 'स्व-अर्जित' है या 'पैतृक'। इस अंतर को सुप्रीम कोर्ट ने अपने विभिन्न फैसलों के जरिये समय-समय पर स्पष्ट किया है, जिससे कानूनी स्थिति साफ हो। कानूनन संपत्ति मुख्यतया दो प्रकार की होती है, और यह अंतर समझना ही सारे विवाद समाप्त कर सकता है।

स्व-अर्जित संपत्ति वह है जिसे दादा ने अपनी मेहनत, वेतन, या व्यावसायिक आय से स्वयं खरीदा या अर्जित किया है। इस संपत्ति पर दादा का पूर्ण स्वामित्व होता है। उनके जीवनकाल में, उनका बेटा या पोता भी सीधे तौर पर दावा नहीं कर सकता, और दादा के पास अधिकार है कि वे जिसके नाम चाहें, उस संपत्ति की वसीयत करे। यहां अहम कानूनी बिंदु यह कि यदि पिता (अर्थात दादा के बेटे) जीवित हैं, तो पोता दादा की स्व-अर्जित संपत्ति में सीधे हिस्सेदार नहीं बन सकता। पोता केवल तभी दावा कर सकता है जब उसके पिता की मृत्यु दादा से पहले हो चुकी हो। इस स्थिति में, पोता अपने मृत पिता का प्रतिनिधित्व करते हुए हिस्सा पाता है।

> पारिवारिक विवादों में सवाल होता है कि पिता के जीवित रहते दादा की संपत्ति पर पोते का कितना हक है? दादा की संपत्ति के बंटवारे की बात आती है, तो मामला रिश्तों में कड़वाहट की जड़ बन जाता है। हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम के इस मामले पर अदालती फैसले स्पष्ट करते हैं कि पैतृक संपत्ति में पोते का जन्मसिद्ध अधिकार है, वह दादा या पिता के जीवित रहते बंटवारा करवा सकता है। जबकि दादा की स्व-अर्जित संपत्ति पर उसका जन्मजात दावा नहीं।

इसके विपरीत, पैतृक संपत्ति वह होती है जो कम से कम चार पीढ़ियों से निरंतर पुरुष वंशजों के माध्यम से हस्तांतरित होती आयी है। इस संपत्ति के संबंध में पोते की कानूनी स्थिति पूरी तरह बदल जाती है। पैतृक संपत्ति में पोता जन्म लेते ही 'सह-स्वामी' बन जाता है। उसका हक दादा या पिता की मृत्यु का इंतजार नहीं करता; वह बतौर जन्मसिद्ध अधिकार कभी भी बंटवारे की मांग कर सकता है। यह उसे स्व-अर्जित संपत्ति से मौलिक रूप से अलग करता है।

कानूनी स्थिति को सबसे निर्णायक रूप से सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2018 में 'विनीत शर्मा बनाम राकेश शर्मा' नामक एक अत्यंत महत्वपूर्ण मामले में स्पष्ट किया था। यह लैंडमार्क केस पैतृक और स्व-अर्जित संपत्ति के बीच अंतर को कानूनी रूप से मजबूत करता है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराधिकार के नियमों पर यह साफ किया कि यदि दादा अपनी स्व-अर्जित संपत्ति (जो उन्होंने अपनी मेहनत से कमाई थी) को वसीयत के जरिये अपने बेटे या पोते को सौंपते हैं, तो संपत्ति प्राप्त करने वाले व्यक्ति के लिए वह 'पैतृक संपत्ति' नहीं, बल्कि उसकी 'व्यक्तिगत संपत्ति' बन जाती है।

उत्तराखंड के हाईकोर्ट ने वर्ष 2016 में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया था कि जब तक पिता जीवित हैं, तब तक पोता अपने दादा की स्व-अर्जित संपत्ति में हिस्सा नहीं मांग सकता है। यह फैसला इस मौलिक सिद्धांत की पुष्टि करता है कि स्व-अर्जित संपत्ति पर पोते का सीधा अधिकार उनके पिता के माध्यम से ही आता है, और वह तभी प्रभावी होता है जब पिता जीवित न हों या जब संपत्ति पैतृक श्रेणी में हो।

सर्वोच्च न्यायालय ने 2014 में सी. शिवकुमार बनाम शिवन्ना मामले में इस सिद्धांत को फिर दोहराया कि स्व-अर्जित संपत्ति के मालिक (इस मामले में दादा) को उस संपत्ति पर पूर्ण व निर्विवाद अधिकार होता है। इस फैसले ने इस बात पर मुहर लगा दी कि मालिक अपनी स्व-अर्जित संपत्ति का उपयोग, उपभोग या हस्तांतरण अपनी इच्छानुसार कर सकता है।

उत्तम बनाम सौभाग सिंह (2016) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 के बाद, यदि किसी व्यक्ति (जैसे दादा) को अपने पिता से कोई संपत्ति विरासत में मिलती है, तो वह स्व-अर्जित संपत्ति मानी जाएगी, न कि स्वचालित रूप से पैतृक संपत्ति। इस फैसले ने पुरानी कानूनी धारणाओं को बदलते हुए यह स्थापित किया कि संपत्ति को 'पैतृक' साबित करने के लिए यह दिखाना अनिवार्य है कि वह चार पीढ़ियों से अविभाजित रूप से चली आ रही है। यदि दादा ने संपत्ति को कानूनी बंटवारे के बाद अपने हिस्से में लिया है, तो वह उनकी स्व-अर्जित संपत्ति है। जबकि पोते के अधिकार सिर्फ अविभाजित पैतृक संपत्ति तक सीमित हैं।

उपरोक्त निर्णायक फैसलों से यह अंतिम कानूनी सत्य सामने आता है कि स्व-अर्जित संपत्ति पर दादा का अधिकार सर्वोपरि है, और पोते का जन्मसिद्ध दावा केवल अविभाजित पैतृक संपत्ति तक ही सीमित है। जायदाद के मामलों को अदालतों में घसीटने से बेहतर है कि विवाद की गुंजाइश खत्म करने के लिए स्पष्ट वसीयत तैयार करे।

प्रसंगवश

रेल का किराया बढ़ रहा पर समस्याएं यथावत

अंदाजा लगाया जा सकता है कि अपनी आय बढ़ाने के लिए सरकार कितनी सजग है। मगर शायद इस बात का ध्यान रखना कभी जरूरी नहीं समझा जाता कि इस तरह किराया बढ़ाने का औचित्य तभी साबित हो सकता है जब यात्रियों के लिए यह असुविधाजनक न हो।

भारतीय रेल को देश भर में कहीं आने-जाने के सबसे सुगम और अहम साधन के रूप में जाना जाता है। हर रोज लाखों लोग अपने गंतव्य तक जाने के लिए इसका सहारा लेते हैं। आए दिन सरकार गुणवत्ता के लिहाज से इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों वाला बनाने के लिए कदम उठाने का दावा करती रहती है। मगर विचित्र यह है कि आज यात्रियों के लिए ट्रेन से सफर करना जहां एक दुस्वप्न बनता जा रहा है, वहीं सरकार जब चाहे, किराया बढ़ाने में कोई संकोच नहीं करती।

हाल ही में ट्रेन में यात्री के सामान ले जाने पर वजन की सीमा लगा देने और तय वजन से ज्यादा ले जाने पर अतिरिक्त शुल्क चुकाने के नियम लागू होने की खबर आई थी। अब भारतीय रेलवे ने छब्बीस दिसंबर से यात्री किराए में भी बढ़ोतरी की घोषणा कर दी है। इसके तहत अब दो सौ पंद्रह किलोमीटर से ज्यादा के सफर के लिए किराया एक से दो पैसे प्रति किलोमीटर बढ़ा दिया गया है। देखने में यह छोटी बढ़ोतरी लगती है, लेकिन इस इजाफे से सिर्फ अगले करीब तीन महीने में ही सरकार को लगभग छह सौ करोड़ रुपए अतिरिक्त राजस्व मिलने की उम्मीद है।

अंदाजा लगाया जा सकता है कि अपनी आय बढ़ाने के लिए सरकार कितनी सजग है। यह कोई छिपी हकीकत नहीं है कि पिछले कुछ समय से ट्रेन में सफर करना कई बार कितना त्रासद साबित हो रहा है। एक से दूसरे शहर या अपने घर जाने वाले लोग अगर ट्रेन से जाना चाहते हैं, तो इसके लिए आरक्षित टिकट मिलना आसान नहीं रह गया है।

> आए दिन सरकार रेल सेवा को अंतरराष्ट्रीय मानकों वाला बनाने के कदम उठाने का दावा करती रहती है। मगर विचित्र यह है कि आज ट्रेन से सफर करना जहां एक दुस्वप्न बनता जा रहा है, वहीं सरकार जब चाहे, किराया बढ़ाने में संकोच नहीं करती।

अगर किसी व्यक्ति को हफ्ते या एक महीने पहले आरक्षित टिकट मिल जाए, तो उसे एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जाता है। साधारण डिब्बों में सफर की मुश्किल की कल्पना करना भी मुश्किल है, जहां लोग निर्जीव सामान की तरह किसी तरह मरते-जीते जाते हैं। पिछले कुछ समय के दौरान ट्रेनों के पटरी से उतरने से लेकर अन्य स्वरूप में जिस तरह के हादसे हुए हैं, वे बताते हैं कि भारतीय रेल से कहीं जाना कितना असुरक्षित भी हो गया है। विडंबना यह है कि अपनी सामान्य या नियमित आय में अतिरिक्त बढ़ोतरी के लिए ट्रेन का किराया बढ़ाने या अन्य प्रत्यक्ष और परोक्ष तरीकों के जरिए यात्रियों से ज्यादा पैसा वसूलने को लेकर अति-सक्रिय रहने वाली सरकार की नजर में यात्री सुविधाएं कोई प्राथमिक सवाल नहीं हैं। ऐसा लगता है कि अलग-अलग मद में पैसा बढ़ाने के लिए बजट का इंतजार करने की परंपरा खत्म हो गई है और सरकार अपनी सुविधा के अनुसार नया किराया तय कर देती है। उसके लिए यह भी ध्यान रखना जरूरी नहीं है कि ज्यादा किराया चुकाने का बोझ उठाने वाले बहुत सारे आम लोगों की आमदनी में कितनी बढ़ोतरी हुई है। क्या यह एक अफसोसनाक तस्वीर नहीं है।

॥गीता॥

श्लोक

अपरं भवतो जन्म परं जन्म विवस्वतः।
कथमेतद्विजानीयां त्वमादौ प्रोक्तवानिति।।

भावार्थ

अर्जुन बोले: आपका जन्म तो अर्वाचीन अभी हाल ही का है और सूर्य का जन्म बहुत पुराना है अर्थात् कल्प के आदि में हो चुका था, तब मैं इस बात को कैसे समझूँ कि आप ही ने कल्प के आदि में यह योग कहा था?

जीवन दर्शन

खुद को औसत के स्तर से ऊपर उठाने के प्रयास करें

अपने जीवन में जीनियस बहुत कम बन पाते हैं, जबकि अधिकतर औसत दर्जे के ही रह जाते हैं। औसत रहने वाले लोग सोचते हैं कि शायद उनकी आई क्यू लेवल कम है, इसलिए वो औसत हैं, पर ऐसा नहीं है। असल में अधिकतर लोग औसत जीवन इसलिए जीते हैं क्योंकि वे अपने भीतर की क्षमता को पहचान नहीं पाते और उनके जीवन में दूरदर्शिता का अभाव होता है। आचार्य चाणक्य के अनुसार, औसतपन मनुष्य की कमजोरियों का परिणाम है और इसे केवल आत्मविकास के माध्यम से ही पार किया जा सकता है। लोगों का औसत बने रहने का मुख्य कारण आत्मसंयम की कमी, आलस्य और अवसर चूकना है। उच्च लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन और आत्मसंयम बनाए रखना, जीवन में असाधारण बनने के लिए आवश्यक हैं। निरंतर ज्ञान प्राप्त करना और अपनी कमजोरियों को पहचानकर सुधारना, व्यक्ति के विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में औसत नहीं बने रहना चाहता है, लेकिन हर कोई इस औसत के लेवल से आगे बढ़ भी नहीं पाता। लोग इसका जिम्मेदार अपने दिमाग को और इंटेलीजेंस को मानते हैं, जबकि प्रसिद्ध रणनीतिकार आचार्य चाणक्य का मानना था कि औसतपन कोई नियति नहीं, बल्कि मनुष्य की कमजोरियों का परिणाम है। जो व्यक्ति लक्ष्य, अनुशासन, परिश्रम, संयम और साहस को अपनाता है, वह साधारण से असाधारण बन सकता है। चाणक्य के अनुसार अधिकतर लोग जीवन में औसत इसलिए रह जाते हैं क्योंकि वे आत्मविकास की दिशा में गंभीर प्रयास नहीं करते और कुछ विशेष मानसिक बाधाएँ उन्हें आगे बढ़ने से रोकती हैं। औसत रहना एक विकल्प है, लेकिन असाधारण बनना एक संकल्प है। जो व्यक्ति अपने भीतर की कमजोरियों को पहचानकर उन्हें सुधारने का साहस करता है, वही जीवन में ऊँचाई प्राप्त करता है।

अगर कोई व्यक्ति औसत है, तो उसका मूल कारण है आत्मसंयम की कमी। संयम न होने से ऊर्जा व्यर्थ होती है और महान उपलब्धियाँ अधूरी रह जाती हैं। लोग भावनाओं और इच्छाओं के प्रवाह में बह जाते हैं। दूसरा मुख्य कारण है - आलस्य और अवसर चूकना। इसके अलावा लक्ष्यहीनता, दृढ़ निश्चय और साहस की कमी भी मुख्य कारण हैं। कई सारे लोग हैं जो कठिनाइयों से डरकर पीछे हट जाते हैं और यह औसतपन का सबसे बड़ा कारण है। बहुत से लोग रिस्क उठाने की हिम्मत नहीं कर पाते। कई बार कुछ लोग जितना मलता है, उतने में ही संतुष्ट रह जाते हैं। ऐसा व्यक्ति सांसारिक सुखों और मोह में उलझकर अपनी ऊँचाइयों तक नहीं पहुँच पाता। इसके अलावा अहंकारी व्यक्ति स्वयं को सर्वश्रेष्ठ मानता है और दूसरों की सलाह को तुच्छ समझता है। नकारात्मक सोच और दूसरों को हानि पहुँचाने की प्रवृत्ति भी खुद का विकास करने से रोकती है। ऐसे लोग कभी ऊँचाई नहीं छू पाते क्योंकि वे विनम्रता और सेवा भाव से दूर रहते हैं।

औसत से ऊपर उठने के लिए क्या करना चाहिए? इसके लिए सबसे जरूरी है कि जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारण हो। जीवन में क्या प्राप्त करना है, उसका निर्णय करें। लक्ष्य छोटा नहीं, ऊँचा होना चाहिए। साथ ही अनुशासन और आत्मसंयम रखें। बिना अनुशासन वाला मनुष्य अपने शत्रुओं को नहीं, बल्कि खुद को ही हारता है। अपने दोषों को पहचानें और सुधारें। रोजकुछ नया सीखें, शास्त्रों और अनुभवों से ज्ञान लें। सद्गुणी और ज्ञानी लोगों की संगति करें क्योंकि संगति का प्रभाव गहरा होता है।

-आचार्य चाणक्य

सांसद खेल महोत्सव में जुटे संत हिरदाराम नगर के पांच हजार विद्यार्थी

जितनी कठिन स्थिति आएगी, उतनी सफलता मिलेगी : चेतन कश्यप

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। मंगलवार को संत हिरदाराम नगर में भव्य सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें उपनगर के 30 से अधिक विद्यालयों के पांच हजार से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में 1700 खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। शहीद हेमू कालानी खेल स्टेडियम में आयोजित इस समारोह में भोपाल के प्रभारी मंत्री चेतन कश्यप मुख्य अतिथि थे, जबकि सांसद आलोक शर्मा ने अध्यक्षता की। हुजूर क्षेत्र के भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे।

कठिनता के साथ सफलता : इस अवसर पर अपने उद्बोधन में प्रभारी मंत्री चेतन कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री का आव्हान है कि हर बच्चा खेले, इस पर हर हालत में अमल करना होगा उन्होंने कहा कि न केवल खेलने से प्रतिभा का निखार होता है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी काफी अच्छा रहता है। बड़ा खिलाड़ी बनने के लिए महत्वपूर्ण है, देश के लिए भी उतना ही महत्व रखता है लेकिन अपने लिए खेलना कहीं अधिक फायदेमंद है क्योंकि अगर देश को फिट रखना है तो हर व्यक्ति को फिट रहना होगा। उन्होंने कहा कि हारने से निराश नहीं होना चाहिए बल्कि हर दिन यह उम्मीद हो कि आज हारे हैं, तो कल जीतेंगे। खेल ही हमें विशाल बनाते हैं। आज के दौर में चुनौतियां बहुत हैं, लेकिन चुनौतियों के बाद ही सफलता हासिल होती है।

हिन्दुस्तान के लिए खेलें : हुजूर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि जब से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, तब से खेलों का महत्व भी बढ़ा है, अगर प्रधानमंत्री सांसद खेल महोत्सव की शुरुआत नहीं करते तो इस तरह का बड़ा आयोजन नहीं होता चूंकि इस तरह के आयोजन में खिलाड़ियों को जो सर्टीफिकेट बांटे जाते हैं, उसमें सांसद के भी हस्ताक्षर हैं। जिला शिक्षा अधिकारी के भी हस्ताक्षर हैं, जो कि किसी भी खिलाड़ी को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने आव्हान किया कि पढ़ें भी अच्छी तरह से और खेले भी उतनी ही गरिमा से। विधायक ने उम्मीद जताई कि यहां जो भी खिलाड़ी मौजूद हैं, वे शहर के अलाव प्रदेश और राष्ट्र का नाम बढ़ाएंगे। हमारा सिर उस समय ऊंचा होता है जब भारत माता की जय बोलकर हाथ में तिरंगा लेकर हिन्दुस्तान के लिए हमारे खिलाड़ी विदेश में खेलने जाते हैं, उसकी हर कोई प्रतिज्ञा करता है और इसी तरह की प्रतिज्ञा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की है ताकि अधिक से अधिक खिलाड़ी विदेशों में जाकर तिरंगा फहराएं।

1700 खिलाड़ी पुरस्कृत : समारोह के दौरान प्रभारी मंत्री, सांसद एवं विधायक के अलावा मौजूद खेल विभाग एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने लगभग 1700 खिलाड़ियों को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया तथा उन्हें सर्टीफिकेट का वितरण किया। इसमें 30 विद्यालयों से अधिक विद्यार्थी मौजूद थे। इसके लिए प्रत्येक विद्यालय में प्रतियोगिताओं का आयोजन कर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों सहित प्रत्येक विद्यालय के 5 खिलाड़ियों को शामिल किया गया था। समारोह में जिला शिक्षा अधिकारी नरेन्द्र अहिरवार, सेज ग्रुप के राजीव अग्रवाल के अलावा भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल रेनवाल, मंडल अध्यक्ष मनीष आगवानी, हुजूर विस प्रभारी चन्द्रप्रकाश इसरानी, महानगर नागरिक बैंक के अध्यक्ष सुशील वासवानी, भाजपा नेता रमेश जनयानी, बसंत चेलानी, सूरज यादव, युवा मोर्चा अध्यक्ष रोहन केवट रामू, सिंधी महिला पंचायत अध्यक्ष किरण वाधवानी सहित विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य, भाजपा कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

खेलों से अनुशासन
इस अवसर पर सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि जीवन में खेल बहुत जरूरी है, उसका बड़ा महत्व है। खेलों से प्रतिस्पर्धा की भावना आती है, शरीर व दिमाग भी स्वस्थ रहता है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव बधाई के पात्र हैं जिन्होंने 22 सितम्बर को भोपाल में खेल महोत्सव का शुभारंभ किया था, जिससे एक नई प्रेरणा मिली भोपाल संसदीय क्षेत्र में 77 हजार खिलाड़ियों ने खेल पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाया है, प्रत्येक स्कूल स्तर पर इसका आयोजन किया, उसके बाद ब्लाक स्तर और अब विस स्तर पर इस तरह के आयोजन कर रहे हैं। 2036 में ओलम्पिक गेम होने जा रहे हैं, इसके लिए आज से ही कम कर लो खेले इंडिया और जीते भी इंडिया।

जन्म दिवस पर दिलाया अधिक सेवा का संकल्प

जरूरतमंदों के बच्चों को शिक्षा देना महान काम, सबसे बड़ा दान: सिद्ध भाऊ

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। ब्रह्मलीन स्वामी हिरदाराम जी के उत्तराधिकारी संत सिद्ध भाऊ ने कहा है कि विद्या दान सबसे बड़ा दान है, इसलिए बच्चों को अच्छी शिक्षा दें, उन्हें अच्छे संस्कार दें, देश का जागरूक एवं योग्य नागरिक बनाएं। यह बात उन्होंने अपने 73वें जन्मोत्सव पर संत हिरदाराम समाधि स्थल पर जुटे सेवाधारियों के बीच कही। उन्होंने कहा कि गरीबों के बच्चे पढ़कर अपने पैरों पर खड़ा होता है, तो पूरा परिवार स्वावलम्बी हो जाता है, वे निरंतर आगे बढ़ते जाएंगे, उसकी शुरुआत हमारे यहां से हो रही है, यह हमारे लिए भाग्यशाली बात है। जीवन का कोई भरोसा नहीं इसलिए जितना हो सके दूसरों के लिए करके जाएं। हम किसी पर अहसान नही कर रहे हैं जो सेवा का मौका देता है, उसके प्रति कृतज्ञ रहने की जरूरत है कि उसने हमें सेवा के लायक समझा। संत सिद्ध भाऊ ने कहा कि अगर हम सेवा कर रहे हैं तो किसी पर अहसान नहीं है, यह हमारा दायित्व है।

आत्मावलोकन करें

इस दौरान महेश दरयानी ने कहा कि हम अपना आत्मावलोकन करेंगे तो यह जरूर पाएंगे कि हम सभी पर संत सिद्ध भाऊ की कृपा किसी न किसी रूप में रही है। जन्म दिवस पर यह देखें कि हम कहां हैं और हमें कहां पहुंचना है। उन्होंने बताया कि संत हिरदाराम जी का जब अंतिम समय था, तब उन्होंने कहा था कि मेरे जाने के बाद सिद्ध भाऊ ही सेवा के कार्यों को दस गुना बढ़ाएंगे और हम यह महसूस कर रहे हैं कि 2006 जब स्वामीजी का अवसान हुआ, उसके बाद सेवा के कार्य दिन प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। महेश दयारामानी ने दोहराया कि पिछले 50 सालों में 45 लाख से अधिक जरूरतमंद सेवा कार्यों से लाभांवित हुए हैं, उन्होंने कहा कि हमें संत सिद्ध भाऊ के प्रति कृतज्ञ हैं, जिनके सतत मार्गदर्शन में आने वाली पीढ़ियां भी जो स्कूल व कालेजों में पढ़ रहे हैं, उनका भला हो और जो राह संत जी व सिद्ध भाऊ ने दिखाई है, उस पर निरंतर चलते रहें। अगर सिद्ध भाऊ के जीवन का आकलन करेंगे तो पता चलेगा कि उन्हें सेवा व स्मरण पसंद करते हैं। दिखाए गए मार्ग पर चलते रहें, यही भगवान से प्रार्थना है। यहां मिठी गोविंदराम एवं नवनिध हासोमल स्कूल एवं विद्या सागर स्कूल के स्टाफ की तरफ से प्राचार्य अमृता मोटवानी एवं मिष्ठी वासवानी ने स्कूली बच्चों द्वारा बनाए गए ग्रीटिंग कार्ड का संग्रह सिद्ध भाऊ को भेंट किया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवी आसूदोमल लच्छवाणी, हीरो ज्ञानंचदानी, केएल रामनानी, एसी साधवानी, थांवर वरलानी, घनश्याम बूलचंदानी, गोपाल गिरधानी, आरके मूलचंदानी, तुलसी आडवाणी, अनिल चोटरानी, विनय दादलानी, राम मोरंदानी, लखन भागचंदानी, भगवान दामानी, सुरेश राजपाल, हीरो हिन्दू फैंस क्लब के हीरो इसरानी आदि मौजूद रहे।

गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन को श्रद्धा से याद किया

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की अद्वितीय विरासत को सम्मानित करने के उद्देश्य से संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज के गणित विभाग द्वारा राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर एक शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कालेज की विभागाध्यक्ष गणित डा. वर्षा मंडवरिया ने बताया कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बना, जिसमें रामानुजन की ऐतिहासिक उपलब्धियों को वर्तमान शैक्षणिक आकांक्षाओं से जोड़ा गया। कार्यक्रम की शुरुआत एक प्रेरक सत्र से हुई, जिसमें रामानुजन के संघर्षपूर्ण जीवन और संख्या सिद्धांत के क्षेत्र में उनके क्रांतिकारी योगदान पर प्रकाश डाला गया। इसके पश्चात उनके जीवन पर आधारित एक प्रेरणादायक फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसने गणित के प्रति उनकी निष्ठा और समर्पण को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों की तार्किक एवं विश्लेषणात्मक क्षमता को प्रोत्साहित करने के लिए एक रोचक एवं प्रतिस्पर्धात्मक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

आम सूचना
(फ्लैट क्रमांक एम.आई.जी.-5/3 आमेर काम्पलेक्स जोन-2 एम.पी. नगर भोपाल)
मैं अपनी पक्षकार ICICI Bank Ltd- Bhopal की ओर से सर्वसाधारण को सूचित करता हूं कि मेरी पक्षकार बैंक के समक्ष श्री निलेश चौधरी आत्मज श्री अरूण चौधरी निवासी –भोपाल ने ऋण प्राप्ति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है उनके द्वारा उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक आवासीय फ्लैट क्रमांक एम. आई.जी.–5/3 जो आमेर काम्पलेक्स के तृतीय तल पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 857.37 वर्गफिट है जो जोन–2 एम.पी. नगर, तहसील हुजूर जिला भोपाल में स्थित है, को मेरी पक्षकार बैंक के पक्ष में बंधक किया जा रहा है, उक्त प्रस्तावित बंधककर्ता ने मेरी पक्षकार बैंक को बताया कि उनके पास उक्त सम्पत्ति की रजिस्टर्ड लीज नवीनीकरण डीड दिनांक 15.02.2022 ई–पंजीयन क्रमांक एम. पी. 059702022ए1160085 जो भोपाल विकास प्राधिकरण भोपाल द्वारा श्री निलेश चौधरी आत्मज श्री अरूण चौधरी के पक्ष में निष्पादित की गयी थी, कहीं गुम हो गयी है और मूल उपलब्ध नहीं है। यदि उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति में किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, शासकीय /अर्द्धशासकीय निकाय का स्वत्व, आधिपत्य, ऋण, बंधक, भार अथवा अन्य किसी भी प्रकार का विवाद हो तो वह अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेजों के साथ इस सूचना पत्र प्रकाशन के 05 दिवस की अवधि के अन्दर मुझे, मेरे कार्यालय में अथवा मेरे पक्षकार के कार्यालय में प्रस्तुत करें। उपरोक्त समयावधि निकल जाने के पश्चात् किसी भी प्रकार का दावा या आपत्ति मेरी पक्षकार बैंक पर बंधनकारी नहीं होगी और मेरी पक्षकार बैंक उपरोक्त सम्पत्ति पर उपरोक्त प्रस्तावित बंधककर्ता को ऋण प्रदान कर सकेगी।
ब्रजेश कुमार शर्मा एडवोकेट
एम-7, आशीर्वाद काम्पलेक्स जोन-1 एम.पी. नगर भोपाल 32 जैन नगर लालघाटी भोपाल
मोबा. नं. : 9826260790

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल
प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई डी. नं. 0100010037 आवेदन क्रमांक-10383 आवेदन दिनांक-20/11/2025
क्रमांक /राजस्व/भोविप्रा/25 भोपाल दिनांक : 23/12/2025
आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की योजना विद्या नगर भूखण्ड क्रमांक 37 सेक्टर ए के श्री/कार्तिक चौधरी के नाम पर आवंटित है। आवंटी का स्वर्गवास दिनांकः 9/12/2024 को हो जाने के कारण आवंटी के वारिस पत्नी श्रीमती वर्षा चौधरी पत्नी श्री कार्तिक चौधरी पुत्री आत्मज स्व. कार्तिक चौधरी, काशवी चौधरी एवं क्रिशा चौधरी आत्मज स्व. कार्तिक चौधरी, (संरक्षिका) द्वारा आवेदन पत्र के साथ आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र शपथ पत्र, आधार कार्ड एवं नोटराइज वसीयत एवं समस्त वारिसों की सहमति/शपथ पत्र तथा वांछित प्रपत्रों को प्रस्तुत कर उक्त अपने नाम पर नामांतरण चाहा गया है। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।
राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

नाम परिवर्तन सूचना
मैं **निशिता रमेशकुमार पवार** (NISHITA RAMESHKUMAR PAWAR) पुत्री श्री रमेश कुमार पवार, निवासी सी–309, न्यू मिनाल रेसीडेंसी, जे.के. रोड, भोपाल म.प्र. यह कि मेरे पिता जी का नाम **मेरे पासपोर्ट में पवार रमेशकुमार शंकरलाल** अंकित है जबकि मेरे पिताजी **रमेश कुमार पवार** (RAMESH KUMAR PAWAR) है। एवं माता जी का नाम **पवार अनिताबेन रमेशकुमार** अंकित है। जबकि दस्तावेजों के अनुसार वास्तविक नाम **अनीता रमेशकुमार पवार** (ANITA RAMESHKUMAR PAWAR) है। अत: वर्तमान,भविष्य में सभी उद्देश्यों के लिए **मुझे निशिता पवार** (NISHITA PAWAR) नाम से जाना एवं पहचाना जावे।

नाम परिवर्तन सूचना
मैं **ईशा रमेशकुमार पवार** (ISHA RAMESHKUMAR PAWAR) पुत्री श्री रमेश कुमार पवार, निवासी सी–309, न्यू मिनाल रेसीडेंसी, जे.के. रोड, भोपाल म.प्र. यह कि मेरे पिता जी का नाम **मेरे पासपोर्ट में पवार रमेशकुमार शंकरलाल** अंकित है जबकि मेरे पिताजी **रमेश कुमार पवार** (RAMESH KUMAR PAWAR) है। एवं माता जी का नाम **पवार अनिता रमेशकुमार** अंकित है। जबकि दस्तावेजों के अनुसार वास्तविक नाम **अनीता रमेशकुमार पवार** (ANITA RAMESHKUMAR PAWAR) है। अत: वर्तमान,भविष्य में सभी उद्देश्यों के लिए **मुझे ईशा पवार** (ISHA PAWAR) नाम से जाना एवं पहचाना जावे।

कार्यालय प्रमुख राजस्व आयुक्त, मध्य प्रदेश
220, राजस्व राहत भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.)
दूरभाष 0755-2559537, Email: prirevcom@mp.gov.in, Website: www.prc.mp.gov.in
क्रमांक 2/2/4/0003/2025-Store-PRC/9872 भोपाल, दिनांक 10/12/2025
निविदा सूचना
कार्यालय उपयोग हेतु Air Conditioner का क्रय किये जाने हेतु GEM Portal के माध्यम से BID क्रमांक GEM / 2025 / B / 6939992 द्वारा निविदा आमंत्रित की जा रही है। कृपया विस्तृत जानकारी GEM Portal पर देखें।
उप राजस्व आयुक्त
मध्यप्रदेश
जी–23230/25
पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
गृह मंत्रालय /MINISTRY OF HOME AFFAIRS
महानिदेशक कार्यालय / OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
सशस्त्र सीमा बल /SASHASTRA SEEMA BAL
ईस्ट ब्लॉक - 5, आर. के. पुरम / EAST BLOCK – V, R. K. PURAM
नं. 315/RC/SSB/ADVT. /2020-21/
शुद्धिपत्र
एम्प्लॉयमेंट न्यूज़ दिनांक 20-26 दिसंबर 2025 में प्रकाशित फील्ड ऑफिसर (माउंटेनियरिंग) के 02 रिक्त पदों को भरने के लिए भर्ती सूचना में शुद्धिपत्र।
सशस्त्र सीमा बल भर्ती नोटिस नंबर 1/SSB/Pers-IV/Dep.-In/Mountaineering/2025, जो रोजगार समाचार (पेज–12) में 20–26 दिसंबर 2025 को प्रकाशित हुआ था, उसी के सिलसिले में यह सूचित किया जाता है कि **फील्ड ऑफिसर (माउंटेनियरिंग) के पद के लिए आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख ''रोजगार समाचार में प्रकाशन की तारीख से 14 दिन'' के बजाय 28.12.2025 पढ़ी जाएगी।**
निर्धारित एप्लीकेशन फॉर्मेट, विस्तृत पात्रता अर्हता और अन्य निर्देशों के लिए, कृपया https://recruitment.ssb.gov.in पर जाएं।
CBC 19114/11/0001/2526

SUDOKU 97

8			3	1				4
		7				6		
3						2		1
	2	5	7		3			
7				2				3
			6		1	9	7	
9		4						7
		3				1		
1				7	4			5

SOLUTIONS 96

8	2	9	4	1	7	6	5	3
7	5	4	6	3	9	1	8	2
3	1	6	5	2	8	4	9	7
5	7	2	3	8	1	9	4	6
1	4	8	9	7	6	3	2	5
9	6	3	2	5	4	8	7	1
2	8	1	7	4	3	5	6	9
6	3	5	8	9	2	7	1	4
4	9	7	1	6	5	2	3	8

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज दिन की शुरुआत थोड़ी भारी लग सकती है। मन में कई बातें एक साथ चलेंगी, जिससे ध्यान भटक सकता है। कामकाज में जल्दबाज़ी नुकसान दे सकती है।

वृषभ : आज का दिन शांत और संतुलित रहने वाला है। रोजमर्रा के काम आराम से निपटेंगे। घर के किसी सदस्य से बातचीत मन को अच्छा करेगी।

मिथुन : आज बातचीत में सावधानी जरूरी है। ऑफिस या कामकाज में व्यस्तता बनी रहेगी। फोन या मैसेज पर बहस से दूरी रखें।

कर्क : आज भावनाएं ज्यादा असर डाल सकती हैं। छोटी बात भी दिल पर लग सकती है। परिवार से जुड़ा कोई विषय मन में चलता रहेगा। काम में आपकी मेहनत साफ़ दिखेगी।

सिंह : आज दिन थोड़ा व्यस्त हो सकता है। काम में रुकावटें आएंगी और मन दुखी हो सकता है। गुस्से में कोई फैसला लेने से बचें। दूसरों से ज़्यादा उम्मीद न रखें।

कन्या : आज काम और जिम्मेदारियां दोनों बढ़ी रहेंगी। टालमटोल करने से दबाव और बढ़ सकता है। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

तुला : आज का दिन आपके पक्ष में रहेगा। अटके हुए काम आगे बढ़ेंगे और दिमाग साफ़ रहेगा। पैसों से जुड़ा कोई छोटा फायदा मिल सकता है। काम में फोकस अच्छा रहेगा।

वृश्चिक : आज ध्यान भटकने वाला दिन है। किसी दोस्त या परिचित की परेशानी में साथ देना पड़ सकता है। पैसों के मामले में जोखिम से बचें। शाम को मन थोड़ा बेहतर होगा।

धनु : आज मन दुविधा में रह सकता है। किसी फैसले को लेकर बार–बार सोचेंगे। काम में मन कम लग सकता है। खर्च बढ़ने के योग हैं।

मकर : आज मेहनत और जिम्मेदारी दोनों ज़्यादा रहेंगी। काम का दबाव महसूस होगा, लेकिन आप संभाल लेंगे। संयम रखें।

कुम्भ : आज कुछ नया सोचने या बदलने का मन करेगा। बाहर जाने या छोटी यात्रा का योग बन सकता है। खर्च थोड़ा बढ़ेगा।

मीन : आज मन शांत और स्थिर रहेगा। चीजों को लेकर ज्यादा सोचने का मन नहीं करेगा। रिश्तों में अपनापन महसूस होगा। काम धीरे चलेगा, लेकिन तनाव नहीं रहेगा।

आज का पंचांग: 24 दिसंबर बुधवार 2025। **दिशाशूल :** उत्तर। **भद्रा :** मध्याह्न 01 बजकर 12 मिनट तक। **विशेष :** पंचक : सायं 07 बजकर 42 मिनट से प्रारंभ 29 दिसंबर को प्रातः 07 बजकर 41 मिनट पर समाप्त। विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, दक्षिणगोल, पौष मास शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तत्पश्चात पंचमी, श्रवण नक्षत्र तत्पश्चात धनिष्ठा नक्षत्र, हर्षण योग तत्पश्चात वज्र योग, मकर में चंद्रमा 19 घंटे 47 मिनट तक तत्पश्चात कुंभ में।

जब एयरपोर्ट पर बम की खबर से मची अफरातफरी!

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। राजधानी के राजा भोज एयरपोर्ट पर मंगलवार को उस समय अफरा तफरी मच गई जब वहां बम होने की सूचना मिली। कुछ देर के लिए तो सभी सांसें फूल गई और स्थति से निपटने के लिए सभी को तत्काल सतर्क किया गया और बम को निष्क्रिय करने की प्रक्रिया में सभी जुट गए। सभी ने उस समय राहत की सांस ली जब पता चला कि यह माक ड्रिल है। दरअसल सभी हितधारक एजेंसियों के बीच तैयारी प्रतिक्रिया तंत्र और समन्वय का आकलन करने के मंगलवार को भोपाल के राजा भोज हवाई अड्डे पर एक वार्षिक बम थ्रेट मॉक एक्सरसाइज 2025 सफलतापूर्वक आयोजित की गई। मॉक अभ्यास की शुरुआत सीआईएसएफ नियंत्रण कक्ष में नकली बम की धमकी की कॉल प्राप्त होने के साथ हुई। सूचना को तुरंत सभी संबंधित एजेंसियों को भेज दिया गया और बम खतरा आकलन समिति बीटीएसीदको तुरंत हवाई अड्डा टर्मिनल प्रबंधक के कार्यालय में भौतिक और आभासी रूप से बुलाया गया। प्रभावी अंतर एजेंसी समन्वय स्थापित किया गया थाए और टर्मिनल भवन की निकासी मानक संचालन प्रक्रियाओं एसओपी के अनुसार सख्ती से की गई थी।चूंकि थ्रेट कॉल में विशिष्ट इनपुट थे, इसलिए खतरे का आकलन किया गया और मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुसार विशिष्ट घोषित किया गया। अभ्यास के दौरानए टर्मिनल भवन के आगमन बेसमेंट क्षेत्र में एक संदिग्ध बैग की पहचान की गई। एएसजी डॉग स्क्वाड और बीडीडीएस टीम द्वारा बैग की जांच की गई और उसे पॉजिटिव घोषित किया गयाए जिसके बाद तुरंत इलाके की घेराबंदी कर खाली करा लिया गया।

सभी एजेंसियों ने मोर्चा संभाला

भगत प्रकाश के प्रवचन कल

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। देश व दुनियाभर में संचालित प्रेम प्रकाश आश्रमों के प्रमुख एवं सिंधी समाज के जाने माने संत भगत प्रकाश महाराज जयपुर से एक दिवसीय प्रवास पर संत हिरदाराम नगर आ रहे हैं। दीपमाला पागारानी संस्कार स्कूल प्रबंध समिति के सचिव बसंत चेलानी ने बताया कि वे 25 दिसम्बर शाम 5 से 7 बजे तक संस्कार स्कूल में प्रवचनों का कार्यक्रम रखा गया है इससे पूर्व उपनगर आगमन पर उन्हें जुलूस की शक्ल में प्रवचन स्थल तक लाया जाएगा। इसके लिए तैयारियों हेतु बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें बसंत चेलानी के अलावा नव युवक सभा के संस्थापक एव वरिष्ठ समाज सेवी 95 वर्षीय नारायणदास लालवानी, जकुमार झमटानी, अर्जुन बेलानी, मनोहर लालवानी, सतीष धर्मानी, प्रभुदास मूलचंदानी, कन्हैयालाल शीतलानी, दयालदास चंगलानी, विष्णु गेहानी, हरीष मोटवानी, मोहन भूरानी, महेष प्रियानी व प्रेम प्रकाश आश्रम के सभी पदाधिकारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

M.P. STATE ELECTRONICS DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED
State IT Centre, 47-A, Arera Hills, Bhopal–462011 (M.P.)
Ph. : 0755-2518300, Web. : www.mpsedc.mp.gov.in
E-mail : marketing@mpsedc.com
NOTICE INVITING TENDER'S (NIT)
MPSEDC invites online proposals for following bids on MP Tender:

S. No.	Tender No.	NIT
1.	MPSEDC/ E-Waste/ 2025/663	RFP for Empanelment of Authorized E-Waste Management Agencies for Asset Disposal and Secure Degaussing Services on Rate Contract.

For detail scope of work, terms and conditions please refer to the respective bid document available on M.P. Tender Portal **www.mptenders.gov.in.**
M.P. Madhyam/123621/2025 **CHIEF GENERAL MANAGER**

भारतीय गुणवत्ता परिषद QUALITY COUNCIL OF INDIA
QCI Creating an Ecosystem for Quality
भारतीय गुणवत्ता परिषद् (क्यूसीआई), भारत सरकार द्वारा स्थापित एक प्रमुख स्वायत्त निकाय है। क्यूसीआई का दायित्व, गुणवत्तापूर्ण सोच विकसित करना है और हमारी परिकल्पना यह सुनिश्चित करने की है कि हर नागरिक तक पहुंचने वाले उत्पाद और सेवाएं गुणवत्तापूर्ण हों। एक स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय के रूप में क्यूसीआई, अपने घटक बोर्डों और प्रभागों के माध्यम से अपनी गतिविधियों का समन्वय करते हुए उत्पादों, सेवाओं और प्रक्रियाओं के स्वतंत्र अन्य-पक्ष आकलन का तंत्र स्थापित करती है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय का उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), क्यूसीआई के लिए नोडल प्वाइंट के रूप में कार्य करता है।
क्यूसीआई एतद्द्वारा "Engagement of Survey Agencies for Verification of Local Agricultural Entities (LAE) and Local Fisheries Entities (LFE) across India" हेतु प्रस्ताव आमंत्रित करती है।
अपेक्षाओं के विस्तृत विवरण के साथ प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरएफपी), क्यूसीआई की वेबसाइट: www.qcin.org पर निविदा खंड (https://qcin.org/work-with-us/#tenders) के अंतर्गत देखा जा सकता है।
इच्छुक एजेंसियां अपनी बोलियां, बाहरी लिफाफे पर "Engagement of Survey Agencies for Verification of Local Agricultural Entities (LAE) and Local Fisheries Entities (LFE) across India" लिखकर भारतीय गुणवत्ता परिषद् (प्रापण इकाई), टॉवर जे, दूसरा तल, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली -110029 के पते पर (डाक से या दस्ती तौर पर) भेज सकती हैं। बोलियां प्रस्तुत करने के लिए आरएफपी दस्तावेज में उल्लिखित विवरण के अनुसार, तकनीकी बोलियां और वित्तीय बोलियां अलग-अलग लिफाफों में होनी चाहिए और इन दोनों लिफाफों को एक अन्य लिफाफे में बंद करके भेजा जाना चाहिए।
QCI'S BOARDS AND DIVISIONS: NABCB, NABH, NABL, NABET, NBQP, PADD, PPID, NDIE, Strategy & Policy, ONDC
Quality Council of India, World Trade Centre, J-200, Block J, Narouji Nagar, Safdarjung Enclave, New Delhi- 110029
@QualityCouncilofIndia @QualityCouncil qualitycouncilofindia quality-council-of-india-qci- info@qcin.org

कार्यालय अध्यक्ष, काउंसलिंग समिति
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश
टैगोर छात्रावास क्रमांक-T2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स
दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002
ऑनलाइन काउंसलिंग समय सारणी, सत्र 2025-26
(C-17) सूचना
फार्मेसी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु काउंसलिंग कार्यक्रम
बी/डी फार्मेसी, फार्म-डी, फार्म-डी (पीबी), एम. फार्मेसी एवं लेटरल एण्ट्री (बी. फार्मेसी)
(मध्यप्रदेश में स्थित शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/ स्ववित्तीय एवं निजी संस्थान)
माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा **Miscellaneous Application D.No. 72501 of 2025** में दिनांक 19.12.2025 को दिये गये निर्णय के परिपालन में फार्मेसी पाठ्यक्रमों में संस्था स्तर की काउसंलिंग (CLC) के माध्यम से ऑनलाइन प्रवेश हेतु पंजीयन एवं प्रवेश तिथि निम्नानुसार रहेगी।

संस्था स्तर की कांउसलिंग (CLC) काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये	
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	प्रवेश के अवसर का दिनांक/समय
24.12.2025 से 27.12.2025 रात्रि 11:30 बजे तक	26.12.2025 एवं 27.12.2025 प्रातः 10:30 बजे से सायं 6:00 बजे तक
उपरोक्त काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये	
28.12.2025 से 30.12.2025 रात्रि 11:30 बजे तक	30.12.2025 प्रातः 10:30 बजे से सायं 6:00 बजे तक
उपरोक्त काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये	
31.12.2025 दोपहर 12:00 बजे तक	31.12.2025 प्रातः 10:30 बजे से सायं 6:00 बजे तक

- प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी के लिये महत्वपूर्ण निर्देश, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची आदि वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।
- संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC) में इच्छुक संस्था में प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये निर्धारित तिथि पर संस्था में प्रातः 10:30 से दोपहर 1:00 बजे तक उपस्थित हुए अभ्यर्थियों की मेरिट तैयार कर, मेरिट के अनुसार प्रवेश किये जा सकेंगे।
- संस्था स्तर की कांउसलिंग (CLC) में, प्रवेश का अवसर प्राप्त करने की दिनांक को, प्रवेश निरस्तीकरण की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी।
- **संपर्क : 0755-6720205, 2660441**
  ई-मेल : dte.helpcenter@mp.gov.in

म.प्र. माध्यम/123626/2025 **अतिरिक्त संचालक**

संक्षिप्त खबरें

पोदार लिटिल मैस्ट्रोस में क्रिसमस डे का उल्लास

जागरण, भोपाल। पोदार लिटिल मैस्ट्रोस स्कूल में क्रिसमस डे का आयोजन बेहद उत्साहपूर्ण रहा। अभिभावकों और बच्चों ने मिलकर इस आयोजन को खास बनाया। मुख्य आकर्षणों में बाउंसी कैसल, मूवी कॉर्नर, और मज़ेदार खेल शामिल रहे। साथ ही, बच्चों के मोटर स्किल्स विकास के लिए भी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। क्रिसमस परेड और किड्स मॉम रैम्प वॉक ने भी सबका मन मोह लिया। इस वर्ष की थीम दुनिया के विभिन्न देशों में क्रिसमस ने बच्चों को विभिन्न संस्कृतियों से परिचित कराया। इस सफल आयोजन के पीछे शिक्षकों और स्टाफ की कड़ी मेहनत रही, जिन्होंने इसे यादगार बनाया।

डंपर ने ई-रिक्शा को पीछे में मारी टक्कर, 4 घायल

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। निशातपुरा इलाके में सोमवार-मंगलवार की दरम्यानी रात एक तेज रफ्तार डंपर ने ई-रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी। इससे ई-रिक्शा पलटने के बाद 40 फीट तक घिसट गया। हादसे में सात साल की बच्ची समेत छह लोग घायल हो गए। एक महिला की हालत गंभीर है। टक्कर मारने के बाद डंपर अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गया। इसके बाद चालक गाड़ी छोड़कर भाग निकला। ई-रिक्शा चालक ने सभी घायलों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। उसे खुद भी चोट आई थी। सभी घायल एक ही परिवार के सदस्य हैं। घटना के वक्त वह शादी समारोह से लौट रहे थे। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर डंपर को जब्त कर लिया और चालक की तलाश शुरू कर दी है।

टीला थाने के एसआई पर युवक से मारपीट का आरोप

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। टीला जमालपुरा थाने में पदस्थ एसआई शाबिर खान पर एक युवक ने बिना कारण मारपीट का आरोप लगा है। युवक का तर्क है कि वह वह मोहल्ले में खड़ा था, वहां दो लोगों के बीच झगड़ा हो रहा था। उन लोगों के संबंध में पूछताछ के लिए उसे थाने ले जाया गया, जहां मारपीट की गई। बाद में थाने के बाहर छोड़ दिया। इस संबंध मे मंगलवार को एक वीडियो वायरल हुआ, हालांकि टीला जमालपुरा थाना प्रभारी आशुतोष उपाध्याय का कहना है कि इस संबंध में थाने मे कोई शिकायत नहीं हुई है. टीला जमालपुरा निवासी साहिल उद्दीन का आरोप है कि दो लोगों के बीच चल रहे आपसी विवाद के दौरान मौके पर पहुंची पुलिस उसे थाने लेकर आ गई थी। जहां उसके साथ मारपीट की गई। साहिल उद्दीन के मुताबिक विवाद के समय वह दोनों पक्षों को समझाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पुलिस ने उसे ही हिरासत में ले लिया।

डॉ. श्रीवास्तव को भेजा जेल, जमानत याचिका खारिज

जागरण, भोपाल। मिसरोद पुलिस द्वारा ठगी के मामले में गिरफ्तार डॉक्टर प्रमोद श्रीवास्तव को जेल भेजा गया है। उन पर फर्जी तरीके से जमीनों को हड़पने का आरोप है। गिरफ्तारी के बाद जिला अदालत में जमानत याचिका लगाई गई थी, जिसे खारिज कर उन्हें जेल भेजा गया है। इस संबंध में फरियादी श्याम शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। गणेश नगर में उनके पांच प्लाट को आरोपी ने फर्जी अनुबंध कर सुरेश मेनन की मदद से हड़प लिया था। मामले की जांच के बाद रविवार को डॉक्टर की गिरफ्तारी की गई थी। आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में कूटरचित दस्तावेजों की धाराओं का इजाफा कर गिरफ्तारी की गई। डॉक्टर खुद को स्वास्थ्य विभाग में डिप्टी डायरेक्टर लीगल एडवाइजर बताते हैं।

कश्मीर की डल झील का अहसास बड़े तालाब में...शिकारा राइड बनी पर्यटकों की नई पसंद

सर्द मौसम और कोहरे से दिलकश हुआ बड़ी झील का नजारा, शौकीन इसका लुत्फ उठाने कर रहे रुख

जागरण,भोपाल। अब कश्मीर जाकर डल झील में शिकारा सवारी करने की हसरत को पूरा करने के लिए हजारों मील का लंबा सफर तय करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि राजधानी के बड़े तालाब में ही अब श्रीनगर का नजारा दिखाई देने लगा है। भोपाल की पहचान बड़ा तालाब के पानी में कश्मीर जैसे शिकारा (वहां की स्थानीय नाव) उतारे गए हैं और घूमने के शौकीन अब इसका लुत्फ उठाने के लिए यहां का रुख कर रहे हैं। आलम ये है कि शुरूआत के दो सप्ताह केभीतर ही शिकारा राइड भोपाल में एक स्पेशल पिकनिक इवेंट बन गया है। बड़े तालाब में सालों से नावों का संचालन कर रहे नाविकों के मुताबिक अब बड़े तालाब आने वाले टूरिस्ट खास तौर पर शिकारा राइड की ही डिमांड करते हैं। अभी बड़े तालाब में कुल 20 शिकारा संचालित हो रहे हैं, जो अधिकांश समय फुल रहते हैं। ऐसे में इन पर सवारी के लिए पर्यटकों को थोड़ा इंतजार भी करना पड़ता है। यहां भोपाल के अलावा अब अन्य प्रदेशों से भी लोग पहुंच रहे हैं। मंगलवार को शिकारा की राइड के लिए गुजरात, दिल्ली और राजस्थान से आए पर्यटकों ने भी शिकारे पर सवार होकर बड़े तालाब की लहरों पर सवार होकर प्राकृतिक सुंदरता, शांति,सुकून और खूबसूरती का आनंद उठाया।

देशभर से पहुंचे पर्यटक ने शहर को बताया मिनी कश्मीर

मंगलवार को शिकारा की राइड के लिए आए टूरिस्ट ने कहा कि पर्यावरण के अनुकूल ये नई नावें भोपाल को मिनी कश्मीर की नई पहचान भी दे रहे हैं। गुजरात से अपने बच्चे का जन्मदिन मनाने भोपाल पहुंची सोमा ने कहा कि बोट क्लब पर शिकारा राइड के बाद उन्हें कश्मीर में होने की फीलिंग हुई। उन्होंने कहा कि सर्दी और हल्के कोहरे से ऐसा लगा कि वे भोपाल के बजाय श्रीनगर की डल झील में हों। दिल्ली से काम के सिलसिले में आई सर्वाना कुछ समय निकालकर बड़े तालाब पहुंची तो यहां शिकारा देखकर दंग रह गईं। पुराने भोपाल में रहने वाली रुबिका ने बताया कि वह बड़े तालाब में शिकारा राइड के लिए काफी एक्साइटेड थीं। उनका कहना है कि शिकारा राइड करने के बाद अब कश्मीर जाने का मन ही नहीं करेगा। जम्मू से घूमने आए डॉक्टर दीपक भोपाल की साफ सफाई से बेहद प्रभावित हुए और उन्होंने कहा कि अब तक हम सोचते थे कि कश्मीर का कोई मुकाबला नहीं, लेकिन अब भोपाल एक बड़ी चुनौती के रूप में उभरने वाला है। राजस्थान से आए जयंत भट्टाचार्य का कहना है कि भोपाल अन्य शहरों से अलग है और यहां की खूबसूरती और शांति अलग ही आनंद देती है, उन्होने कहा कि दिल्ली-मुंबई जैसे प्रदूषण से भरे महानगरों के बजाय भोपाल का एनवायरमेंट दिल को सुकून देने वाला है, जिसमें शिकारा राइड चार चांद लगा देती है।

किराया तय फिर भी करना पड़ रहा वेट

यहां बोटिंग कराने वाले कर्मचारियों का कहना है कि पहले गर्मियों में कवर वाली नावों की मांग रहती थी, जबकि सर्दियों में ओपन बोट पसंद की जाती थी, लेकिन अब पर्यटक सामान्य नावों से अधिक शिकारा राइड की डिमांड कर रहे हैं। खास तौर पर वीकेंड के दौरान शिकारा राइड के लिए पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ रही है, जिसके कारण पर्यटकों को अपनी बारी के लिए एक घंटे तक का इंतजार करना होता है। हालांकि राइड के बाद उनका ये इंतजार प्रसन्नता में बदल जाता है। इस शिकारा सर्विस के लिए एमपी टूरिज्म ने रेट तय कर रखे हैं। छह लोगों को 20 मिनट की राइड के लिए 450 रुपए का भुगतान करना होता है, जबकि चार लोगों के लिए बीस मिनट के 300 रूपए लिए जा रहे हैं। इस दौरान सुरक्षा का पूरा ख्याल रखते हुए पर्यटकों को लाइफ जैकेट पहनाया जाता है और गोताखोर भी तैनात किए जाते हैं। इसके अलावा शिकारे पर खाने-पीने का सामान ले जाना भी प्रतिबंधित है।

अंतरराष्ट्रीय वन मेले का मंगलवार को समापन

7 दिनों में 2.5 करोड़ रुपए की बिक्री बॉयर-सेलर मीट में 5 करोड़ के सौदे

जागरण, भोपाल। समृद्ध वन-खुशहाल जन की थीम पर 7 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वन मेला का मंगलवार को समापन हुआ। मेले में जड़ी-बूटियों और विभिन्न वन उत्पादों की 2.5 करोड़ रुपये की सीधी बिक्री हुई, जबकि बॉयर-सेलर मीट के माध्यम से 5 करोड़ रुपये के व्यापारिक सौदे तय किए गए। मेले का समापन मंगलवार शाम जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह और वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार ने किया। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि वन मेले और बॉयर-सेलर मीट के जरिए वनवासियों को बिचौलियों के शोषण से मुक्त कर सीधे बाजार से जोड़ा जा रहा है। इससे उन्हें अपने उत्पादों का उचित मूल्य मिल रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश श्री-अन्न पर एमएसपी के साथ एक हजार रुपए की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि देने वाला देश का पहला राज्य है, जिससे जनजातीय समुदाय आर्थिक रूप से सशक्त बन रहा है। राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर अगला वन मेला महाशिवरात्रि के अवसर पर उज्जैन में आयोजित किया जाएगा। मेले के अंतिम सातवें दिन करीब तीन लाख सैलानियों ने जड़ी-बूटियों और वन उत्पादों की जमकर खरीदारी की। आयुर्वेदिक चिकित्सकों और पारंपरिक नाड़ी वैद्यों की ओपीडी भी आकर्षण का केंद्र रही, जहां हजारों मरीजों ने निःशुल्क परामर्श लिया। मेले में कुल 350 स्टॉल लगाए गए, जिनमें 102 स्टॉल सरकारी संस्थाओं के थे। बच्चों के बीच डायनोसोर प्रदर्शनी खासा लोकप्रिय रहा।

नेपाल-भूटान से आए आयुर्वेदाचार्य

मेले के छठे दिन आयुर्वेदिक चिकित्सकों और पारंपरिक नाड़ी वैद्यों की कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें प्रदेशभर के शासकीय चिकित्सकों के साथ नेपाल और भूटान से आए आयुर्वेदाचार्यों ने भी भाग लिया। समापन समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली संस्थाओं को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कृत किया गया, वहीं निःशुल्क सेवाएं देने वाले आयुर्वेदिक चिकित्सकों और नाड़ी वैद्यों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में वन विभाग के अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, वन बल प्रमुख व्ही.एन. अंबाड़े, मध्यप्रदेश वनोपज संघ की प्रबंध संचालक समीता राजौरा समेत विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मैनिट में पीएचडी शोधार्थियों की भागीदारी पर उठे सवाल

भोपाल। मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) एक बार फिर विवादों में घिरता नजर आ रहा है। केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के कुछ पीएचडी शोधार्थियों की अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। मामला वर्ष 2025 में प्रस्तावित फोर्थ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन फ्लक्शिन बेस्ड प्रोसेसेज से जुड़ा है, जिसमें शामिल होने के लिए नियमों और प्रक्रियाओं को नजरअंदाज किए जाने का दावा किया जा रहा है। दस्तावेजों के अनुसार 17 अगस्त 2025 के तहत छह शोधार्थियों को सम्मेलन में भागीदारी और पंजीकरण शुल्क की प्रतिपूर्ति की स्वीकृति दी गई। जिन नामों का उल्लेख सामने आया है, उनमें अभिषेक माथुर, कपिल मेवाड़ा, रंजन कुमार, जमना प्रसाद गुर्जर, आरती मेहरा और अंशकालिक शोधार्थी प्रज्ञा पारीक शामिल हैं। सूत्रों का कहना है कि इन शोधार्थियों ने सहायक कुलसचिव (अकादमिक) प्रशांत भटनागर के साथ कथित मिलीभगत कर स्वीकृति और भुगतान की प्रक्रिया को आगे बढ़वाया। आरोप है कि सम्मेलन में भागीदारी के लिए तय पात्रता मानदंड, आवेदन की क्रमबद्ध प्रक्रिया और वित्तीय नियमों को दरकिनार कर लाभ पहुँचाया गया। प्रति शोधार्थी लगभग 14,880 रुपए तक का पंजीकरण शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए प्रस्तावित किया गया।

> मेरा काम सिर्फ ऑर्डर करना है। कोई भी छात्र यदि पूरे दस्तावेज के साथ कॉन्फ्रेंस में भागीदारी व शुल्क प्रतिपूर्ति की मांग करता है तो पूरी जांच पड़ताल के बाद ऑर्डर किया जाता है। भुगतान का काम आकाउंट शाखा का है।
> **● प्रशांत भटनागर, सहायक** कुलसचिव (अकादमिक), मैनिट

अयोध्या बायपास पर 8 हजार पेड़ों को बचाने एकजुट हुए कांग्रेसी, 25 दिसंबर से चिपको आंदोलन चलाएंगे शहरवासी

बायपास को 10 लेन किए जाने के चलते काटे जा रहे हैं हजारों पेड़, शहरवासी कर रहे विरोध

जागरण संवाददाता, भोपाल। अयोध्या बासपास रोड को 10 लेन किए जाने के चलते 8 हजार पेड़ों की कटाई मंगलवार से गांधी नगर इलाके से शुरू हो गई। ऐसे में इन पेड़ों को बचाने के लिए कांग्रेस के जिलाध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, कांग्रेस नेता रविन्द्र साहू झूमरवाला और अनोखी मान सिंह पटेल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया।

इस दौरान कार्यकर्ता जेसीबी के ऊपर चढ़ गए और कटाई का विरोध करने लगे। वहीं दो दिन बाद 25 दिसंबर गुरुवार को दोपहर 2 बजे भोपाल के हजारों नागरिक अयोध्या बायपास पर इकट्ठा होंगे और पेड़ों को बचाने के लिए इन्हें रक्षासूत्र बांधकर चिपको आंदोलन चलाएंगे। बता दें कि इसके पहले भी मई माह में शहरवासी अयोध्या बायपास

पर इकट्ठा होकर आंदोलन कर चुके हैं। शहर के पर्यावरण कार्यकर्ता और आंदोलन के संयोजक उमाशंकर तिवारी ने बताया कि शहरवासियों की भावनाओं के खिलाफ इन पेड़ों को काटा जा रहा है। जिसका सभी लोग पुरजोर विरोध कर रहे हैं। विकास के नाम पर इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों को नहीं कटने दिया जाएगा। बता दें कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) द्वारा सड़क के चौड़ीकरण के लिए मई माह में ही 8 हजार पेड़ों को काटने के लिए टेंडर बुला लिए गए थे। जिसके बाद अब सड़क चौड़ीकरण का काम शुरू कर दिया गया है।

एनजीटी और हाईकोर्ट में एनएचएआई ने दायर की कैविएट

एनएच 46 पर बने 16 किमी लंबे अयोध्या बायपास पर हर साल सैकड़ों दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें औसतन 30 लोगों की मौत होती है। एनएचएआई द्वारा 3 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं, जहां पर दुर्घटनाएं होती हैं। बायपास पर बढ़ते ट्रैफिक के मद्देनजर सड़क को 10 लेन का किया जा रहा है। जिसके कारण यहां पहले से मौजूद 8 हजार पेड़ों को काटा जा रहा है। जिसका शहरवासी विरोध कर रहे हैं। ऐसे में एनएचएआई ने पूर्व में ही हाईकोर्ट और एनजीटी में कैविएट दायर की है। लोगों की अपील पर न्यायालय द्वारा कोई भी स्टे देने से पहले एनएचएआई का भी पक्ष सुना जाए।

पहले भी काटे जा चुके हैं हजारों की संख्या में पेड़

शहर में पहले भी विभिन्न प्रोजेक्ट के लिए हजारों की संख्या में पहले भी पेड़ काटे जा चुके हैं। जिसका विपरीत प्रभाव शहर की आबोहवा पर दिखाई देता है। ऐसे में एक बार फिर आठ हजार पेड़ कटने से शहर का मौसम बुरी तरह प्रभावित होगा।

बीआरटीएस कारिडोर	: 2400
शौर्य स्मारक	: 2000
टीटी नगर सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक	: 2000
रानी कमलापति रेलवे स्टेशन	: 1382
विधायक विश्रामगृह	: 1149
लेक व्यू फ्रंट प्रोजेक्ट	: 140
भदभदा से नीलबड़-रातीबड़ रोड निर्माण	: 1800
टीटी नगर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट	: 6000
तीसरी रेल लाइन	: 8000
कोलार सिक्सलेन	: 4105
एयरपोर्ट रोड और सिंगारचोली ब्रिज	: 1800

मंदिर में चोरी करते रंगेहाथ बदमाश पकड़ाया, भेजा जेल

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बागसेवनिया इलाके में स्थित एक मंदिर में चोरी कर रहे बदमाश को वहां के लोगों ने रंगेहाथ पकड़ लिया। इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर उससे चोरी का माल बरामद किया। इसके बाद उसे जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, 30 वर्षीय मोहित सैनी प्रेमनगर छोला मंदिर में रहता है। वह प्रायवेट काम करता है। उसने पुलिस को बताया कि मेरा एक घर नारायण नगर बागसेवनिया में भी है। 21 दिसंबर की दोपहर एक बजे वह छोला वाले घर से नारायण नगर आया था। पास के दुर्गा मंदिर में दर्शन करने गया तो अंदर से खटपट की आवाज आ रही थी। पुजारी भरत दुबे को लेकर वह अंदर गए तो देखा कि एक चोर मंदिर के कलश, पीतल का घंटा, दो छोटे घंटे चोरी कर एक बोरी में भर रहा था। इससे पहले वह भाग पाता, दोनों ने स्थानीय लोगों की मदद से उसे दबोच लिया।

नाबालिग ने की आफिस में चोरी, माल बरामद : बागसेवनिया पुलिस ने एक नाबालिग को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी का माल बरामद किया है। उसने एक आफिस से लैपटॉप, दो सिलेंडर चोरी किए थे। पुलिस के मुताबिक, चोरी के संबंध में महेश्मति ईस्ट अरविंद विहार निवासी सार्थक अनावकर (22) पिता शशांक अनावकर ने 24 नवंबर को रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। शशांक प्रायवेट काम करते हैं। बागसेवनिया में उनका दिशा एमएसडीसी नाम से स्किल डेवलपमेंट का आफिस है।

क्रिसमस-न्यू ईयर पर शराब पार्टी के लिए पुरानी फीस जमाकर पहुंचे 20 आवेदक

अफसरों ने नई नीति के मुताबिक शुल्क जमा कराने का कहकर लौटाया

मुख्य संवाददाता, भोपाल। नए साल और क्रिमसस पर होने वाली पार्टियों में शराब परोसने की अनुमति के लिए मंगलवार को 20 से च्यादा आवेदक जिला आबकारी के दफ्तर में पहुंचे। ये आवेदक पुरानी आबकारी नीति के हिसाब से दस हजार रूपए का बैंक चालान जमा कराने के बाद अपने आवेदन लेकर आए थे। यहां जिला आबकारी के अधिकारियों ने उन्हें जानकारी दी कि नई शराब नीति में व्यावसायिक आयोजनों के लिए फीस की दरें सरकार ने बढ़ा दी हैं, लिहाजा उन्हें अनुमति नहीं दी जा सकती। अफसरों की समझाइश के बाद इन आवेदकों को ये कहकर लौटा दिया गया कि आयोजन के लिए उन्हें सरकार द्वारा तय नई दरों के हिसाब से फीस एडवांस में देनी होगी। सहायक आयुक्त आबकारी वीरेंद्र धाकड़ के अनुसार अब इन सभी आवेदकों को लाइसेंस की नई फीस जमा करने के बाद दोबारा आवेदन करने के लिए कहा गया है। इसके अलावा नए साल के व्यावसायिक आयोजनों के लिए एक दिन के लाइसेंस जारी करने के लिए 30 तारीख को आबकारी विभाग एक स्पेशल कैंप भी लगाने जा रहा है।

नई नीति में हुआ है यह बदलाव

इस साल अप्रैल से लागू नई आबकारी नीति के अनुसार व्यावसायिक आयोजनों में पार्टी के दौरान शराब परोसने के लिए अब पिछली नीति के बजाय ढाई गुना से दस गुना तक अधिक शुल्क देना होगा। ये सभी आवेदक अपने साथ एक दिन की अनुमति के लिए दस हजार की फीस का बैंक चालान जमाकर पहुंचे थे। नई नीति में व्यावसायिक आयोजनों के दौरान 500 मेहमानों की क्षमता पर 25 हजार रुपए, 500 से एक हजार मेहमानों तक 50 हजार रुपए, 1 हजार से 2 हजार लोगों पर 75 हजार रुपए, 2 से 5 हजार मेहमानों पर एक लाख रुपए और 5 हजार से अधिक लोगों के आयोजन पर 2 लाख रुपए फीस तय की गई है। इसके अलावा नई नीति में खुद के घर पर शराब पीने के लिए 500 रुपए और मैरिज गाईन या कम्युनिटी हॉल में विदेशी शराब परोसने के लिए एक दिन की लाइसेंस फीस 5000 रुपए तय है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, (भ./स.) संभाग अनूपपुर (म. प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 10 / एस. ए. सी. / अनूपपुर / 2025-26 अनूपपुर, दिनांक 16/12/2025

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर कमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु.राशि (रू.लाख)	टेण्डर फार्म की राशि	धरोहर की राशि	समय	ऑनलाईन एनवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	2025_PWDRB_468411_1	अनूपपुर	24-5054 प्लान मद	सर्किट हाउस पाल बंगला मेन रोड अमरकंटक लंबाई 1.40 कि.मी. का निर्माण कार्य	प्रथम	345.48	15000/-	345480/-	05 माह	मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग पीथा परिक्षेत्र पीथा
2	2025_PWDRB_468943_1	अनूपपुर	अनुरक्षण मद	तहसील न्यायालय भवन कोतमा में शौचालय का निर्माण कार्य	प्रथम	3.51	2000/-	7020/-	02 माह	कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (पं./स.) संभाग अनूपपुर (म0प्र0)
3	2025_PWDRB_468946_1	अनूपपुर	अनुरक्षण मद	तहसील न्यायालय भवन राजेन्द्रग्राम में शौचालय का निर्माण कार्य	प्रथम	3.51	2000/-	7020/-	02 माह	कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (पं./स.) संभाग अनूपपुर (म0प्र0)
4	2025_PWDRB_468950_1	अनूपपुर	अनुरक्षण मद	तहसील न्यायालय भवन कोतमा में रंगाई पोताई एवं मरम्मत का कार्य	प्रथम	5.40	2000/-	10400/-	02 माह	कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (पं./स.) संभाग अनूपपुर (म0प्र0)
				कुल योग 04 नग		357.90				

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की प्रारंभिक तिथि दिनांक 17.12.2025 (17.30 पी.एम.) से अंतिम तिथि 31.12.2025, (17.30 पी.एम.) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा । पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा ।

मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज ऑनलाईन स्केन कर डाउनलोड किये जावें।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ./स.)
संभाग अनूपपुर (म.प्र.)

जी-23238/25 पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. संधारण संभाग क्रमांक 2, भोपाल

निविदा सूचना 28 वर्ष 2025-26 भोपाल, दिनांक 04/12/2025

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)
1	2	3	4	5
1	2025_PWDRB_466104_1	बरौली से सेमराकलां मार्ग लंबाई- 3.350 कि.मी. का निर्माण कार्य	द्वितीय	345.79
2	2025_PWDRB_466106_1	बड़ली बरखेड़ी देव मार्ग लंबाई - 7.10 कि.मी. के सुदृढ़ीकरण कार्य ।	द्वितीय	478.77
3	2025_PWDRB_466106_1	गांधी नगर से डोबरा मार्ग एवं आशाराम बापू चौराहा से अचारपुरा मार्ग कुल लंबाई - 9.60 कि.मी. का नवीनीकरण कार्य ।	द्वितीय	446.63
4	2025_PWDRB_466110_1	तारा सेवनियां से चंदूखेड़ी मार्ग एनएच-12 से बरखेड़ा बोंदर फोरेंसिक लैब मार्ग एवं बीनापुर माता बेदरी, देवपुर शाहपुर मार्ग लंबाई -11.20 कि.मी. का नवीनीकरण कार्य।	द्वितीय	371.94
5	2025_PWDRB_466112_1	गांधी नगर पार्क तिराहा, लेफ्ट टर्न ज्योति टॉकीज चौराहा चेतक चतुर्थ ब्रिज के पास, लेफ्ट टर्न मंदाकिनी (अहिंसा चौक स्क्वायर कोलार रोड), नेहरू नगर चौराहा मुख्य मार्ग क्रमांक-3 एवं पी. एन. टी. की ओर लेफ्ट टर्न, नेहरू नगर से चूना भट्टी रोड ब्लैक स्पॉट एवं (बायां मोड़) लेफ्ट टर्न, पी. एच. क्यू तिराहा, शब्बन चौराहा, काली मंदिर तिराहा (तलैया थाना), मनीषा मार्केट तिराहा प्रशासन अकादमी की ओर लेफ्ट टर्न ब्लैक स्पॉट का उन्नयनकरण कार्य।	चतुर्थ	204.75
6	2025_PWDRB_466113_1	सर्वेक्षण उपसंभाग के अनुभाग क्रमांक-2 के अंतर्गत बंगला क्रमांक बी-10, बी-21, बी-9 में लघुमूल गौण कार्य ।	द्वितीय	60.00

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय एवं जमा करने की अंतिम तिथि 29/12/2025 जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. संधारण संभाग क्रमांक 2 भोपाल

जी-23245/25 पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

गुहार पीड़िता अधिकारियों से बोली इंचार्ज मैडम ने कहा, यहां नहीं होता है ऐसे बच्चों का इलाज

2 साल की बेटी के दिल में छेद, मदद की गुहार लेकर कलेक्टर के पास पहुंची दीपा, जेपी अस्पताल ने लौटाया

जागरण संवाददाता, भोपाल। साहब आपने तो कहा था कि मेरी बेटी का जेपी अस्पताल में इलाज हो जाएगा, लेकिन वहां इंचार्ज मैडम ने बेटी का इलाज करने से मना कर दिया है। अब मैं अपनी बेटी को लेकर कहां जाऊं? मंगलवार को जनसुनवाई में यह फरियाद लेकर ग्राम पिपलिया जाहर पीर की निवासी दीपाली रावत जनसुनवाई में पहुंची।

बता दें कि दीपाली की 2 साल की बेटी जाह्नवी के दिल में 50 एमएम का छेद है, जिसके इलाज के लिए वह पहले भी कलेक्टर से गुहार लगा चुकी है। कलेक्टर ने दीपाली को जेपी अस्पताल भेजा था, लेकिन वहां डीईआईसी की शाखा से दीपाली को वापिस लौटा दिया गया। दीपाली ने

बताया कि वहां की किसी इंचार्ज के द्वारा उसे जानकारी दी गई कि ऐसे बच्चों का इलाज शासकीय खर्चे पर नहीं किया जाता है। जिसके बाद दीपाली मंगलवार को फिर से कलेक्ट्रेट पहुंची थी और उसने अधिकारियों से बच्ची के दिल का बेहतर इलाज करने की गुहार लगाई। महिला की गुहार सुनने के बाद एडीएम सुमित पांडेय ने अधिकारियों से तत्काल ही सीएमएचओ से संपर्क कर बच्ची को इलाज मुहैया करवाने के निर्देश दिए। बता दें कि दिल में छेद, पैदाइशी कटे फटे होंठ सहित अन्य दिव्यांगताओं से पीड़ित बच्चों का इलाज नेशनल हेल्थ मिशन के तहत किया जाता है। जिनकी फाइल जेपी अस्पताल स्थित डीईआईसी शाखा से बनती है। मंगलवार को ऐसे ही 131 अन्य आवेदनों पर सुनवाई हुई, जिन पर एडीएम पांडेय के साथ एडीएम अंकुर मेश्राम ने सुनवाई की।

सार्वजनिक मार्ग के बीचों बीच जेसीबी से बना दी नाली

बैरसिया रोड स्थित ग्राम ईंटखेड़ी सड़क स्थित सार्वजनिक मार्ग पर नब्बा माली नामक व्यक्ति ने जेसीबी से रास्ता रोककर सड़क को बंद करवा दिया है। जिससे गांव के आवागमन का मार्ग बंद हो गया है। गांव के एक दर्जन से ज्यादा रहवासियों की शिकायत पर एडीएम सुमित पांडेय ने एसडीएम बैरसिया को मौके का निरीक्षण कर रिपोर्ट देने को कहा है। निर्देश दिए हैं कि यदि मार्ग सही में बंद पाया जाता है, तो इसे खुलवाने की कार्रवाई तत्काल की जाए। वहीं ग्राम कुठार के मकसूद अख्तर ने पूर्व अतिक्रमण अधिकारी राजीव सक्सेना पर आय से अधिक संपत्ति इकट्ठा करने का आरोप लगाया है और कहा कि सक्सेना की संपत्ति 100 करोड़ के आसपास है, जिसके एवज में वे लगातार जमीनें खरीद रहे हैं। एडीएम ने नगर निगम के एडीसी स्वास्थ्य विभाग को जांच सौंपी है।

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

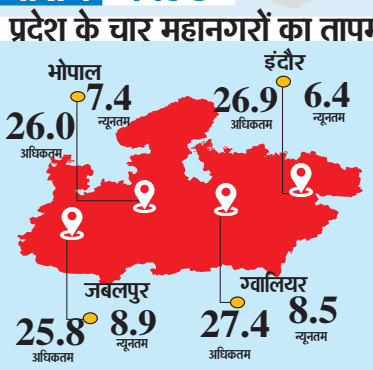

देश के चार महानगरों का तापमान

दिल्ली		मुंबई	
23.2 अधिकतम	8.8 न्यूनतम	33.2 अधिकतम	18.4 न्यूनतम
चेन्नई		**कोलकाता**	
31.6 अधिकतम	16.7 न्यूनतम	23.9 अधिकतम	15.2 न्यूनतम

सूर्यास्त 5:41 PM	चन्द्रोदय 9:30 AM
सूर्योदय 6:59 AM	चन्द्रास्त 8:37 PM

जानलेवा रीलः वीडियो बना रहे दो दोस्त ट्रेन की चपेट में आए, मौत

देवास में दर्दनाक हादसा, आधे घंटे रेल यातायात रहा प्रभावित

जागरण, देवास। युवाओं में रील बनाने का नशा घातक बनता जा रहा है। रील बनाने की होड़ में युवा जान तक जोखिम में डाल दे रहे हैं। प्रदेश के देवास में मंगलवार को ऐसा ही मामला सामने आया है। यहां के औद्योगिक थाना क्षेत्र अंतर्गत बीराखेड़ी रेलवे क्रासिंग के समीप पटरी पर रील बनाते समय दर्दनाक हादसे में दो नाबालिग दोस्तों आलोक पिता श्रीराम और सन्नी जगदीश योगी की मौत हो गई। हादसे के वक्त उनके दो अन्य साथी समय रहते ट्रैक से दूर हो गए, जिससे उनकी जान बच गई। घटना उस समय हुई, जब मालवा एक्सप्रेस इंदौर की ओर जा रही थी। जबकि बिलासपुर एक्सप्रेस देवास आ रही थी। इसी दौरान दोनों युवक रेलवे ट्रैक पर मोबाइल से वीडियो (रील) बना रहे थे, तभी अचानक ट्रेन आ जाने से वे उसकी चपेट में आ गए। दोनों दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर औद्योगिक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया।

जरा सी लापरवाही पड़ी भारी

हादसे के चलते बिलासपुर एक्सप्रेस करीब 30 मिनट तक रेलवे पटरी पर खड़ी रही, जिससे रेल यातायात प्रभावित हुआ। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस पूरे मामले को लेकर औद्योगिक थाना प्रभारी शशिकांत चौरसिया ने जानकारी देते हुए बताया कि दोनों युवक औद्योगिक थाना क्षेत्र के ही निवासी थे और रेलवे पटरी पर रील बनाते समय यह हादसा हुआ है। उन्होंने युवाओं से अपील की है कि रेलवे पटरी जैसे खतरनाक स्थानों पर इस तरह की गतिविधियों से बचें। रेलवे ट्रैक पर तेज रफ्तार से ट्रेनें गुजरती हैं, ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। सभी युवा सुरक्षित रहें और सतर्कता बरतें।

आदिवासी से पिटाई के विरोध में बैगा समाज ने निकाली खाट यात्रा

जागरण, सिंगरौली। जिले में न्याय की मांग को लेकर भावुक कर देने वाला प्रदर्शन देखने को मिला। गोभा निवासी आदिवासी श्रीलाल बैगा के साथ हुई मारपीट के मामले में जब पुलिस ने कार्रवाई नहीं की, तो समाज का गुस्सा फूट पड़ा। मंगलवार को जिला पंचायत सदस्य संदीप साहू की अगुवाई में 50 से ज्यादा आदिवासियों ने खाट यात्रा निकाली और कलेक्ट्रेट का घेराव किया। यह विरोध प्रदर्शन वन विभाग के दफ्तर से शुरू हुआ। घायल श्रीलाल बैगा को एक चारपाई (खाट) पर लिटाया गया, जिसे चार लोग अपने कंधों पर उठाकर करीब 5 किलोमीटर दूर कलेक्ट्रेट तक ले गए। रैली में बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे, जो श्रीलाल बैगा को न्याय दो के नारे लगा रहे थे। विवाद 18 दिसंबर का है। आरोप है कि वन भूमि पर खेती को लेकर हुए विवाद में वनकर्मी सुनील बुनकर ने श्रीलाल बैगा के साथ मारपीट की थी। इसके बाद उल्टा पीड़ित को ही गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दिया गया।

खुद को हाईकोर्ट जज बताकर दोस्ती कर किया रेप, लॉ स्टूडेंट गिरफ्तार

खंडवा की महिला की शिकायत पर उदयपुर के आरोपी के खिलाफ कार्रवाई

जागरण, खंडवा। खुद को हाईकोर्ट जज बताकर एक लॉ स्टूडेंट ने खंडवा की रहने वाली महिला से सोशल मीडिया के जरिये जान पहचान बढ़ाकर विश्वास जीता। आरोपी ने महिला को शादी का झांसा देकर करीब एक साल तक उसका शारीरिक शोषण किया। महिला को जब ये पता लगा कि आरोपी कोई जज नहीं, बल्कि राजस्थान के उदयपुर का रहने वाला एक लॉ स्टूडेंट है तो उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता की शिकायत पर खंडवा पुलिस ने आरोपी जयकिशन को राजस्थान से गिरफ्तार किया और कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पीड़िता के मुताबिक रिलेशनशिप के दौरान आरोपी अकसर खंडवा आता-जाता रहा, उसने शादी का वादा किया और इसी बहाने महिला के साथ बार-बार दुष्कर्म करता रहा। यह सिलसिला करीब एक साल तक चला।

आदतन धोखेबाज, कई लड़कियों को फंसाया : पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी आदतन धोखेबाज है। वह सोशल मीडिया के जरिए राजस्थान में भी 15 से ज्यादा लड़कियों को अपने जाल में फंसा चुका है। कभी खुद को बड़ा अधिकारी बताकर नौकरी दिलाने का झांसा देता था तो कभी शादी का वादा कर उनका शारीरिक शोषण करता था। बदनामी के डर से अब तक किसी भी पीड़िता ने शिकायत नहीं की थी। खंडवा पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से गहन पूछताछ करेगी और उसकी पूरी प्रोफाइल राजस्थान पुलिस के साथ साझा की जाएगी।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. संधारण संभाग क्रमांक 2, भोपाल

निविदा सूचना 29 वर्ष 2025-26 — भोपाल, दिनांक 16/12/2025

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)
1	2	3	4	5
1	2025_PWDRB_468853_1	गोविन्दपुरा टर्निंग पर बायां मोड का सुधार कार्य।	प्रथम	82.08
2	2025_PWDRB_468854_1	कोर्ट बिल्डिंग बैरसिया में विभिन्न एम.ओ.डब्ल्यू. एवं मरम्मत व डिपोजिट कार्य।	प्रथम	34.26

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय एवं जमा करने की अंतिम तिथि 05/01/2026 जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-23205/25 — लो.नि.वि. संधारण संभाग क्रमांक 2 भोपाल

पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

ऑर्डनेंस फैक्ट्री को बम से उड़ाने की धमकी, तमिलनाडु से आया मेल

जागरण, इटारसी। ऑर्डनेंस फैक्ट्री के आधिकारिक ईमेल पर एक धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ। मेल में दावा किया है कि फैक्ट्री के साथ-साथ दक्षिण भारतीय सुपरस्टार रजनीकांत और दिग्गज संगीतकार इलैयाराजा के आवासों पर तीन आरडीएक्स बम रखे हैं। मेल में सख्त चेतावनी दी गई कि फटने से पहले इन जगहों को खाली करा लिया जाए। गौरतलब है कि आठ माह पहले 17 अप्रैल को भी इसी तरह का एक मेल आया था जो बाद में फेक निकला था। धमकी मिलते ही पथरौटा, इटारसी, रामपुर और तवानगर थानों की पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला। एएसपी अभिषेक राजन और एसपी साईं कृष्णा थोटा खुद सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि क्या यह किसी की शरारत है या इसके पीछे कोई गहरी साजिश है। इटारसी की यह फैक्ट्री भारतीय सेना के लिए रीढ़ की हड्डी मानी जाती है, क्योंकि यहां अत्याधुनिक मिसाइलों, सेना के लिए भारी मात्रा में बम और गोला-बारूद तैयार होता है। जांच एजेंसियों के लिए इस ईमेल की भाषा और कंटेंट सबसे बड़ा पहेली बना हुआ है। ईमेल में पाकिस्तान-उदयनधि योजना का रहस्यमयी उल्लेख है। शुरुआती जांच में मेल का सोर्स तमिलनाडु बताया जा रहा है। एसपी साईं कृष्णा थोटा ने बताया ईमेल को वेरिफाई किया जा रहा है और साइबर सेल की मदद ली जा रही है।

छिंदवाड़ा : जिंदगी की जंग हार गए चार मासूम, सदमे में परिवार

जागरण, छिंदवाड़ा। जुन्नारदेव अस्पताल में सोमवार को एक महिला ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया। इसमें तीन लड़की और एक लड़का शामिल था। घर में एक साथ चार नन्हें मेहमानों के आने से परिवार में खुशी थी, लेकिन ये खुशियां ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी। मंगलवार को तड़के 3.30 से 4 बजे के बीच चारों नवजात बच्चों की मौत हो गई है। रेफर के दौरान दो बच्चों ने जिला अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में दम तोड़ दिया, जबकि शेष दो बच्चों ने छिंदवाड़ा जिला अस्पताल के एसएनसीयू में अंतिम सांस ली। प्रसूता की जान बच गई, उसकी हालत स्थिर है। नवजात की मौत की वजह है, महिला का 7वें महीने में डिलीवरी होना। दरअसल ग्राम रोरा ढेकनी माल निवासी गर्भवती महिला गुनो पति जगर सिंह को प्रसव के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जुन्नारदेव ले जाया गया था। जहां सुबह 11. 30 बजे एक साथ चार बच्चों का जन्म हुआ। यह प्रसव एक सुपर प्रीमैच्योर केस था, जहां गर्भ में 7 महीने पूरा होने पर भी बच्चों के अंगों का विकास सामान्य स्तर तक नहीं हुआ। इसी वजह से चारों बच्चों की मौत हो गई। बच्चों की मौत से परिवार सदमे में है।

कार्यालय नगर पालिक निगम भोपाल

यांत्रिक विभाग जोन क्र. 16
निविदा आमंत्रण सूचना

क्र. 886/यां/वि/16/2025 — भोपाल, दिनांक 23.12.2025

निम्न कार्य हेतु म.प्र. लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण website http://www.mptenders.gov.in पर है।

क्र.	निविदा क्र.	कार्य का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत	निविदा क्र. करने की अंतिम दिनांक	समय
1	2025_UAD_470267_1	CONSTRUCTION OF STAGE AND PROVIDING FIXING OF PAVING BLOCKS AT CHHATRI PARK NEW MINAL WARD 65 ZONE 16	13,00,427/-	21.01.2026	17:30 PM
2	2025_UAD_470268_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD WORK FROM BALA-JI MANDIR TO AANGANBAADI ATAL NEHRU NAGAR WARD 72 ZONE 16	10,19,396/-	21.01.2026	17:30 PM
3	2025_UAD_466338_2	PROVIDING AND FIXING OF SHED ON COMMUNITY HALL AT PARSHV DHAM GEETA NAGAR WARD 72 ZONE 16	2,04,046/-	29.12.2025	17:30 PM
4	2025_UAD_462848_2	PROVIDING AND FIXING OF SHED ON COMMUNITY HALL AT PARSHV DHAM GEETA NAGAR WARD 72 ZONE 16	2,39,820/-	29.12.2025	17:30 PM

नोट - संशोधन केवल वेबसाईट पर ही देखे जा सकेंगे, समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं होंगे।

सहायक यंत्री (सिविल)
जोन क्र.-16
नगर निगम, भोपाल

बिजनेस प्लस

भारत के क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन को गति देगी ट्रूजोन सोलर-सचिन तेंदुलकर की रणनीतिक साझेदारी

मुंबई। सनटेक एनर्जी सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रमुख ब्रांड ट्रूजोन सोलर ने महान क्रिकेटर, वैश्विक स्पोर्ट्स आइकन और परोपकारी व्यक्तित्व सचिन तेंदुलकर के साथ एक रणनीतिक निवेश और दीर्घकालिक साझेदारी की घोषणा की है। यह साझेदारी ट्रूजोन सोलर की विकास यात्रा में एक अहम मील का पत्थर है, जो 2030 तक भारत की शीर्ष तीन सोलर ईपीसी कंपनियों में शामिल होने के लक्ष्य को मजबूती देगी। इस निवेश से कंपनी अपनी निष्पादन क्षमताओं, परिचालन अवसंरचना और सोलर वैल्यू चेन को और सशक्त करेगी। ट्रूजोन सोलर तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और कर्नाटक में मजबूत मौजूदगी के साथ उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा और केरल जैसे उभरते बाजारों में विस्तार करेगी। कंपनी हाउसिंग, वाणिज्यिक एवं औद्योगिक तथा यूटिलिटी-स्केल परियोजनाओं में एंड-टू-एंड सोलर समाधान प्रदान करती है। यह साझेदारी हितधारकों का भरोसा बढ़ाने के साथ भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों में महत्वपूर्ण योगदान देगी और स्वच्छ, आत्मनिर्भर भविष्य के निर्माण को गति देगी।

मप्र अभिलेखागार ने मनाई 50वीं वर्षगांठ इतिहास संरक्षण के स्वर्णिम अध्याय का उत्सव

भोपाल। मप्र शासन के पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय निदेशालय ने मंगलवार को राज्य अभिलेखागार की 50वीं स्थापना वर्षगांठ भव्य रूप से मनाई गई। वर्ष 1975 से 2025 तक के ऐतिहासिक सफर को समर्पित इस आयोजन की थीम संरक्षित, सुरक्षित, अनमोल रखी गई। आयोजन सुबह 11 बजे श्यामला हिल्स स्थित राज्य संग्रहालय सभागार में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ पर्यटन, संस्कृति एवं धार्मिक न्यास मंत्री धर्मेंद्र भवसिंह लोधी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर 1857 से 1947 तक के दुर्लभ ऐतिहासिक अभिलेखों की विशेष प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज प्रदर्शित किए गए। इसके साथ ही पुराने अभिलेखों के संरक्षण एवं डिजिटलीकरण विषय पर सेमिनार आयोजित कर पूर्व निदेशकों को सम्मानित किया गया तथा अभिलेखागार की ऐतिहासिक यात्रा पर आधारित वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सचिव उर्मिला शुक्ला, आईएएस ने कहा कि अभिलेखागार प्रदेश का आईना है, जहां वर्ष 1798 से 1956 तक के अमूल्य दस्तावेज सुरक्षित हैं। इन अभिलेखों के माध्यम से होलकर, सिंधिया, भोंसले और भोपाल रियासतों के प्रशासनिक एवं सामाजिक इतिहास की जानकारी मिलती है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार का ज्ञान भारतम मिशन पांडुलिपियों और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अवैध लकड़ी से भरा ट्रैक्टर पकड़ा

जागरण, भिंड। वन विभाग की टीम ने लकड़ी से भरा एक ट्रैक्टर जब्त किया है। चेकिंग के दौरान टीम को ट्रैक्टर में अवैध रूप से लकड़ी ले जाते देखा। ट्रैक्टर चालक ने जैसे ही वन विभाग की टीम को पास आते देखा तो वह छोड़कर मौके से फरार हो गया। जब्त ट्रैक्टर को वन मंडल कार्यालय में खड़ा कराया है। भरौली क्षेत्र में लंबे समय से लकड़ी की अवैध तस्करी की शिकायतें मिल रही थीं।

पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर
सामग्री प्रबंधन विभाग
(भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'-निविदा सूचना, संख्या ईपीएस/112/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते है। कोई भी हस्तलिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए website https://ireps.gov.in" पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

क्र.	टेंडर नं.	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा	नियत तारीख
1.	30251223	एयर ब्रेक HOSE कपलिंग कम्पलीट फॉर फीड पाइप	29512 नंबर	14/01/2026
2.	62254056B	गोल्ड प्लेटेड सिल्वर मैडल विथ फोल्लोविंग स्पेसिफिकेशन &डिजाइन	4884 नंबर	15/01/2026
3.	20253368	मॉडिफाइड ट्रांजीशन स्क्रू कपलिंग फॉर ESCCB कॉपलर	616 नंबर	22/01/2026
4.	34255001	सप्लाई एण्ड एप्लीकेशन ऑफ एंटी-ग्राफिटी कोटिंग	1000 कोच सेट	12/02/2026

50 लाख रुपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए, इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है। (हस्ता.)
प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पमरे/जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1578
कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल
ई मेल-mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in
फोन-0755-2553402 फैक्स-0755-2552406
/ / निविदा आमंत्रण सूचना / /

निविदा सूचना क्रमांक-620/2715001/ई.डी.पी./2021-22/ प्र.अ./ई-टेंडरिंग भोपाल, दिनांक 17/12/2025

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाईट पर दिनांक 05-01-2026 को 17:30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1.	2025_WRD_461113	बरमान घाट एवं मंदिरों का रखरखाव, पुताई एवं रंग-रोगन कार्य ।	नरसिंहपुर	5.69
2.	2025_WRD_464567	उपसंभाग करेली के अनुपयोगी वाहनों/सामग्री/मशीनरी एवं का विक्रय।	नरसिंहपुर	1.62
			कुल योग	7.31

जी-23192/25 — मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

पश्चिम मध्य रेल
वाणिज्य शाखा, भोपाल
No.:C/BPL/PNU/GUNA/E-Auction/2025-01 Dated: 22.12.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक पश्चिम मध्य रेल भोपाल द्वारा पे एंड यूज के ठेके स्थापित करने हेतु जगह के आवंटन हेतु ई-ऑक्शन आमंत्रित की जाती है। ई-ऑक्शन के Catalogue IREPS Portal (www.ireps.gov.in) पर उपलब्ध है। Catalogue की जानकारी इस प्रकार है। **Catalogue Number:** C-BPL-PNU-GUNA, **Type of Contract:** Pay & Use, **Lot No./Bid No.:** PnU-BPL-GUNA-Toi-23-25-01 (Pay and use Toilets), **Contract Period:** 3 Years (1096 day), **Date and time of close of e-auction:** 05.01.2026 at 12:40:00. संपूर्ण जानकारी, अनुबंध की सामान्य शर्तें एवं अनुबंध की विशेष शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। प्रतिभागी पोर्टल पर जाकर विवरण प्राप्त कर सकते है। कृते मंडल रेल प्रबंधक (वा), पश्चिम मध्य रेल, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

बैंक ऑफ़ इंडिया
आंचलिक कार्यालय:
भोपाल अंचल बैंक ऑफ इंडिया भवन,
जेल रोड, अरेरा हिल्स, भोपाल
फोन : 0755-2556770, 2555169
E-mail: bhopal.assetrecovery@bankofindia.bank.in

परिशिष्ट - IV क [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु ई-नीलामी सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8(6) के अन्तर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु विक्रय सूचना

आम जनता को साधारणतः एवं निम्न वर्णित अचल संपत्तियों के ऋणियों एवं जमानतदारों को विशेषतः सूचित किया जाता है कि निम्नवर्णित संपत्तियाँ **बैंक ऑफ इंडिया (सुरक्षित लेनदार)** के पास बंधक है तथा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे वर्णित संपत्तियों का उसके **भौतिक /सांकेतिक कब्जा** ले लिया गया है। निम्नवर्णित संपत्तियों का विक्रय दिनांक **09.01.2026** को **बैंक ऑफ इंडिया (सुरक्षित लेनदार)** के बकाया राशि को वसूल करने हेतु ''जैसा है जहां है, जो है जैसा है'' एवं ''जो कुछ भी है'' के आधार पर किया जा रहा है। आरक्षित मूल्य एवं धरोहर राशि का विवरण निम्नानुसार है। नीलामी अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-नीलामी प्लेटफार्म के वेबपोर्टल **http://BAANKNET.com** पर संपन्न होगी।

ऋणी /जमानतदार का नाम मांग नोटिस राशि	बंधक रखी संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति के बंधककर्ता का नाम	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड वृद्धि राशि
गुलमोहर शाखा भोपाल, फोन : 8305819840 Account to deposit auction sale proceeds- 900990200000033, IFSC- BKID0009009		
ऋणी: **श्रीमती रंजना प्रदीप शर्मा एवं श्री प्रदीप शर्मा** मांग सूचना राशि: ₹ 2,08,944/- + ब्याज एवं अन्य खर्चे मांग सूचना दिनांक : 29.08.2025 कब्जा दिनांक : 03.11.2025 (सांकेतिक)	आवासीय ईडब्ल्यूएस फ्लैट संख्या 30/303, तृतीय तल स्थित गौरव नगर, वार्ड संख्या 81, ग्राम - बैरागढ़ चिचली, कोलार रोड, हुजूर (नया कोलार), भोपाल, (मध्य प्रदेश) क्षेत्रफल- 32.74 वर्गमीटर संपत्ति मालिक- श्रीमती रंजना प्रदीप शर्मा, श्री प्रदीप शर्मा चर्तुसीमाएँ: पूर्व-फ्लैट संख्या 30/304, पश्चिम-रिटेनिंग वॉल, उत्तर-ब्लॉक संख्या 31/302, दक्षिण - ब्लॉक संख्या 30/302	₹ 6,56,000/- ₹ 65,600/- ₹ 10,000/-
भोपाल मुख्य शाखा, भोपाल, फोन : 0755-4931126, 9407447756 Account to deposit auction sale proceeds- 900090200000033, IFSC- BKID0009000		
ऋणी: **मेसर्स डागा ट्रेडर्स** जमानतदार- (1) श्रीमती चंद्रिका डागा पत्नि श्री वीरेन्द्र कुमार डागा (2) श्री विनोद जैन पुत्र श्री संतोष जैन मांग सूचना राशि: ₹ 36,22,513/- + दिनांक 12.09.2025 से ब्याज एवं अन्य खर्चे मांग सूचना दिनांक : 13.06.2025 कब्जा दिनांक : 20.09.2025 (सांकेतिक)	दो मंजिला दुकान स्थित प्लाट नं. 9 ब्लॉक नं. 2, रेलवे ओवरब्रिज के पास, भोपाल टॉकीज के पास, भोपाल क्षेत्रफल-300 वर्गफिट संपत्ति मालिक- श्री वीरेन्द्र कुमार डागा एवं श्रीमती चंद्रिका डागा चर्तुसीमाएं- उत्तर में- कॉमन पैसेज, दक्षिण- प्लाट नं. 13, पूर्व- प्लाट नं. 10, पश्चिम- गली	₹ 51,65,000/- ₹ 5,16,500/- ₹ 10,000/-
मिसरोद शाखा, भोपाल, फोन : 9835355090, 7566969202 Account to deposit auction sale proceeds- 903490200000033, IFSC- BKID0009034		
ऋणी: **श्री सुरेन्द्र लोवंशी** मांग सूचना राशि- ₹ 9,05,833.76 + ब्याज एवं अन्य खर्चे मांग सूचना दिनांक : 26.09.2022 कब्जा दिनांक : 22.12.2022 (सांकेतिक)	डबल स्टोरी बिल्डिंग, दुर्गा मंदिर के पीछे, राम नगर, गली नंबर 03, वार्ड नंबर 10, मंडीदीप, तहसील गोहरगंज, जिला रायसेन, मध्य प्रदेश संपत्ति मालिक- श्रीमती सकुन बाई क्षेत्रफलः 875.00 वर्गफीट चतुर्सीमाएं: उत्तरः श्री बिश्राम का घर, दक्षिणः गली, पूर्वः श्रीमती शांता बाई का घर, पश्चिमः गली	₹ 16,50,000/- ₹ 1,65,000/- ₹ 10,000/-
बैरसिया रोड शाखा, बैरसिया, फोन : 07565-282234, 9424727991 A/c to Deposit Auction Sale Proceeds 901690200000033 IFSC Code : BKID0009016		
ऋणी: **मेसर्स सिमरन ट्रेडर्स (प्रोपराइटर- श्री राकेश छीपा)** मांग सूचना राशि: ₹ 33.61 लाख +दिनांक 12.03.2024 ब्याज एवं अन्य खर्चे मांग सूचना दिनांक : 03.07.2024 कब्जा दिनांक : 04.11.2024 (भौतिक)	रिहायशी प्लाट स्थित खसरा नं. 69/2/4, एक्ससाइड बैटरी शॉप के पास, ग्राम-टीकनखेड़ी, वार्ड नं. 13, तहसील बैरसिया, जिला-भोपाल (म.प्र.) कुल क्षेत्रफल- 1375 वर्गफिट संपत्ति मालिक- कमलेश छीपा पुत्र श्री मिट्ठूलाल छीपा (जमानतदार) चतुर्सीमाएं- उत्तर- विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण- विक्रेता की शेष भूमि, पूर्व- दीवान सिंह मीना का प्लाट, पश्चिम- 20 फिट चौड़ी रोड	₹ 19.55 लाख ₹ 2.00 लाख ₹ 10,000/-

ई-नीलामी की दिनांक एवं समय : दिनांक 09.01.2026, को सुबह 11.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक

ई-नीलामी की शर्तें :-
(1) ई-नीलामी /बिडिंग ''ऑन लाइन इलेक्ट्रानिक बिडिंग'' के माध्यम से ''जैसा है जहां है, जो है जैसा है'' एवं ''जो कुछ भी है'' के आधार पर वेबसाइट http://BAANKNET.com पर की जावेगी। इच्छुक निविदाकर्ता को सुझाव दिया जाता है कि निविदा प्रक्रिया में भाग लेने से पूर्व वेबसाइट में नियम एवं शर्तों की जानकारी प्राप्त करें।
(2) संपत्ति का निरीक्षण दिनांक 06.01.2026 को या उससे पहले सुबह 10 से सायं 5 बजे तक संबंधित शाखा प्रबंधक की पूर्व अनुमति से किया जा सकता है।
(3) बिक्री की पुष्टि होने होने पर सफल खरीदार को बिक्री मूल्य का 25 प्रतिशत (जिसमे ईएमडी के लिए पहले भुगतान की गई रकम शामिल हैं) तुरंत जमा करानी होगी एवं शेष 75 प्रतिशत राशि 15 दिन के अंदर ऊपर दिये गए शाखा के अकाउंट नंबर मे जमा करना होगा। निर्धारित समय सीमा मे राशि जमा न करने की स्थिति मे बोलिकर्ता द्वारा जमा राशि बिना किसी सूचना के जब्त कर ली जायगी।
(4) बोली निर्धारित आरक्षित मूल्य से अधिक कीमत पर शुरू होगी।
(5) यदि संपत्ति की विक्रय राशि रु. 50 लाख (रुपये पचास लाख) या उससे ऊपर हो उस परिस्थिति में नीलामी खरीददार को विक्रय राशि का 1% टी.डी.एस. का भुगतान करना होगा तथा टीडीएस सर्टिफिकेट की मूल प्रति बैंक में जमा करनी होगी।
(6) सफल खरीददार को संपत्ति पर भुगतान की जाने वाली सांविधिक देयताएं/ असांविधिक देयताएं/ स्टाम्प ड्यूटी / अतिरिक्त स्टाम्प ड्यूटी/ ट्रांसफर शुल्क / सभी शुल्क / असेसमेंट चार्जेस / अन्य प्रभार जिसमें पंजीयन शुल्क, स्टाम्प ड्यूटी, कर, लागू टीडीएस इत्यादि व्ययों का भुगतान करना होगा।
(7) प्राधिकृत अधिकारी के पास किसी भी या सभी प्रस्ताव को आगे बढ़ाने / निरस्त अथवा ई-नीलामी की नियम एवं शर्तों में परिवर्तन करने का अधिकार सुरक्षित होगा।
(8) अधिक जानकारी हेतु उपरोक्त वर्णित दूरभाष क्र. पर संबंधित शाखा प्रबंधक से संपर्क करें: अथवा अंचल कार्यालय, भोपाल फोन : 0755-2556770 / 2555169 से संपर्क करें।
नोट - यह नोटिस प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) के अन्तर्गत ई-नीलामी आयोजित करने हेतु उक्त ऋणी / उधारकर्ता / जमानतदारों को 30 दिवसीय विक्रय सूचना भी है।

स्थान : भोपाल, दिनांक : 22.12.2025 — प्राधिकृत अधिकारी बैंक ऑफ इंडिया

कार्यालय नगर पालिका परिषद विदिशा

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक/9391/राजस्व/2025 — विदिशा, दिनांकः-13/11/2025

नगर पालिका परिषद विदिशा द्वारा निम्न कार्य हेतु ई निविदाओं का आमंत्रण किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र.	निविदा क्र.	ई-टेंडर नं.	कार्य का विवरण	निविदा विवरण	ऑफर नीलामी बोली न्यूनतम	अमानत राशि	ई निविदा प्रपत्र का मूल्य	राशि जमा की समयावधि	ई-निविदा क्रय अंतिम दिनांक
1	9391	2025_UAD_470232_1	Auction of shop plots, for A 01 to A 48, each measuring 130 square feet;26 shop located on Ahmedpur Road, front side of atal park vidisha	I Call	500000.00	5000.00	2000.00	01 Month	05/01/2026

1-निविदा प्रपत्र क्रय, डाउन लोड करने एवं निविदा से सम्बन्धित समस्त शर्तें एवं जानकारी https://www.mpetenders.gov.in से एवं नगर पालिका परिषद विदिशा की राजस्व शाखा से प्राप्त की जा सकती हैं। इसके बाद किसी प्रकार का संशोधन होने पर वेबसाईट पर या कार्यालय से जानकारी प्राप्त होगी। संशोधन का प्रकाशन समाचार पत्र में नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद विदिशा

कोहली, रोहित, गिल, सूर्यकुमार और पंत सहित कई बड़े खिलाड़ी वनडे चैंपियनशिप में खेलेंगे, मैच सुबह नौ बजे से

विजय हजारे ट्रॉफी: घरेलू टूर्नामेंट में चमक बिखेरेंगे स्टार प्लेयर

जेएनएन, बेंगलुरु

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा सहित कई शीर्ष भारतीय क्रिकेटरों की उपस्थिति से बुधवार से शुरू होने वाले विजय हजारे वनडे क्रिकेट टूर्नामेंट की चमक बढ़ गई है, जिनमें इन दिग्गज खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने और अपनी क्षमता साबित करने का मौका मिलेगा। विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने वाले स्टार खिलाड़ियों की कतार में ऋषभ पंत, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा जैसे नाम भी शामिल हैं, लेकिन कोहली और रोहित जितनी सुर्खियां किसी और को नहीं मिलतीं। कोहली और रोहित को इसलिए घरेलू टूर्नामेंट में खेलना पड़ रहा है, क्योंकि बीसीसीआई ने सभी भारतीय क्रिकेटरों के लिए विजय हजारे ट्रॉफी के कम से कम दो मैच में खेलना अनिवार्य कर दिया गया है। विराट और रोहित का इस टूर्नामेंट में खेलने का सीधा मतलब है कि यह दोनों खिलाड़ी भारतीय क्रिकेट में विकसित हो रहे शक्ति समीकरणों से अछूते नहीं हैं। यह दोनों खिलाड़ी अभी क्रिकेट जगत के स्टार हैं, लेकिन क्रिकेट परिदृश्य में तेजी से बदलाव हो रहा है, जिसका असर इन दोनों पर पड़ना लाजमी है। विजय हजारे ट्रॉफी में निराशाजनक प्रदर्शन का अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे मैचों के लिए उनके चयन पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन कोहली और रोहित इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि उनका दायरा सिकुड़ता जा रहा है। वे जानते हैं कि युवा खिलाड़ी उन्हें कड़ी टक्कर दे रहे हैं। भारत की टी-20 विश्व कप टीम से गिल को बाहर करना और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के दम पर ईशान किशन को टीम में शामिल करना, इस बात का गंभीर संकेत है कि अगर कोहली और रोहित सहजता से रन नहीं बना पाते हैं, तो उनके साथ क्या हो सकता है।

सात साल बाद खेलेंगे रोहित शर्मा

रोहित ने आखिरी बार विजय हजारे ट्रॉफी में 2017-18 में हिस्सा लिया था। रोहित ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह मुंबई की तरफ से सिक्किम और उत्तराखंड के खिलाफ जयपुर में 24 और 26 दिसंबर को होने वाले पहले दो मैच खेलेंगे। रोहित ने भी पिछली दो वनडे सीरीज में बढ़िया प्रदर्शन किया था और ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाने के बाद उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन पारियों में दो अर्धशतक लगाया था।

15 साल बाद खेलेंगे विराट

कोहली 15 साल बाद इस टूर्नामेंट में खेलेंगे। उन्होंने मुंबई में भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ के साथ अभ्यास किया। उन्होंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह दिल्ली के लिए कौन से दो या तीन मैच खेलेंगे। दिल्ली एलीट ग्रुप-डी में अपना पहला मैच बेंगलुरु में आंध्र के खिलाफ खेलेगा। यह मैच बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा, क्योंकि चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच आयोजित करने की अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद दिल्ली का सामना गुजरात से होगा। कोहली मंगलवार रात बेंगलुरु पहुंचे।

■ टूर्नामेंट में परिस्थितियां भी काफी मायने रखती है। ओस के प्रभाव को देखते हुए टूर्नामेंट के सभी मैच 9 बजे सुबह शुरू होंगे। मैच के इतनी जल्दी शुरू होने के कारण टॉस का महत्व काफी ज्यादा बढ़ जाएगा और शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिल सकती है।

इन खिलाड़ियों पर भी रहेगी नजर

■ रोहित और कोहली के अलावा कई अन्य सीनियर खिलाड़ी भी इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। इन खिलाड़ियों में पंत भी शामिल है, जो टेस्ट क्रिकेट की टीम में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं, लेकिन सीमित ओवरों की टीम में जगह बनाने के लिए जूझ रहे हैं। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने अगस्त 2024 के बाद से वनडे या टी-20 मैचों में देश का प्रतिनिधित्व नहीं किया है।

■ गिल टी-20 विश्व कप के लिए नजरअंदाज किए जाने के बाद लय हासिल करने कोशिश करेंगे। गिल के लिए यह अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले अच्छा अभ्यास होगा, जिसमें वह भारत की कप्तानी करेंगे।

■ चयनकर्ताओं की निगाह तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन पर भी टिकी रहेगी। कुछ साल पहले मोहम्मद सिराज के रणजी ट्रॉफी में अच्छे प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के बाद से कोई भी अन्य तेज गेंदबाज ऐसा करने में सफल नहीं रहा है। भारतीय टीम में शामिल तेज गेंदबाजों में प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और आकाश दीप के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है। इस संदर्भ में गुरजपनीत सिंह (तमिलनाडु), गुरनूर बरार (पंजाब), युद्धवीर सिंह (जम्मू कश्मीर), अनुज ठकराल (हरियाणा) और साकिब हुसैन (बिहार) आदि खिलाड़ियों में चयनकर्ताओं की विशेष रुचि होगी।

मध्यप्रदेश का सामना राजस्थान से

टूर्नामेंट में मध्यप्रदेश का सामना अपने पहले मुकाबले में राजस्थान से होगा। मध्यप्रदेश की कमान वेंकटेश अय्यर को सौंपी गई है। एलीट ग्रुप-ए में यह मुकाबला अहमदाबाद में खेला जाएगा। मध्यप्रदेश पिछले सीजन में अच्छा प्रदर्शन कर चुकी है। टीम में वेंकटेश की कप्तानी में युवा और अनुभव का मिश्रण है।

खेल एक नजर

जेमिमा दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान

नई दिल्ली, जेएनए। दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 सत्र से पहले भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स को कप्तान नियुक्त किया। 25 साल की रोड्रिग्स ने हाल ही में महिला विश्व कप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। रोड्रिग्स ने कहा कि कैपिटल्स की कप्तान बनना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। मैं टीम के मालिकों और सपोर्ट स्टाफ की आभारी हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताते हुए मुझे इस टीम का नेतृत्व करने का मौका दिया। दिल्ली कैपिटल्स ने डब्ल्यूपीएल की शुरुआती नीलामी में सबसे पहले रोड्रिग्स को ही चुना था। पिछले महीने नीलामी से पहले फ्रेंचाइजी द्वारा ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग को टीम से रिलीज किए जाने के बाद रोड्रिग्स ने दिल्ली की कप्तानी संभाली है।

डेविड नेरेस के दो गोल से नेपोली ने तीसरी बार इटालियन सुपर कप जीता

रियाद, जेएनएन। डेविड नेरेस ने दोनों हाफ में एक-एक गोल किया, जिससे मौजूदा सीरी ए चैंपियन नेपोली ने सऊदी अरब में खेले गए फाइनल में बोलोग्ना को 2-0 से हराकर तीसरी बार इटालियन सुपर कप फुटबॉल टूर्नामेंट जीता। नेरेस का 39वें मिनट में पहला गोल किया। उनका 25 मीटर की दूरी से बाएं पैर से लगाया गया शॉट दूर के कोने में जाकर लगा। उन्होंने बोलोग्ना के गोलकीपर फेडेरिको रावग्लिया को इसे बचाने का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने मैच का एक घंटा पूरा होने के बाद अपना दूसरा गोल किया। नेरेस ने रावाग्लिया के एक ढीले पास का फायदा उठाया और जॉन लुकुमी से गेंद छीनकर गोलकीपर के ऊपर से उसे गोल में डाल दिया। नेपोली ने इससे पहले 1990 और 2014 में सुपर कप जीता था।

सलाह के इंजरी टाइम में गोल से जीता मिस्र

रबात (मोरक्को), जेएनएन। स्टार स्ट्राइकर मोहम्मद सलाह के गोल की मदद से मिस्र ने जिम्बाब्वे को 2-1 से हराकर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फुटबॉल टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत की। विश्व रैंकिंग में 129वें स्थान की टीम जिम्बाब्वे ने मिस्र के सामने कड़ी चुनौती पेश की और एक समय वह मैच ड्रॉ कराने के करीब पहुंच गया था। ऐसे में सलाह में इंजरी टाइम में गोल करके मिस्र को जीत दिलाई। एक अन्य मैच में दक्षिण अफ्रीका ने अंगोला को 2-1 से हराया। यह दक्षिण अफ्रीका की अंगोला के खिलाफ पिछले छह मैचों में पहली जीत है। कैसाब्लांका में खेले गए एक अन्य मैच में पैट्सन डाका ने स्टॉपेज टाइम में गोल किया, जिससे जाम्बिया ने माली के खिलाफ मैच 1-1 से ड्रॉ कराया। मेजबान देश मोरक्को ने रविवार को कोमोरोस पर 2-0 से जीत हासिल की थी।

शेफाली की तूफानी पारी से 71 गेंद में टी-20 जीती टीम इंडिया

पांच मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में भारत ने श्रीलंका को सात विकेट से हराया

जेएनएन, विशाखापत्तनम

भारतीय महिला टीम ने पांच मैचों की सीरीज के दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय में श्रीलंका को 49 गेंद शेष रहते सात विकेट से हराकर 2-0 से बढ़त बना ली। श्रीलंका को नौ विकेट पर 128 रन पर रोकने के बाद भारत ने 11.5 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। प्लेयर ऑफ द मैच शेफाली वर्मा ने 34 गेंद में नाबाद 69 रन की पारी के दौरान 11 चौके और एक छक्का जड़ा। उन्होंने दूसरे विकेट के लिए जेमिमा रोड्रिग्स (15 गेंद में 26 रन) के साथ महज 28 गेंद में 58 रन की साझेदारी की। उन्होंने पहले विकेट के लिए स्मृति मंधाना (11 गेंद में 14 रन) के साथ 20 गेंद में 29 और तीसरे विकेट के लिए कप्तान हरमनप्रीत कौर (12 गेंद में 10 रन) के साथ 24 गेंद में 41 रन की साझेदारी की। इससे पहले स्नेह राणा ने चार ओवर में सिर्फ 11 रन खर्च करते हुए श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू का विकेट चटकाया। उन्हें युवा स्पिनरों वैष्णवी शर्मा और श्री चरनी का अच्छा साथ मिला। इन दोनों गेंदबाजों ने दो-दो विकेट झटके। हर्षिता समरविक्रमा (33 रन) और अटापट्टू (31) के उपयोगी योगदान के बावजूद श्रीलंका की टीम कभी भी मैच पर पकड़ नहीं बना सकी।

प्लेयर ऑफ द मैच शेफाली वर्मा 34 गेंद, 69* रन

■ मध्य प्रदेश की वैष्णवी शर्मा ने 4 ओवर में 32 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने नीलाक्षी डिसिल्वा को आउट कर अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला विकेट लिया। उन्होंने आखिरी ओवर में शशिनी गम्हानी को खाता खोले बिना चलता किया।

रैंकिंग: दीप्ति पहली बार नंबर एक टी-20 गेंदबाज

दुबई, जेएनएन। स्टार भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा मंगलवार को अपने करियर में पहली बार आईसीसी महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गईं। दीप्ति ने ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। दीप्ति ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज से एक रेटिंग अंक आगे 737 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी पांच स्थान के फायदे से 36वें स्थान पर हैं, जबकि स्पिनर श्री चरणी 19 स्थान की लंबी छलांग के साथ 69वें स्थान पर पहुंच गईं। बल्लेबाजी में जेमिमा रोड्रिग्स पांच स्थान के फायदे से नौवें स्थान पर हैं। भारतीय उप कप्तान स्मृति मंधाना शीर्ष रैंकिंग वाली भारतीय बल्लेबाज बनी हुई हैं। वह तीसरे स्थान पर हैं। शेफाली वर्मा एक स्थान नीचे खिसककर 10वें स्थान पर हैं। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट महिला वनडे अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में स्मृति की जगह नंबर एक बल्लेबाज बन गईं।

कमिंस चौथे टेस्ट से बाहर, लियोन की जगह मर्फी ऑस्ट्रेलियाई टीम में

मेलबर्न, जेएनएन। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस को इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर शुरू होने वाले चौथे एशेज टेस्ट में विश्राम दिया जाएगा, जबकि चोटिल नाथन लियोन की जगह टॉड मर्फी को स्पिन गेंदबाज के रूप में टीम में शामिल किया गया है। मर्फी बॉक्सिंग डे (26 दिसंबर) मैच में ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला टेस्ट खेलने के लिए तैयार हैं। उन्हें मंगलवार को घोषित 15 सदस्यीय टीम में मैट कुहनेमैन और कोरी रोकिचिओली पर प्राथमिकता दी गई है। ऑस्ट्रेलिया तीसरा टेस्ट जीतकर पहले ही एशेज अपने पास बरकरार रख चुकी है। स्टीव स्मिथ अस्वस्थ होने के कारण तीसरे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे, लेकिन अब उनके ठीक होने की उम्मीद है। कमिंस की अनुपस्थिति में वह एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे।

टीम: स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, लाबुशेन, टॉड मर्फी, माइकल नेसर, झाय रिचर्डसन, मिशेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर।

तेज गेंदबाज झाय रिचर्डसन टीम में वापस बुलाए जाने के बाद चार साल से अधिक समय में अपना पहला टेस्ट खेलने के लिए दावेदार हैं।

इंग्लैंड के क्रिकेटरों की शराब पीने की लत की होगी जांच

मेलबर्न, जेएनएन। इंग्लैंड की पुरुष क्रिकेट टीम के प्रबंध निदेशक रॉब की ने कहा है कि एशेज सीरीज के दौरे में समुद्र तट पर स्थित एक रिसॉर्ट में छुट्टियां मनाने के दौरान शराब के अत्यधिक सेवन की खबरें सामने आने के बाद वह इंग्लैंड टीम की शराब पीने की लत जांच करेंगे। इंग्लैंड जब सीरीज में 0-2 से पीछे चल रहा था तब उसकी टीम ने दूसरे और तीसरे टेस्ट के बीच मिले ब्रेक के दौरान ब्रिस्बेन के उत्तर में स्थित शहर नूसा में एक रिसॉर्ट में चार रात बिताई थी। रॉब की ने कहा कि उन्हें इस ब्रेक से कोई समस्या नहीं है, लेकिन अगर उन्हें अत्यधिक भोग-विलास के सबूत मिलते हैं, तो वह इसकी जांच करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर ऐसी बातें सामने आती हैं कि हमारे खिलाड़ियों ने अत्यधिक शराब पी, तो निश्चित रूप से हम इसकी जांच करेंगे। यह अस्वीकार्य है।

चोपड़ा ने मोदी से मुलाकात की

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर से मुलाकात की। इस साल की शुरुआत में एक निजी समारोह में पूर्व टेनिस खिलाड़ी मोर से परिणय सूत्र में बंधने वाले चोपड़ा इस समय किसी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले रहे हैं। मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, आज सुबह 7 लोक कल्याण मार्ग पर नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर से मुलाकात हुई। खेल समेत कई मुद्दों पर हमारी अच्छी बातचीत हुई। चोपड़ा के लिए यह साल मिला-जुला रहा।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय में एक ओवर में पांच विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने प्रियंदना

बाली (इंडोनेशिया), जेएनएन। इंडोनेशिया के 28 साल के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज गेडे प्रियंदना ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच (जहां फॉल-ऑफ-विकेट्स का आंकड़ा उपलब्ध है) के एक ओवर में पांच विकेट लेकर इतिहास रच दिया। वह ऐसा करने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज (पुरुष या महिला क्रिकेट मिलाकर) बन गए हैं। उन्होंने यह कारनामा मंगलवार को बाली में कंबोडिया के खिलाफ आठ मैचों की सीरीज के पहले टी-20 में किया। प्रियंदना ने यह कारनामा तब किया, जब 168 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही कंबोडिया की टीम 15 ओवर में पांच विकेट पर 106 रन बनाकर संघर्ष कर रही थी। अपना पहला ओवर डालते हुए प्रियंदना ने पहली तीन गेंदों पर लगातार विकेट लेकर हैट्रिक पूरी की। उन्होंने इस क्रम में शाह अबरार हुसैन, निर्मलजीत सिंह और चंथोउन रथानक को पवेलियन भेजा। इसके बाद उन्होंने एक डॉट गेंद फेंका और फिर मोंगदारा सॉक को आउट किया। इसके बाद उन्होंने एक वाइड फेंकने के बाद पेल वेननक को आउट कर मैच समाप्त कर दिया। इस ओवर में कंबोडिया सिर्फ एक रन ही बना सकी, जो अंतिम दो विकेटों के बीच आई एक वाइड से आया और उनकी टीम 60 रन से यह मैच हार गई।

■ अंतरराष्ट्रीय में एक ओवर में पांच विकेट लेने का यह पहला मामला है।

■ पुरुषों के टी-20 में दो बार एक ओवर में पांच विकेट लिए गए हैं। अल-अमीन हुसैन ने 2013-14 में विक्ट्री डे टी-20 कप में यूसीबी-बीसीबी एकादश के लिए एक ओवर में पांच विकेट लिए थे, जबकि अभिमन्यु मिथुन ने 2019-20 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में हरियाणा के खिलाफ कर्नाटक की ओर से खेलते हुए एक ओवर में पांच विकेट लिए थे।

गिल के चयन पर उथप्पा ने कहा- भारतीय क्रिकेट अनजान जगह

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने टी-20 विश्व कप के लिए शुभमन गिल के सिलेक्शन नहीं होने पर हैरानी जताई। उथप्पा ने कहा कि भारतीय क्रिकेट इस समय अनजान जगह है, जहां कोई अनुमान लगा पाना मुश्किल है। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उन्हें लगा था कि गिल को जगह जरूर मिलेगी, भले ही उनसे उप-कप्तानी ले ली जाए। भारतीय क्रिकेट। यह अनजान जगह है। आप सोचते हैं कि कोई अनुमान काम करेगा और टीम की घोषणा होती है। मैं यह नहीं कह रहा कि यह टीम अच्छी नहीं है। यह बहुत बढ़िया टीम है, लेकिन दिल जरूर टूटे हैं और ऐसे में अच्छा महसूस नहीं होता। जो भी क्रिकेट खेलता है, वो जानता है कि गिल और जितेश शर्मा को कितना बुरा लग रहा होगा। मेरी सहानुभूति उनके साथ है। उथप्पा ने कहा, गिल के लिए आपको बुरा लगा, क्योंकि वो टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान हैं। यह बहुत बुरा दृश्य है। मुझे लगा कि किसी और को उप-कप्तान बना दिया जाए, लेकिन उन्हें टीम में जगह जरूर मिलनी चाहिए थी।

सिटी स्पोर्ट्स

भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर की एकतरफा जीत

भोपाल, खेप्र। भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर ने आरजीपीवी स्टेट लेवल फुटबॉल टूर्नामेंट में अपने-अपने लीग मैचों में जीत दर्ज की। आईईएस कैंपस में खेले जा रहे टूर्नामेंट के पहले मैच में ग्वालियर नोडल ने सागर को 2-0 से हराया। दूसरे मैच में जबलपुर ने रीवा को 7-0 से करारी शिकस्त दी। दिन के तीसरे मुकाबले में भोपाल नोडल ने उज्जैन को 4-0 से शिकस्त दी। बुधवार को टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। इससे पहले टूर्नामेंट का शुभारंभ आईईएस यूनिवर्सिटी के सीईओ देवांश सिंह ने किया।

जितेंद्र सिंह के दोहरे प्रदर्शन से राफेल एकादश ने डॉ. रजा की टीम को हराया

भोपाल, खेप्र। जितेंद्र सिंह डोडवे के दोहरे प्रदर्शन की बदौलत राफेल एकादश ने स्व. ठाकुर हुकुम सिंह स्मृति ग्रीन पैराडाइज कप क्रिकेट प्रतियोगिता में डॉ. रजा एकादश ने एक विकेट से शिकस्त दी। ओल्ड कैंपियन मैदान पर डॉ. रजा एकादश ने पहले खेलते हुए सात विकेट खोकर 155 रन बनाए। रिजवान ने 42, डॉ. सैयद बासित अली ने 36 और कप्तान लोकेश मालवीय ने 26 रन का योगदान दिया। राफेल एकादश के जितेंद्र ने 2, जबकि सुशील पटेल और शिखर नवल ने 1-1 विकेट लिए। जवाब में राफेल एकादश ने 19.4 ओवर में 9 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान मानव ने 35, प्रशांत ने 24, अंकित गुप्ता ने 22 और जितेंद्र ने 20 रन बनाए। डॉ रजा एकादश के सलमान, रिजवान, दीपक मालवीय ने 2-2 विकेट लिए। प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जितेंद्र को बीडीसीए उपाध्यक्ष डॉ. सुशील सिंह ठाकुर, वरिष्ठ क्रिकेटर राजेंद्र राव और पीयूष सिंह बघेल ने प्रदान किया।

68वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप

मध्यप्रदेश के कुशाग्र ने साधा स्वर्ण पर निशाना, ऐश्वर्य को कांस्य पदक

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी के खिलाड़ी कुशाग्र सिंह और ओलंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 68वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप (राइफल) में क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक जीता। मंगलवार को 10 मीटर एयर राइफल सीनियर, जूनियर एवं यूथ वर्ग के फाइनल मुकाबलों का आयोजन किया गया। मप्र शूटिंग अकादमी में जारी इस चैंपियनशिप में ऐश्वर्य प्रताप ने 10 मीटर एयर राइफल सीनियर मेन इवेंट में कांस्य पदक अपने नाम किया। डेफ श्रेणी में कुशाग्र सिंह राजावत ने 50 मीटर राइफल प्रोन पोजीशन में स्वर्ण पदक जीता। 2 जनवरी तक जारी इस चैंपियनशिप में देशभर के सीनियर, जूनियर, यूथ, डेफ एवं हैंडीकैप्ड वर्ग के खिलाड़ी सहभागिता कर रहे हैं। विजेता खिलाड़ियों को विधायक सुरेश्वर सिंह (उत्तर प्रदेश) और एनआरएआई सचिव जनरल पवन कुमार सिंह ने पदक प्रदान किए।

वेस्ट एंड में क्रिसमस लाइट्स से जगमग लंदन। क्रिसमस के चलते शहर पूरी तरह रंग-बिरंगी लाइट्स से सजा हुआ है। राजधानी में विंटर वंडरलैंड का मेला ग्राउंड और साउथ बैंक भी जगमग है।

हालत खस्ता: पाक की सरकारी एयरलाइन पीआईए हुई नीलाम

आरिफ हबीब ग्रुप ने 4320 करोड़ में खरीदा

इस्लामाबाद, जेएनएन। पाकिस्तान की सरकारी एयरलाइन कंपनी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) नीलाम हो गई है। आरिफ हबीब ग्रुप ने 4320 करोड़ रुपए में पीआईए को खरीद लिया है। पाक सरकार ने एयरलाइन की बिक्री के लिए 3200 करोड़ रुपए का अनुमान लगाया था। हालांकि, उसे 1320 करोड़ रुपए ज्यादा मिले हैं। एयरलाइन के लिए आरिफ हबीब ग्रुप और लकी सीमेंट ग्रुप के बीच ओपन बिडिंग राउंड चल रहा था। लकी सीमेंट ग्रुपप 4288 करोड़ रुपए तक ही बोली लगा पाई। एयरलाइन को खरीदने के लिए तीन दावेदार थे। इनमें लकी सीमेंट के लीडरशिप वाला एक बिजनेस ग्रुप, आरिफ हबीब कॉरपोरेशन के लीडरशिप वाला ग्रुप और प्राइवेट एयरलाइन एयरब्लू शामिल थे। तीनों ग्रुप्स ने पहले राउंड के लिए बंद लिफाफे में अपनी बोलियां जमा की थी। आरिफ हबीब ग्रुप ने 3680 करोड़ रुपए, लकी सीमेंट ने 3248 करोड़ रुपए और एयरब्लू ने 848 करोड़ की बोली जमा की थी। इसके बाद एयरब्लू रेस से बाहर हो गई।

सरकार ने पीआईए में 75% हिस्सेदारी बेची

आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने पीआईए में 75 फीसदी हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया था। बोली जमा करने का आज आखिरी दिन था। ये बोलियां बंद लिफाफों में दी गईं और इस पूरे कार्यक्रम को सरकारी टीवी पर लाइव दिखाया गया। डेडलाइन के ठीक 2 दिन पहले सेना से जुड़ी एक खाद कंपनी फौजी फर्टिलाइजर प्रालि ने बोली लगाने से नाम वापस लिया है, जिसके बाद 3 दावेदार रेस में बचे। इस्लामाबाद में हुए प्रोग्राम में तीनों ग्रुप के प्रतिनिधि एक-एक करके आए और ट्रांसपेरेंट बॉक्स में अपने लिफाफे डाले। शाम 5.30 बजे इन लिफाफों को खोला गया। पीएम शरीफ ने कहा कि सरकार ने पूरी प्रक्रिया को साफ और पारदर्शी बनाया है, ताकि किसी को कोई शक न रहे। उन्होंने कहा, यह सौदा पाकिस्तान के इतिहास का सबसे बड़ा निजीकरण सौदा हो सकता है।

एपस्टीन सेक्स स्कैंडल: नई फाइल्स रिलीज में 30 हजार पन्नों के दस्तावेज सामने आए

सैकड़ों फाइलों में राष्ट्रपति ट्रंप का नाम

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े मामले में करीब 30 हजार पन्नों के नए दस्तावेज जारी किए हैं। इन फाइलों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सैकड़ों बार जिक्र है। ट्रंप का नाम ज्यादातर बार किसी खबर या रिकॉर्ड के तौर पर दर्ज है, लेकिन कुछ दस्तावेज सीधे तौर पर ट्रंप से जुड़े हैं। इनमें जनवरी 2020 का एक ईमेल भी शामिल है। इस ईमेल में कहा गया है कि ट्रंप ने 1993 से 1996 के बीच एपस्टीन के निजी विमान से आठ उड़ानें भरी थीं। ईमेल के मुताबिक एक उड़ान में सिर्फ एपस्टीन, ट्रंप और 20 साल के एक व्यक्ति थे। बाकी उड़ानों में ट्रम्प के साथ उनकी पूर्व पत्नी मार्ला मैपल्स, बेटी टिफनी और बेटे एरिक भी थे। हालांकि, डोनाल्ड ट्रंप पर एपस्टीन मामले में किसी तरह की आपराधिक भूमिका का आरोप नहीं लगाया गया है। व्हाइट हाउस की ओर से इस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। नई फाइल्स में एपस्टीन के एक पुराने अमेरिकी पासपोर्ट की तस्वीर भी सामने आई है। यह फरवरी 1985 में जारी किया गया था और 1995 में इसकी वैधता समाप्त हो गई थी। एपस्टीन के साइन वाली हस्ताक्षर के नीचे उसकी सूट और टाई पहने हुए एक ब्लैक एंड व्हाइट पासपोर्ट फोटो है। जस्टिस डिपार्टमेंट ने जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी जांच के तहत शुक्रवार रात ढाई बजे (भारतीय समय के मुताबिक) तीन लाख दस्तावेज जारी किए थे। हालांकि अभी भी पूरे दस्तावेज जारी होने में समय लग सकता है। इनमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, पॉप सिंगर माइकल जैक्सन जैसे दिग्गजों की तस्वीरें सामने आईं, हालांकि रिकॉर्ड्स में डोनाल्ड ट्रम्प का नाम लगभग नहीं के बराबर पाया गया, जबकि फरवरी में जारी एपस्टीन के निजी जेट के फ्लाइट लॉग्स में ट्रंप का नाम सामने आ चुका है। नए दस्तावेजों में एप्सटीन के न्यूयॉर्क और यूएस वर्जिन आइलैंड्स वाले घरों की तस्वीरें और कुछ मशहूर लोगों की फोटो थीं।

फाइल्स से बेगुनाहों की इमेज खराब होगी, मेरी भी कुछ फोटो: ट्रंप

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि एपस्टीन सेक्स फाइल्स के सार्वजनिक होने से कई बेगुनाहों की इमेज खराब हो सकती है। कई ऐसे लोग थे, जिनका जेफ्री एप्सटीन के अपराधों से कोई लेना-देना नहीं था, वे बस कभी उससे मिले भर थे। ट्रंप ने सोमवार को फ्लोरिडा में अपने मार-ए-लागो रिसॉर्ट में पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा, एप्सटीन को लेकर हो रहा हंगामा असल में रिपब्लिकन पार्टी की कामयाबियों से ध्यान हटाने की कोशिश है। ट्रंप ने कहा, उनकी भी एप्सटीन के साथ कुछ फोटो हैं, क्योंकि उस समय कई लोग उससे मिलते-जुलते थे। इस पूरे मामले को बेवजह तूल दिया जा रहा है। जब उनसे पूछा गया कि इन फाइलों में पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की तस्वीरें सामने आने पर उनका क्या रिस्पांस है। इस पर ट्रंप ने कहा-मुझे बिल क्लिंटन पसंद हैं, मेरे उनसे अच्छे रिश्ते रहे हैं। मुझे अच्छा नहीं लगा कि उनकी तस्वीरें सामने आईं।

फाइल्स में झूठे हो सकते हैं दावे

जस्टिस डिपार्टमेंट ने चेतावनी दी कि इन फाइल्स में झूठे और सनसनीखेज दावे भी शामिल हो सकते हैं। डिपार्टमेंट ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा, इनमें से कुछ दस्तावेजों में राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ झूठे और सनसनीखेज दावे शामिल हैं, जिन्हें 2020 के चुनाव से ठीक पहले एफबीआई को सौंपा गया था। कांग्रेस ने नवंबर में एक कानून पारित कर 19 दिसंबर तक एपस्टीन से जुड़े लगभग सभी जांच रिकॉर्ड सार्वजनिक करने का निर्देश दिया था। इसके बाद सरकार ने फाइलें जारी करनी शुरू कीं।

26 में लॉन्च नहीं होगा आईफोन-18

लॉन्च टाइमलाइन में बदलाव, करना होगा लंबा इंतजार

नई दिल्ली, जेएनएन। एपल अगले साल आईफोन के लॉन्च टाइमलाइन में बड़ा बदलाव कर सकती है। आईफोन-18 सीरीज को दो फेज में लॉन्च किए जाने की उम्मीद है, इसका मतलब ये है कि हर साल की तरह अगले साल पूरी सीरीज को एक-साथ नहीं उतारा जाएगा। आईफोन फोल्ड के साथ आईफोन-18 प्रो मॉडल्स को तो सितंबर 2026 में लॉन्च किया जा सकता है लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो आईफोन-18 को 2026 में लॉन्च नहीं किया जाएगा। अब ऐसे में मन में ये सवाल उठना लाजमी है कि आखिर आईफोन 18 को कब तक मार्केट में उतारा जाएगा? कब लॉन्च होगा नया आईफोन-18 -रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस नए आईफोन को 2027 के शुरुआत में ग्राहकों के लिए लॉन्च किया जा सकता है, हालांकि अभी तक कोई भी लॉन्च डेट सामने नहीं आई है। एक नई लीक से पता चला है कि आईफोन 18 का ट्रायल प्रोडक्शन अभी शुरू होना बाकी है। चीनी माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म वीबो पर टिपस्टर फिक्स्ड फोक्स डिजीटल के मुताबिक, आईफोन-18 का ट्रायल प्रोडक्शन लूनर न्यू ईयर के बाद शुरू होने की उम्मीद है। यह टाइमिंग खास है, क्योंकि चीन में लूनर न्यू ईयर शटडाउन आमतौर पर फरवरी के आखिर में खत्म होता है, जिसके बाद फैक्ट्रियां नॉर्मल ऑपरेशन फिर से शुरू कर सकती हैं और बड़े पैमाने पर नए प्रोजेक्ट्स पर काम करती हैं। आईफोन 18 को 2027 में आईफोन-18 ई और नेक्स्ट-जेनरेशन आईफोन एयर के साथ लॉन्च किया जा सकता है।

स्पीसिफीकेशंस (संभावित) : इस नए आईफोन को ए20 चिपसेट के साथ उतारा जा सकता है, वहीं प्रो मॉडल्स में ए20 प्रो बायोनिक प्रोसेसर दिया जा सकता है। प्रो मॉडल में अंडर-डिस्प्ले फेस आईडी का इस्तेमाल किया जा सकता है जिससे डायनामिक आइलैंड की जरूरत खत्म हो सकती है। हालांकि, आईफोन 18 सीरीज में कोई बड़ा डिजाइन बदलाव होने की उम्मीद नहीं है।

जर्मनी में राहुल बोले

संविधान खत्म करने की साजिश रच रही भाजपा

बर्लिन, जेएनएन। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा- भाजपा संविधान की उस मूल भावना को खत्म करना चाहती है, जो सभी नागरिकों को समान अधिकार देती है।

राहुल 17 से 19 दिसंबर तक जर्मनी दौरे पर थे। इस दौरान 18 अक्टूबर को उन्होंने बर्लिन स्थित हर्टी स्कूल में छात्रों को संबोधित किया था। कांग्रेस ने सोमवार रात इस बातचीत का एक घंटे लंबा वीडियो जारी किया। वीडियो में राहुल ने कहा, भाजपा राज्यों की समानता, भाषाओं की समानता, धर्मों की समानता के विचार को खत्म करने की बात कर रही है। भाजपा ने देश की संस्थाओं पर भी पूरा कब्जा कर लिया है। राहुल ने कहा, लोकतांत्रिक संस्थाएं स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर पा रही हैं। सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों का राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

धुरंधर की सफलता के बाद रणवीर ने छोड़ी 'डॉन-3'

नई दिल्ली, जेएनएन। हाल में खबरें आई थीं कि रणवीर सिंह जल्द ही डॉन-3 की तैयारी शुरू करने वाले हैं। जनवरी 2026 के आखिरी में फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। लेकिन अब रणवीर सिंह ने फरहान अख्तर के डायरेक्शन में बन रही फिल्म डॉन-3 से खुद को अलग कर लिया है। एक्टर ने ये फैसला धुरंधर की सफलता की वजह से लिया है। पिंकविला ने सोर्स के हवाले से लिखा है-रणवीर संजय लीला भंसाली, लोकेश कनगराज और एटली जैसे फिल्ममेकर्स के साथ काम करना चाहते हैं। साथ ही, वो एक के बाद एक गैंगस्टर फिल्मों में नजर नहीं आना चाहते। खासकर तब जब धुरंधर पहले ही इस जोनर में अपनी पहचान बना चुकी है। सूत्र ने बताया कि इसी वजह से रणवीर ने प्रोड्यूसर जय मेहता से प्रलय की शूटिंग पहले करने को कहा है।

2025 गुजरता साल
यादगार लम्हे

इस साल दुनिया को अलविदा कह गईं विभिन्न विधाओं की ये हस्तियां

"वर्ष 2025 भारत और दुनिया के लिए गहरे शोक का वर्ष भी रहा, जब सिनेमा, संगीत, राजनीति, फैशन और सामाजिक क्षेत्रों से जुड़ी कई जानी-मानी और प्रभावशाली हस्तियों का निधन हुआ। इन सभी ने अपने-अपने क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी है। देशभक्ति सिनेमा के प्रतीक मनोज कुमार, सुपरस्टार धर्मेंद्र, गायक ज़ुबीन गर्ग, प्रसिद्ध मूर्तिकार राम सुतार और झारखंडके नायक शिबू सोरेन जैसी हस्तियों के निधन से राजनीति और मनोरंजन जगत में गहरा शून्य रह गया।"

मनोज कुमार

'भारत कुमार' के नाम से मशहूर फिल्म अभिनेता मनोज कुमार का 4 अप्रैल 2025 को 87 वर्ष की आयु में निधन हुआ। 1960-70 के दशक में उन्होंने हिंदी सिनेमा को देशभक्ति की नई पहचान दी।

धर्मेंद्र

भारतीय सिनेमा के एक्टर धर्मेंद्र का 24 नवंबर 2025 को 89 वर्ष की उम्र में निधन हुआ। रोमांस, एक्शन, कॉमेडी और गंभीर अभिनय, हर दौर में प्रासंगिक रहे धर्मेंद्र का जाना हिंदी सिनेमा के एक अध्याय का अंत लगा।

फौजा सिंह

प्रसिद्ध मैराथन धावक फौजा सिंह का 14 जुलाई 2025 को 114 साल की उम्र में पंजाब के जालंधर जिले में उनके पैतृक गांव ब्यास में एक सड़क दुर्घटना (हिट एंड रन) में निधन हो गया था, जब वे टहल रहे थे। उन्हें टर्बन्ड टॉरनेडो के नाम से जाना जाता था और वह दुनिया के सबसे बुजुर्ग धावकों में से एक थे, जिन्होंने कई विश्व रिकॉर्ड बनाए थे।

राम सुतार

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को डिजाइन करने वाले प्रतिष्ठित मूर्तिकार राम वनजी सुतार का 18 दिसंबर 2025 को 100 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। सुतार को पद्म श्री और पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

डॉ. जयंत विष्णु नार्लीकर

महान खगोल वैज्ञानिक और विज्ञान संचारक डॉ. जयंत विष्णु नार्लीकर का 20 मई, 2025 को 87 वर्ष की आयु में पुणे में निधन हो गया. वे विज्ञान के हॉयल-नार्लीकर सिद्धांत के लिए प्रसिद्ध थे।

शिबू सोरेन

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का 4 अगस्त 2025 को 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। 3 बार सीएम रहे और झारखंड राज्य के गठन में बड़ा योगदान दिया। शिबू सोरेन को झारखंड में 'दिशोम गुरुजी' के नाम से जाना जाता था. वे झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक नेताओं में से एक थे और आदिवासी अधिकारों की लड़ाई में अग्रणी रहे।

रतन थियम

मशहूर पद्मश्री प्राप्त रंगमंच कलाकार और निर्देशक रतन थियम का 23 जुलाई 2025 को 77 वर्ष की आयु में मणिपुर के इंफाल में निधन हो गया था। उन्हें उनके नाटकों जैसे चक्रव्यूह और उत्तर प्रियदर्शी के लिए जाना जाता था, जिन्होंने भारतीय रंगमंच को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाई।

डॉ. के. कस्तूरीरंगन

प्रसिद्ध खगोल वैज्ञानिक और इसरो के पूर्व प्रमुख डॉ. के. कस्तूरीरंगन का 25 अप्रैल 2025 को निधन हो गया। उन्हें पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था।

गोवर्धन असरानी

अपने नाम से पहचाने जाने वाले सदाबहार हास्य सम्राट असरानी का 20 अक्टूबर 2025 को 84 वर्ष की उम्र में निधन हुआ। 'शोले' के जेलर से लेकर कई भूमिकाओं में प्रिय चरित्र कलाकारों में रहे।

प्रितीश नंदी

जाने-माने कवि, लेखक और फिल्म निर्माता प्रितीश नंदी का 8 जनवरी, 2025 को 73 वर्ष की आयु में मुंबई में हृदय गति रुकने से निधन हो गया था। उन्होंने कांटे, चमेली, हजारों ख्वाहिशें ऐसी जैसी फिल्में बनाईं और द इलस्ट्रेटेड वीकली ऑफ इंडिया का संपादन किया था।

सतीश शाह

सादगी में छिपा हास्य प्रस्तुत करने वाले अभिनेता सतीश शाह का 25 अक्टूबर 2025 को 74 वर्ष की आयु में निधन हुआ। फिल्मों और कॉमेडी शो 'साराभाई वर्सेस साराभाई' जैसे टीवी शोज़ में उन्होंने साबित किया कि बिना ऊँची आवाज़ के भी गहरी कॉमेडी की जा सकती है।

आलोक चटर्जी

प्रसिद्ध फिल्म व रंगमंच अभिनेता, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार विजेता। 6 जनवरी 2025 को भोपाल में मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर से 63 वर्ष की आयु में निधन।

पीयूष पांडे

कैडबरीज चॉकलेट के लोकप्रिय विज्ञापन बनाने वाले भारतीय विज्ञापन जगत के दिग्गज पीयूष पांडे का 24 अक्टूबर 2025 को 70 वर्ष की आयु में निधन हुआ।

सुलक्षणा पंडित

अभिनय और गायिका के रूप में पहचानी जाने वाली सुलक्षणा पंडित का 7 नवंबर 2025 को निधन हुआ। अभिनय और मधुर आवाज़ से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई।

ज़ुबीन गर्ग

हिंदी, बंगाली और कई अन्य भाषाओं में गाने वाले असम की आवाज़, देश की पहचान के नाम से फेमस गायक ज़ुबीन गर्ग का19 सितंबर 2025 को सिंगापुर में निधन हो गया था।

दैनिक जागरण वर्गीकृत
आवश्यकता शिक्षा प्रापर्टी दूरसंचार ऑटो मोबाइल, ट्रेवल्स शॉपिंग बाजार इलेक्ट्रॉनिक्स रेस्टोरेंट

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/- संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/- per sqcm.
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा
BHOPAL EGG RATE
710/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

पाठकों को सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है।
-व्यवस्थापक

VIDYASAGAR INSTITUTE OF MANAGEMENT
Approved by AICTE, New Delhi & Affiliated to Barkatullah University, Bhopal
VIM invite applications from eligible candidates for faculty recruitment for MBA/BBA/ B.com courses under Barkatullah University's College Code - 28 for the following positions:

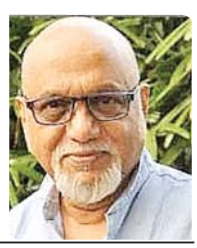

MBA/BBA	
Director	- 1
Associate Professor	- 1
Assistant Professor	- 12

B.COM
Assistant Professor :-

Commerce	- 2
Economics	- 1
Computer	- 1

Qualification, Experience, and Salary as per norms. The number of vacancies is subject to change. The Institute reserves the right to make necessary modifications without prior notice. Interested candidates may apply with their CV, testimonials and a colour passport-size photograph addressed to: The Chairman, Vidyasagar Institute of Management, Awadhpuri, Bhopal - 462022 within 10 days via Speed Post or Email.

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.
निविदा आमंत्रण सूचना
निविदा सूचना क्रमांक 54 / 2025-26 / लेखा/का.यं. / लो.स्वा.यां.वि / राजगढ़ दि.16.12.2025
निम्न कार्यों हेतु निविदा ऑनलाईन वेबसाईट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर आमंत्रित की गई है। राजगढ जिले के विकास खण्ड नरसिंहगढ में जल जीवन मिशन के अंतर्गत के विभिन्न ग्रामों की नलजल योजनाओं में शेष कार्य की निविदा निम्नानुसार आमंत्रित है ।

निविदा क्र./ दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विकास खण्ड	ग्राम का नाम	निविदा की कुल लागत रु. लाख में	धरोहर राशि रु. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि	रिमार्क
54 /25-26 दि. 16.12.25	2025_PHED_469010_pack1	राजगढ के विकास खण्ड नरसिंहगढ़	राजगढ़ जिले के विकास खण्ड नरसिंहगढ में जल जीवन मिशन के अंतर्गत के विभिन्न ग्रामों की नलजल योजनाओं में शेष कार्य की निविदा।	16.92 लाख	33840.00	2000.00	60 दिवस वर्षा काल छोड़कर	

ऑन लाईन निविदा क्रय करने की अंतिम तिथि - 29.12.2025
ऑन लाईन निविदा दर खोलने की अंतिम तिथि - 31.12.2025
कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खंड
राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.
जी-23246/25 बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल

मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी लिमिटेड
(मध्यप्रदेश शासन का उपक्रम)
कार्यालय उप महाप्रबंधक (एस.टी.सी./एस.टी.एम) संभाग रायसेन
पाटनदेव सागर रोड, रायसेन (म.प्र.)-464551 ई-मेल : raisenstc@gmail.com
क्र./उ.म.प्र/एस.टी.सी./सं./2025-26/1492 रायसेन, दिनांक : 23.12.2025

NOTICE INVITING E-TENDERS
E-tender is invited from eligible electrical contractors who are registered under relevant category through "ANUBANDH" portal of MPMKVVCL, for the following Electrical Work :-

NIT No. & Date	Particulars	Approx. Value (In. Lakh)	Tender Doc. Fees (In Rs.)
1489/01 Dated 23.12.2025	4.30 KM. 11 KV Feeder interconnection of S/s Dehgaon To Hinotiya to Lilgawa & Tarawali feeder under Dehgaon D/c of (O&M) Division Raisen.	5.60	1180/-

Date of Sale of Bid Documents : 23.12.2025, 18.00 Hrs. Up to 29.12.2025, 12.30 Hrs.
Bid Submission Last Date : 29.12.2025 Up to 12.30 Hrs.
Bid Opening Date : 30.12.2025 at 13.00 Hrs.
Other details, terms and conditions are available on company website : https://portal.mpcz.in & https://mptenders.gov.in or the under signed office.
M.P. Madhyam/123638/2025 DGM (STC-STM)

कार्रवाई नहीं होने पर महिलाएं खुद पकड़ रहीं अवैध शराब

जागरण, मंडला। जिले के कौरगांव में अवैध शराब की बिक्री से परेशान महिलाएं गांव में शराबबंदी की मांग को लेकर बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट पहुंचीं और प्रदर्शन किया। महिलाओं ने बताया कि महिलाओं की टोली ने गांव में गश्त की। इस दौरान उन्होंने कई जगहों पर अवैध शराब पकड़ी और शराब बनाने के लिए रखा गया कच्चा माल (लाहन) मौके पर ही नष्ट कर दिया। उन्होंने गांव में शराबबंदी की मांग की।

एकलव्य आदर्श विद्यालय में पेयजल की समस्या

जागरण, बालाघाट। जिले के बैहर स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में शुद्ध पेयजल की गंभीर समस्या सामने आई है। विद्यालय में अध्ययनरत 500 से अधिक आदिवासी छात्रों को साफ पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, जिससे छात्र पानी जनित चर्म रोग और अन्य बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। मंगलवार को पालक-शिक्षक संघ के सदस्यों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को विद्यालय की इस गंभीर समस्या से अवगत कराया।

"ट्वीट ऑफ द डे"

अशोक गेहलोत
कांग्रेस नेता

अगर अरावली नहीं बचेगी तो हम इसकी कल्पना कर सकते हैं कि इसके परिणाम क्या होंगे? अरावली केवल पहाड़ नहीं बल्कि राजस्थान समेत अन्य प्रदेशों की जीवन रेखा है। अरावली कोई मामूली पहाड़ नहीं, बल्कि कुदरत की बनाई 'ग्रीन वॉल' है। यह थार रेगिस्तान की रेत और गर्म हवाओं (लू) को दिल्ली, हरियाणा और यूपी के उपजाऊ मैदानों की ओर बढ़ने से रोकती है। अगर छोटी पहाड़ियां खनन के लिए खुल गई तो रेगिस्तान हमारे दरवाजे तक आ जाएगा और गर्म हवाएं तापमान को बढ़ा देंगी।

भारत के सालाना बजट से भी ज्यादा हुई मस्क की नेटवर्थ

750 अरब डॉलर के पार हुई दौलत, दुनिया का कोई भी अरबपति आज तक 500 अरब डॉलर का आंकड़ा नहीं छू सका

नई दिल्ली, जेएनएन। एलन मस्क दुनिया के पहले ऐसे शख्स हो गए हैं, जिनकी दौलत 750 अरब डॉलर से ज्यादा हो गई है. सोमवार को भी उनकी दौलत में 5.4 अरब डॉलर से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है। खास बात तो ये है कि मात्र 54 साल के एलन मस्क की दौलत के सामने आयरलैंड की जीडीपी भी छोटी दिखाई देने लगी है। यहां तक कि एशिया के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी से उनकी नेटवर्थ करीब 7 गुना ज्यादा है। अगर भारत के बजट से करें तो मौजूदा समय में एलन मस्क की नेटवर्थ कहीं ज्यादा देखने को मिल रही है।

भारत के सालाना बजट से भी ज्यादा और आयरलैंड की जीडीपी से भी ज्यादा नेटवर्थ

मौजूदा समय में एलन मस्क की नेटवर्थ मौजूदा वित्त वर्ष के सालाना बजट से भी ज्यादा है। वित्त वर्ष 2026 के लिए देश की सालाना बजट 50.65 लाख करोड़ रुपए है। वहीं एलन मस्क की नेटवर्थ 67 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का देखने को मिल रहा है। अगर वित्त वर्ष 2027 के लिए बजट में 10 से 15 फीसदी का भी इजाफा होता है तो देश का बजट 60 लाख करोड़ रुपए से ऊपर जाने वाला नहीं हैष तब भी एलन मस्क की नेटवर्थ भारत के बजट से ज्यादा होगी। एलन मस्क की दौलत ने अब दुनिया के बड़े देशों की दौलत तक को चुनौती देनी शुरू कर दी है। मौजूदा समय में एलन मस्क की नेटवर्थ यूरोप के बड़े देशों में शुमार आयरलैंड की जीडीपी से भी ज्यादा हो गई है।

दुनिया के दूसरे अमीर से भी 3 गुना : वहीं दुनिया के दूसरे सबसे अमीर आदमी के मुकाबले में करीब 3 गुना ज्यादा देखने को मिला है। वास्तव में उनकी दौलत इतनी तेजी के साथ क्यों बढ़ रही है? अगर इसी रफ्तार के साथ आगे बढ़ते रहे तो एलन मस्क कितने दिनों में ट्रिलिनियर कब तक बन सकते हैं।

दौलत 750 अरब डॉलर के पार फॉर्ब्स के आंकड़ों के अनुसार एलन मस्क की दौलत 750 अरब डॉलर के पार चली गई है। रियल टाइम बिलेनियर्स के आंकड़ों को देखें तो एलन मस्क की मौजूदा नेटवर्थ 754.3 अरब डॉलर हो गई है। वो दुनिया के पहले ऐसे शख्स हैं, जिनकी दौलत इतनी ज्यादा है। खास बात तो ये है कि आज तक कोई दूसरा अरबपति 500 अरब डॉलर के लेवल को भी पार नहीं कर सका है। वहीं दूसरी ओर एलन मस्क एक ट्रिलियन डॉलर के नेटवर्थ के करीब पहुंचते हुए दिखाई दे रहे हैं। आंकड़ों को देखें तो उन्हें अब 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचे के लिए 250 अरब डॉलर से कम के आंकड़े की जरुरत हैं। जिस रफ्तार के साथ वो आगे बढ़ रहे हैं, जल्द ही इस मुकाम को हासिल कर सकते हैं। दूसरे नंबर के अरबपति लैरी पेज हैं, जिनके पास 254.7 अरब डॉलर की नेटवर्थ है।

वंदे भारत एक्सप्रेस की खराब सीट की शिकायत पर तत्काल एक्शन

जागरण, इंदौर। देश की प्रीमियम ट्रेनों में शामिल वंदे भारत एक्सप्रेस में तकनीकी खामियों की शिकायत सामने आई है। इंदौर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस में सफर कर रहे एक यात्री ने सीट खराब होने की शिकायत सोशल मीडिया पर दर्ज कराई, जिसके बाद रेलवे ने मामले में तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। दरअसल इंदौर से नागपुर के लिए रवाना हुई वंदे भारत एक्सप्रेस में सफर कर रहे यात्री निलेश वाघमारे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शिकायत पोस्ट की। उन्होंने बताया कि सी-14 कोच में उनकी सीट नंबर 9 रिक्लाइन नहीं हो रही थी, जिससे पूरी यात्रा असहज हो गई। शिकायत में रेलवे की आधिकारिक सेवा को टैग किए जाने के बाद रेलवे ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और रतलाम डीआरएम को मामले में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। रेलवे सेवा की ओर से शिकायत दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया।

असम में लगातार दूसरे दिन हिंसा, 8 घायल

दीफू/गुवाहाटी, जेएनएन। असम के अशांत कार्बी आंगलोंग जिले में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन हिंसा भड़क उठी। खेरोनी बाजार इलाके में प्रदर्शनकारियों के दो गुट आमने-सामने आ गए, जिसके बाद पथराव शुरू हो गया। हालात काबू में करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागने पड़े। इस हिंसा में कम से कम आठ लोग घायल हो गए, जिनमें प्रदर्शनकारी, पुलिसकर्मी और मीडिया कर्मी शामिल हैं। प्रशासन ने कार्बी आंगलोंग और पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिलों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं। इलाके में निषेधाज्ञा लागू है और अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। आंदोलनकारी कार्बी और पश्चिम कार्बी आंगलोंग में पेशेवर और ग्रामीण चराई रिजर्व में अवैध रूप से रह रहे लोगों को हटाने की मांग कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता गोलू 404 करोड़ के डब्बा ट्रेडिंग का मास्टरमाइंड, चार्जशीट दाखिल

5 अन्य आरोपियों के भी नाम, इंदौर से लेकर दुबई तक फैला था सिंडिकेट

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुख्यालय ने इंदौर की स्पेशल पीएमएलए कोर्ट में कांग्रेस नेता विशाल (गोलू) अग्निहोत्री समेत उसके पांच सहयोगियों के खिलाफ चार्जशीट पेश कर दी है। यह कार्रवाई इंदौर, मुंबई, अहमदाबाद, चेन्नई और दुबई में फैले अवैध डब्बा ट्रेडिंग और ऑनलाइन सट्टेबाजी सिंडिकेट द्वारा 404 करोड़ की अवैध कमाई की जांच के बाद की गई है। ईडी ने इंदौर पुलिस एवं मुंबई के एनएम जोशी मार्ग पुलिस स्टेशन में दर्ज धोखाधड़ी, जालसाजी और आईटी एक्ट के तहत दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर अपनी पड़ताल शुरू की थी। इससे पहले ईडी ने गोलू अग्निहोत्री समेत उसके सहयोगियों के ठिकानों पर छापे मारकर उसके पास से करोड़ों के कैश, प्रॉपर्टी, जेवर और महंगी घड़ियों का कलेक्शन जब्त किया था। गोलू अग्निहोत्री की पत्नी प्रीती को 2018 के चुनाव में इंदौर के विधानसभा क्रमांक 1 से कांग्रेस ने टिकट दिया गया था, लेकिन पार्टी में उपजे विरोध के बाद 24 घंटों के भीतर ही उसका टिकट काटकर वहां से संजय शुक्ला को उम्मीदवार बनाया गया था।

हेराफेरी के जरिए चला रहा था गिरोह

ईडी ने अपनी चार्जशीट में गोलू अग्निहोत्री को इस पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड बताया है, जिसने इस फर्जीवाड़े के जरिए करोड़ों की कमाई की। जांच में सामने आया है कि यह गिरोह एमटी 5 सर्वर में हेराफेरी करता था ताकि ग्राहकों को निवेश के नकली नतीजे दिखाकर लुभाया जा सके। इसके लिए सरगना गोलू के साथ उसका गिरोह वी मनी और 8स्टॉक हाइट जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शेयर के सौदे दिखाता था, जबकि ये दोनों प्लेटफॉर्म असली स्टॉक एक्सचेंज से जुड़े ही नहीं थे। इसके बाद ये निवेशकों से लोटसबुक247 और 11स्टार्स जैसे प्लेटफॉर्म्स के जरिए सट्टेबाजी के लिए करता था, जिसमें लेन-देन नकद या एन्क्रिप्टेड मैसेज के जरिए होता था। ताकि इसे सरकारी एजेंसी पकड़ न सके। ईडी इस केस में अब तक कुल 34.26 करोड़ की प्रॉपर्टी अटैच कर चुकी है जिसमें 28.60 करोड़ के जमीन-मकान, 5.21 करोड़ से च्यादा का कैश, 59.9 किलो चांदी और 100 ग्राम सोना, 1.94 करोड़ के जेवर, 4.77 करोड़ की लग्जरी घड़ियां और 41 लाख की क्रिप्टोकरेंसी शामिल है।

सिंडिकेट के इन सदस्यों के खिलाफ भी आरोपपत्र दाखिल

ईडी ने अपनी चार्जशीट में जहां गोलू अग्निहोत्री को इस पूरे गिरोह का मुख्य संचालक बताया है। इस गिरोह का दूसरा सबसे अहम सदस्य तरुण श्रीवास्तव था, जो इस गिरोह के वित्तीय कामकाज देखन के साथ फर्जी बैंक खातों (म्यूल खातों) की व्यवस्था करता था। इसके अलावा इस गिरोह का टेक्निकल एक्सपर्ट श्रीनिवासन रामासामी था जो ट्रेडिंग के फर्जी परिणाम दिखाने के लिए एमटी5 सर्वरों में छेड़छाड़ कर बदलाव कर देता था। इस गिरोह का एक अन्य सदस्य धवल देवराज जैन है जो सट्टेबाजी के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म लोटसबुक 247 का संचालन करता था। इस गिरोह के विदेशी लिंक खासतौर पर दुबई तक रकम पहुंचाने और वहां से मनी ट्रेल के जरिए इस धन की वापसी का जिम्मा धर्मेश रजनीकांत त्रिवेदी के पास था जो विदेशी कंपनी आईबुल कैपिटल के जरिए इस हेराफेरी को अंजाम देता था। दुबई में इस नेटवर्क के जरिए पैसों को ठिकाने लगाने के लिए निधि चंदनानी नाम की एक महिला सदस्य भी गिरोह में शामिल थी।

ईडी की डिब्बा ट्रेडिंग वालों को चेतावनी, एडवाइजरी जारी

- **सेबी रजिस्ट्रेशन की जांच करें-** किसी भी प्लेटफॉर्म पर पैसा लगाने से पहले यह जरूर देख लें कि वह सेबी के पास रजिस्टर्ड है या नहीं। डब्बा ट्रेडिंग जैसे अनधिकृत ऐप्स का इस्तेमाल न करें, क्योंकि इनमें कोई कानूनी सुरक्षा नहीं मिलती और पैसा डूबने का भारी खतरा रहता है।
- **एमटी5 सर्वर से बचें -** अगर कोई प्लेटफॉर्म निजी या असत्यापित एमटी 5 (मेटा ट्रेडर 5) सर्वर पर चल रहा है, तो उससे बचें। ऐसे सिस्टम धोखाधड़ी के लिए बनाए जाते हैं ताकि आपके मुनाफे या नुकसान में हेरफेर कर सकें।
- **सट्टेबाजी (बेटिंग) वेबसाइटों से दूर रहें-** अवैध सट्टेबाजी वाली साइटों पर पैसा लगाना कानूनी मुसीबत में डाल सकता है। इससे आपकी निजी जानकारी चोरी होने के साथ वित्तीय धोखाधड़ी हो सकती है।
- **अपना बैंक अकाउंट किसी को न दें-** कभी भी किसी दूसरे व्यक्ति को अपना बैंक खाता इस्तेमाल न करने दें। अपराधी ऐसे खातों (म्यूल एकाउंट) का इस्तेमाल काले धन को सफेद करने के लिए करते हैं। जिस भी खाते से कोई अपराध होता है, उसके स्वामी को पीएमएलए (मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) के तहत जिम्मेदार माना जाएगा।
- **संदिग्ध ऑफर की रिपोर्ट करें-** अगर कोई प्लेटफॉर्म बहुत ज्यादा रिटर्न (मुनाफा) का लालच देकर वॉट्सऐप, टेलीग्राम जैसे मैसेजिंग ऐप्स पर अनजान खातों में पैसा जमा करने को कहे, तो तुरंत इसकी शिकायत नजदीकी पुलिस स्टेशन या साइबर क्राइम पोर्टल या हेल्पलाइन नंबर 1930 पर करें।

10 हजार रिश्वत लेते शिक्षा विभाग का अफसर गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मंगलवार को लोकायुक्त पुलिस की जबलपुर यूनिट ने शिक्षा विभाग के अधिकारी को घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। छिंदवाड़ा के कैलाश विहार कॉलोनी की निवासी कविता पीपरडे ने शिकायत दर्ज कराई थी कि अमरवाड़ा में पदस्थ ब्लॉक एकेडमिक समन्वयक (बीएसी) सत्येन्द्र जैन ने उनके द्वारा संचालित यूनिक पब्लिक स्कूल के खिलाफ शिकायत निपटाने के एवज में 10 हजार की डिमांड की थी। इस निजी स्कूल के खिलाफ सीएम हेल्पलाइन में एक शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसका निराकरण संचालिका के पक्ष में करने और कंप्लेन क्लोज करने के लिए घूस मांगी थी।

कॉफी पीते समय लिए नोट, टीम ने दबोचा: आवेदिका की शिकायत का लोकायुक्त पुलिस ने सत्यापन कराया और इसके बाद बीएसी को रंगे हाथ पकड़ने का प्लान बनाया। पहले तो बीएसी ने महिला को अमरवाड़ा आकर घूस देने को कहा लेकिन बाद में वह रिश्वत की रकम लेने की खातिर छिंदवाड़ा आने को तैयार हो गया। शहर के सर्कुलर रोड स्थित

इंडियन कॉफी हाउस में घूस की रकम देने का सौदा हुआ। यहां आकर जैसे ही कॉफी पीते समय सत्येंद्र जैन ने रिश्वत की रकम महिला से लेकर जेब में रखी, पास ही ग्राहक बनकर बैठी टीम ने उसे रंगे हाथ दबोचकर नोट बरामद कर लिए। सत्येंद्र जैन के खिलाफ टीम ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7, 13(1)बी, एवं 13(2) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। टीम ने कार्रवाई की जानकारी जिले के कलेक्टर और शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों को भी दे दी है।

महिला हेड कॉन्स्टेबल भी घूस लेते गिरफ्तार: मंगलवार को ही लोकायुक्त पुलिस की उज्जैन यूनिट ने महिला थाना देवास की प्रधान आरक्षक शाहीन खान को भी 10 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया।

भोपाल में गिरा पारा, ग्वालियर में लगातार जीरो विजिबिलिटी

नए साल से पहले पड़ेगी कड़ाके की ठंड

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में ठंड से तेज कोहरे का असर देखा जा रहा है। ग्वालियर व चंबल क्षेत्र में लगातार तीसरे दिन सुबह के समय विजिबिलिटी जीरो रही। जबकि रीवा, सतना और दमोह में यह 50 मीटर से कम बची। विजिबिलिटी में गिरावट का मुख्य कारण अति घना कोहरा है। प्रदेश के कई जिलों में मंगलवार को सुबह के समय घना कोहरा रहा। मौसम विभाग द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार रीवा, नौगांव और दमोह में शीतल दिन रिकार्ड किया गया। वहीं रीवा, सतना दमोह, खजुराहो, छतरपुर के नौगांव, सीधी, दतिया, उज्जैन और राजगढ़ में कोहरा रहा। कोहरे के कारण उत्तर भारत की ओर से आने वाली ज्यादातर ट्रेनें भोपाल स्टेशन पर घंटों की देरी से पहुंच रही हैं। मौसम विभाग ने आगे भी घने कोहरे का अनुमान जताया है।

भोपाल में और गिरेगा पारा

राजधानी भोपाल में मंगलवार को न्यूनतम पारा एक बार फिर नीचे लुढ़का। यह 7.4 डिग्री रिकार्ड किया गया। जो कि एक दिन पहले सोमवार को 8.8 डिग्री था। दिन का अधिकतम तापमान 26 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि आने वाले दिनों में भोपाल का न्यूनतम पारा ओर नीचे जाएगा। इसके साथ साथ दिन के तापमान में भी गिरावट दर्ज होगी। जिससे दिन और रात दोनों में तेज ठंड का एहसास लोगों को होगा।

दिसंबर में बारिश का ट्रेंड

भोपाल में दिसंबर में ठंड और बारिश का ट्रेंड रहा है। 10 में से पिछले 5 साल से भोपाल दिसंबर में भीग रहा है। आधा से पौन इंच तक बारिश हो गई। हालांकि, इस बार अब तक बारिश नहीं हुई है। दिसंबर में ठंड की बात करें तो 11 दिसंबर 1966 की रात में पारा 3.1 डिग्री पहुंच गया था। यह अब तक का ओवरऑल रिकॉर्ड है। 3 साल पहले 2021 में पारा 3.4 डिग्री पहुंच चुका है।

भाजपा विधायक को आचार संहिता उल्लंघन में राहत

कोर्ट का आदेश: सभा में 5 हैडपंप लगाने की घोषणा का लगा था आरोप

जबलपुर। विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट डीपी सूत्रकार की एमपी-एमएलए कोर्ट ने धौहनी, जिला सीधी से भाजपा विधायक कुंवर सिंह को चुनाव आचार संहिता उल्लंघन मामले में राहत प्रदान कर दी है। कोर्ट ने अपने आदेश में साफ किया कि अभियोजन अपना पक्ष युक्तियुक्त संदेह के परेश प्रमाणित करने में असफल रहा है। परिणामत- अभियुक्त कुंवर सिंह, वर्तमान विधायक को आरोप से दोषमुक्त किया जाता है। मामले की सुनवाई के दौरान विधायक कुंवर सिंह का पक्ष अधिवक्ता विकास मिश्रा ने रखा। उन्होंने दलील दी कि मामला दुर्भावना से प्रेरित था। इसलिए निरस्त किए जाने योग्य है। अभियोजन की ओर से दलील दी गई कि 26 अप्रैल, 2019 को तहसील कार्यालय, मंझौली के भृत्य नीरज कुमार ने सहायक रिटर्निंग आफिसर को दिया था। जिसमें आरोप लगाया था कि विधायक सिंह द्वारा पंचायत धनौली की नुक्कड़ सभा में पांच हैंडपम्प लगाने की घोषणा की गई थी। रवैया आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की परिधि में आता है। जिम्मेदार अधिकारियों ने आरोप की सच्चाई को जाने बिना प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में ले लिया। वीएसटी प्रभारी दिलीप कुमार, राजस्व निरीक्षक, मंझौली से पूछताछ कर कथन दर्ज किए । उन्होंने बताया कि निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर आमसभा को कवर कर रहा था।

फर्जी आदेश केस के आरोपी जज को जमानत देने वाले सेशन जज का तबादला

जागरण, इंदौर। आईएएस संतोष वर्मा से जुड़े फर्जी आदेश मामला एक बार फिर चर्चा में है। इस प्रकरण में आरोपियों को जमानत देने वाले सेशन जज का तबादला कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, हाईकोर्ट जबलपुर के रजिस्ट्रार जनरल ने इंदौर जिला न्यायालय में पदस्थ सेशन जज प्रकाश कसेरा का तबादला आदेश जारी किया है। उन्हें इंदौर से सीधी रामपुर सेशन कोर्ट में पदस्थ किया है। यह आदेश एक दिन पहले पारित किया गया। मालूम हो कि इंदौर की एमजी रोड थाना पुलिस ने 2021 में आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ फर्जी न्यायिक आदेश तैयार करने के आरोप में केस दर्ज किया था। इस मामले में इंदौर में पूर्व में पदस्थ जज वीरेंद्र सिंह रावत और उनकी कोर्ट की टाइपिस्ट नीतू सिंह आरोपी हैं। सेशन जज प्रकाश कसेरा ने इस केस में पहले निलंबित जज वीरेंद्र सिंह रावत को अग्रिम जमानत प्रदान की थी।

जालौर: महिलाओं के स्मार्टफोन इस्तेमाल पर लगाई गई रोक

पंचायतों ने कैमरे वाले फोन पर लगाई पाबंदी

नई दिल्ली, जेएनएन। राजस्थान के कुछ गांवों की पंचायतों ने महिलाओं के स्मार्टफोन इस्तेमाल पर बैन लगा दिया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में दिख रहा है कि पंचायत बैठी हुई है और एक व्यक्ति खड़े होकर पंचायत का फैसला सुना रहा है। वह कह रहा है कि महिलाओं के पास कैमरे वाला मोबाइल फोन नहीं होना चाहिए। वे सिर्फ कॉल करने के लिए बिना कैमरे वाला फोन रख सकती हैं।

मामला राजस्थान के जालौर का है। चौधरी समुदाय की सुंधामाता पट्टी पंचायत ने मोबाइल की लत का हवाला देकर महिलाओं और लड़कियों के लिए स्मार्टफोन इस्तेमाल करने पर बैन लगा दिया है। यह नियम 26 जनवरी से लागू

होगा। पंचायत ने फैसला सुनाया है कि जो छात्राएं पढ़ाई के लिए फोन इस्तेमाल करती हैं, वे अपने डिवाइस घर से बाहर नहीं ले जा सकतीं। इतना ही नहीं, स्कूल जाने वाली लड़कियां फोन का इस्तेमाल करेंगी, वह उन्हें सामाजिक कार्यक्रमों में लेकर नहीं जा सकतीं। पंचायत का तर्क है कि जब महिलाओं के पास मोबाइल फोन होते हैं, तो बच्चे उनका ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, जिससे उनकी आंखों पर असर पड़ सकता है।

साइबर अपराध

साइबर अटैक को लेकर साइबर सुरक्षा एजेंसी सीईआरटी-इन ने जारी किया अलर्ट

बिना पासवर्ड के हैक हो सकता है व्हाट्सएप अकाउंट

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत सरकार से जुड़ी साइबर सुरक्षा एजेंसी सीईआरटी-इन (इंडियन कम्प्यूटर इमरजेंसी रिपांस टीम) ने व्हाट्सएप यूजर्स को एक नए और खतरनाक साइबर अटैक को लेकर अलर्ट किया है। इस अटैक को घोस्टपेरयरिंग नाम दिया गया है, जिसके जरिए हैकर्स बिना पासवर्ड, ओटीपी या सिम स्वैप के ही व्हाट्सएप अकाउंट को अपने कंट्रोल में ले सकते हैं। खास बात यह है कि इसमें व्हाट्सएप में मिलने वाले डिवाइस लिंकिंग फीचर का ही गलत इस्तेमाल किया जाता है। सीईआरटी-इन के मुताबिक, घोस्टपेरयरिंग अटैक यूजर्स की छोटी सी गलती का फायदा उठाता है। इसमें साइबर अपराधी यूजर को फंसाकर ऐसा कदम उठाने पर मजबूर करते हैं, जिससे उनका अकाउंट किसी दूसरे डिवाइस से लिंक हो जाता है। एक बार लिंकिंग पूरी होते ही अटैकर्स को अकाउंट का पूरा एक्सेस मिल जाता है।

अकाउंट लिंक होने के बाद क्या होता है?

जैसे ही अटैकर का डिवाइस व्हाट्सएप अकाउंट से लिंक होता है, वह लगभग व्हाट्सएप वेब की तरह काम करने लगता है। वह रियल-टाइम में चैट पढ़ सकता है, फोटो, वीडियो और वॉइस नोट देख सकता है और कॉन्टैक्ट्स व ग्रुप्स में मैसेज भेज सकता है। यानी अकाउंट पर पूरा कंट्रोल हैकर के हाथ में चला जाता है।

क्यों खतरनाक है घोस्टपेरयरिंग अटैक?

घोस्टपेरयरिंग सिर्फ एक यूजर तक सीमित नहीं रहता। हैक हुआ अकाउंट आगे उसी तरह के फर्जी मैसेज और लिंक अपने कॉन्टैक्ट्स को भेजने लगता है। इससे यह अटैक तेजी से फैलता है और कई लोग एक साथ इसकी चपेट में आ सकते हैं। इसी वजह से सीआईआरटी-इन ने इसे गंभीर साइबर खतरा बताया है।

घोस्टपेरयरिंग से बचने के लिए क्या करें?

सीआईआरटी-इन ने यूजर्स को अलर्ट रहने की सलाह दी है। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक ना करें, भले ही वह किसी जानने वाले से ही क्यों ना आया हो। व्हाट्सएप या फेसबुक के नाम पर किसी भी वेबसाइट पर अपना फोन नंबर दर्ज ना करें। इसके अलावा, व्हाट्सएप की सेटिंग्स में जाकर रेग्युलर लिंक्ड डिवाइस सेक्शन चेक करें और अगर कोई अनजान डिवाइस दिखे, तो तुरंत उसे लॉग आउट कर दें।

घोस्टपेरयरिंग अटैक कैसे काम करता है?

इस अटैक की शुरुआत आमतौर पर किसी भरोसेमंद कॉन्टैक्ट के नाम से आए मैसेज से होती है। मैसेज में लिखा होता है- हाय! ये फोटो देखो या इस लिंक पर क्लिक करो। साथ में दिया गया लिंक फेसबुक जैसे किसी जाने-पहचाने प्लेटफॉर्म के प्रिव्यू जैसा दिखता है, जिससे यूजर को शक नहीं होता। जब यूजर उस लिंक पर क्लिक करता है, तो वह एक फेक वेबसाइट पर पहुंच जाता है। यहां कंटेंट देखने के लिए वेरिफिकेशन के बहाने व्हाट्सएप से जुड़ा फोन नंबर मांगा जाता है। इसके बाद लिंक डिवाइस व्हाया फोन नंबर फीचर का इस्तेमाल कर यूजर से अनजाने में अकाउंट लिंक करवा लिया जाता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।